हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • रविवार • 31.05.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 303 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

दिल्ली में आतंकी साजिश नाकाम, 9 संदिग्ध गिरफ्तार

सुरक्षा बल और संवेदनशील इलाके थे निशाने पर, भारी मात्रा में हथियार और बारूद बरामद

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए राजधानी को दहलाने की एक खतरनाक आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है। सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और मुंबई अंडरवर्ल्ड नेटवर्क के इशारे पर काम कर रहे 9 संदिग्ध एजेंटों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से भारी मात्रा में अत्याधुनिक हथियार और विस्फोटक बारूद बरामद किया गया है।

पुलिस अब इस बात की गहनता से तफ्तीश कर रही है कि इस गैंग को इतनी बड़ी मात्रा में हथियार और बारूद कहाँ से सप्लाई किए गए थे। इसके साथ ही, विदेश में बैठे किन-किन हैंडलर्स के इशारे पर यह साजिश रची गई और इस पूरे ऑपरेशन के लिए फंडिंग कहाँ से आ रही थी, इसकी कड़ियों को भी खंगाला जा रहा है। पुलिस को उम्मीद है कि पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में कई और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

हाई अलर्ट पर राजधानी

इस आतंकी मॉड्यूल का पदार्फाश होने के बाद पूरी दिल्ली को हाई अलर्ट पर रख दिया गया है। दिल्ली के सभी थानों और जिला पुलिस को केंद्रीय सुरक्षा बलों व खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर लगातार चेकिंग और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

आईईडी ब्लास्ट या अंधाधुंध गोलीबारी के जरिए दहशत फैलाने की थी साजिश

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को दिल्ली के बेहद संवेदनशील इलाकों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और सुरक्षा बलों को निशाना बनाने का टास्क दिया गया था। खूफिया इनपुट से मिली जानकारी के अनुसार, यह मॉड्यूल आत्मघाती हमले, वाहनों में आईईडी ब्लास्ट या अंधाधुंध गोलीबारी के जरिए राजधानी में दहशत फैलाने की फिराक में था।

दिल्ली, मुंबई और पंजाब से जुड़े हैं तार, विदेशी नागरिक भी शामिल

शुरूआती जांच के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपी दिल्ली, मुंबई और पंजाब के रहने वाले हैं, जिनमें कुछ विदेशी नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं। स्पेशल सेल पिछले कुछ समय से इस पूरे मॉड्यूल की गतिविधियों पर पैनी नजर रखे हुए थी और पुख्ता जानकारी मिलते ही अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर इन्हें दबोच लिया गया।

एक नजर

डी.के. शिवकुमार बने कर्नाटक कांग्रेस विधायक दल के नेता

बेंगलुरु : कर्नाटक की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत कांग्रेस विधायक दल ने डी.के. शिवकुमार को अपना नेता चुन लिया है। कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उनके नाम पर सहमति बनने के बाद आधिकारिक रूप से उन्हें विधायक दल का नेता घोषित किया गया। विधायक दल का नेता चुने जाने के साथ ही डी.के. शिवकुमार के कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। कांग्रेस के विधायी सत्र के दौरान इस संबंध में औपचारिक घोषणा की गई। पार्टी नेतृत्व और विधायकों ने उनके चयन का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में राज्य में कांग्रेस सरकार जनहित और विकास के मुद्दों को प्राथमिकता देगी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 6 की मौत और 40 लोग घायल

अनूपपुर (म.प्र.) : अनूपपुर जिले में शुक्रवार शाम को एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई, जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य लोग घायल हो गए। यह हादसा करणपथार थाना क्षेत्र के बिजौरा गांव के पास उस समय हुआ जब पूजा के लिए लगभग 50 श्रद्धालुओं को ले जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक के नियंत्रण खो देने के कारण पलट गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सभी घायलों को इलाज के लिए पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और उमरिया जिले के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

आज रात दिखेगा साल का सबसे छोटा ब्लू माइक्रोमून

भोपाल : खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए रविवार, 31 मई की रात बेहद खास होने जा रही है। इस दौरान आसमान में अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। आकाश में ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की पूर्णिमा का चंद्रमा ब्लू माइक्रोमून के रूप में दिखाई देगा। यह साल 2026 का सबसे छोटा फुलमून होगा। मध्य प्रदेश की नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने शनिवार को इस खगोलीय घटना की जानकारी देते हुए बताया कि ब्लू मून नाम सुनकर लोग यह न समझें कि चांद नीले रंग का दिखेगा।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री के आवासीय कार्यालय में ओडिशा के म्यूरभंज एवं सुंदरगढ़ से आये प्रतिनिधिमंडल ने औपचारिक मुलाकात की

क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी बनेंगे स्वास्थ्य विभाग के ब्रांड एंबेसडर : इरफान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने भारतीय युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को सम्मानित करने और झारखंड स्वास्थ्य विभाग का ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। अंसारी की ओर से शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि डॉ. अंसारी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग वैभव सूर्यवंशी के साथ मिलकर युवाओं के बीच स्वास्थ्य, फिटनेस, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाने का काम करेगा।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी की हुई पिटाई, लोगों ने फाड़े कपड़े

एजेंसी

सोनारपुर : पश्चिम बंगाल के सोनारपुर इलाके में शनिवार को उस समय भारी तनाव फैल गया, जब अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी पर कथित तौर पर हमला कर दिया गया। विधानसभा चुनाव के दौरान हुई हिंसा में घायल पार्टी कार्यकर्ताओं और पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने पहुंचे सांसद को न सिर्फ उग्र विरोध का सामना करना पड़ा, बल्कि उन पर अंडे भी फेंके गए। इस दौरान हुई भारी धक्का-मुक्की में उनके कपड़े भी फट गए। बाद में सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें हेलमेट पहनाकर सुरक्षित वाहन तक पहुंचाया।

क्या था मामला?

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान सोनारपुर सीट पर राजनीतिक हिंसा चरम पर थी। इस सीट पर भाजपा की ओर से रूपा गांगुली और टीएमसी की तरफ से अरुंधति मैत्रा मैदान में थीं। प्रचार के दौरान दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हुई थीं, जिसमें टीएमसी कार्यकर्ता संजू कर्माकर की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। शनिवार को अभिषेक बनर्जी इसी सिलसिले में सोनारपुर के दौरे पर थे। टीएमसी ने इस घटना को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

'चोर-चोर' के नारे और धक्का-मुक्की

मिली जानकारी के अनुसार, अभिषेक बनर्जी दक्षिण 24 परगना की सोनारपुर सीट पर चुनावी हिंसा के शिकार टीएमसी कार्यकर्ता संजू कर्माकर के परिजनों और अन्य घायलों से मिलने पहुंचे थे। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने अचानक उनके खिलाफ चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। देखते ही देखते स्थिति बेकाबू हो गई और भीड़ में से उन पर अंडे फेंके जाने लगे। सुरक्षा घेरा तोड़कर कुछ लोग सांसद के बिल्कुल करीब पहुंच गए, जिससे हुई झूमा-झटकी में उनकी शर्ट फट गई।

भाजपा सरकार पर मढ़ा आरोप, कोर्ट जाने की दी चेतावनी

घटना के तुरंत बाद मीडिया से बात करते हुए अभिषेक बनर्जी ने इस हमले का सीधा आरोप राज्य की नवनिर्वाचित भाजपा सरकार पर लगाया। उन्होंने कहा यह सब भाजपा सरकार की सोची-समझी साजिश है। ये लोग मेरी जान लेना चाहते हैं। मौके पर एक भी पुलिसकर्मी तैनात नहीं था, जो कानून-व्यवस्था की पोल खोलता है। अगर मैंने हेलमेट नहीं पहना होता, तो आज सिर पर गंभीर चोट आ सकती थी। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो फुटेज हमारे पास है, जिसे हम राज्यपाल और हाई कोर्ट के सामने रखेंगे। हम इस अन्याय के खिलाफ अदालत का दरवाजा जरूर खटखटाएंगे।

तकनीकी खराबी के कारण नहीं हो सकी सीयूईटी परीक्षा

एजेंसी

नयी दिल्ली : देशभर के लाखों छात्रों के लिए आयोजित होने वाली सीयूईटी यूजी 2026 परीक्षा के पहले ही दिन शनिवार (30 मई) को भारी अव्यवस्था देखने को मिली। परीक्षा के दौरान अचानक आई तकनीकी खराबी के कारण कई केंद्रों पर कंप्यूटर सिस्टम ठप हो गए, जिससे परीक्षा समय पर शुरू नहीं हो सकी। घंटों इंतजार करने के बाद भी कई छात्र परीक्षा नहीं दे पाए, जबकि कुछ अभ्यर्थियों को अधूरी परीक्षा छोड़कर ही बाहर आना पड़ा। छात्रों की इस परेशानी को देखते हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने प्रभावित उम्मीदवारों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करने का बड़ा फैसला लिया है।

सुबह की पाली में हुई इस तकनीकी दिक्कतों का असर दोपहर की पाली (सेकंड शिफ्ट) पर भी पड़ा। स्थिति को संभालने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने दोपहर की परीक्षा का समय बदल दिया। संशोधित कार्यक्रम के तहत छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया (एंट्री) दोपहर 2:30 बजे से शुरू की गई और परीक्षा शुरू होने का समय एक घंटा आगे बढ़ाकर शाम 4 बजे तय किया गया।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी कराएगी दोबारा परीक्षा

टीसीएस के सिस्टम में आई गड़बड़ी

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने आधिकारिक बयान जारी कर माना कि 30 मई को पहली पाली (फर्स्ट शिफ्ट) की परीक्षा के दौरान तकनीकी समस्या आई थी। एजेंसी के अनुसार, परीक्षा के संचालन की तकनीकी जिम्मेदारी संभाल रही कंपनी टीसीएस आईओएन के सिस्टम में खराबी आने की वजह से कुछ केंद्रों पर यह समस्या खड़ी हुई। हालांकि, बाद में इस खराबी को ठीक कर लिया गया। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि जिन केंद्रों पर परीक्षा देर से शुरू हुई, वहां छात्रों को प्रश्नपत्र हल करने के लिए पूरा अतिरिक्त समय दिया गया।

विनेश फोगाट एशियाई खेलों के चयन ट्रायल से बाहर, मीनाक्षी ने पटका

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारतीय स्टार महिला पहलवान विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स में बड़ा झटका लगा है। शनिवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित महिलाओं के 53 किग्रा भारवर्ग के एक कड़े मुकाबले में उभरती हुई पहलवान मीनाक्षी गोयत ने अनुभवी विनेश फोगाट को 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। इस हार के साथ ही विनेश फोगाट एशियाई खेलों की रेस से बाहर हो गई हैं। इससे पहले, कानूनी अड़चनों को पार कर सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट की हरी झंडी के बाद विनेश को इस चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति मिली थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पुत्री पहुंची आगरा, पति के साथ ताज का किया दीदार

महाबोधि मंदिर पहुंचे म्यांमार के राष्ट्रपति गर्भगृह में की विशेष पूजा-अर्चना

एजेंसी

बोधगया (गया जी) : म्यांमार के राष्ट्रपति जनरल मिन आंग ह्लाइंग शनिवार को एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ विशेष विमान से गया अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। हवाई अड्डे पर बिहार के राज्यपाल और गया जिला के प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सीधे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थली बोधगया के लिए रवाना हुए।

बोधगया पहुंचने के बाद राष्ट्रपति जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर का भ्रमण किया। उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में मुख्य बुद्ध प्रतिमा के दर्शन किए और बौद्ध परंपराओं के अनुसार विशेष पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति ने मंदिर परिसर में कुछ समय व्यतीत कर वहां की शांतिपूर्ण आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव भी किया।

महाबोधि मंदिर में दर्शन-पूजन के पश्चात राष्ट्रपति का काफिला सुजाता बाईपास रोड स्थित बर्मीज बौद्ध मठ पहुंचा, जहाँ उन्होंने मठ की गतिविधियों की जानकारी ली। इसके बाद वे बकरौर स्थित ऐतिहासिक सुजाता मंदिर गए और वहाँ भी श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। इस पूरे दौरे के दौरान म्यांमार सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और राजनयिक भी उनके साथ मौजूद रहे।

ईरान का अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर बड़ा हमला, कई सैनिक घायल

एजेंसी

वाशिंगटन : अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। ईरान ने अमेरिका द्वारा हाल ही में किए गए हमलों का जवाब देते हुए एक अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर मिसाइल और ड्रोनों से भीषण हमला किया है। इस कार्रवाई में कई अमेरिकी सैनिकों के घायल होने की खबर है, जबकि अमेरिकी सेना के दो अत्यंत आधुनिक और घातक 'एमक्यू-9 रीपर ड्रोन' को भी भारी नुकसान पहुंचा है। इस ताजा हमले के बाद दोनों देशों के बीच हुआ नाजुक युद्धविराम अब पूरी तरह टूटने की कगार पर आ गया है।

अत्याधुनिक 'रीपर ड्रोन' तबाह

समझौते पर डोनाल्ड ट्रंप की बैठक बेनतीजा

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस संकट को लेकर शुक्रवार को 'व्हाइट हाउस' में अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। हालांकि, ईरान के साथ युद्धविराम की अवधि बढ़ाने और 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' (होर्मुज जलडमरूमध्य) को फिर से खोलने संबंधी प्रस्तावित समझौते पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हो सका है। लगभग दो घंटे चली यह बैठक बिना किसी ठोस निर्णय के समाप्त हो गई।

जवाबी कार्रवाई में दागी बैलिस्टिक मिसाइल

ईरान की 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने बयान जारी कर बताया कि गुरुवार सुबह उनके बलों ने उस अमेरिकी हवाई ठिकाने को निशाना बनाया, जहां से ईरान के दक्षिणी हिस्से (विशेषकर बंदर अब्बास क्षेत्र) पर रात में हमले किए गए थे। अमेरिकी अधिकारियों ने भी इस हमले की पुष्टि की है। अधिकारियों के अनुसार, पिछले 24 घंटों के भीतर ईरान ने कुवैत में स्थित 'अली अल सलेम हवाई ठिकाने' पर 'फतेह-110' नामक बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। हालांकि, कुवैत की हवाई रक्षा प्रणाली (एयर डिफेंस सिस्टम) ने इस मिसाइल को हवा में ही रोक दिया, लेकिन मिसाइल का मलबा सैन्य ठिकाने के भीतर जा गिरा। इस मलबे की चपेट में आने और आंशिक प्रभाव के कारण कई अमेरिकी सैनिक घायल हो गए।

करोड़ों डॉलर के युद्धक ड्रोन नष्ट

इस हमले में अमेरिका के दो बेहद महत्वपूर्ण 'एमक्यू-9 रीपर' स्ट्राइक ड्रोनों को भारी नुकसान पहुंचा है। इनमें से एक ड्रोन पूरी तरह नष्ट हो गया है, जबकि दूसरा गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुआ है। गौरतलब है कि एक रीपर ड्रोन की कीमत लगभग तीन करोड़ डॉलर होती है। खुफिया निगरानी और सटीक हवाई हमलों के लिए पहचाने जाने वाले इन ड्रोनों का नष्ट होना अमेरिकी सेना के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

एक नजर

2027 पंचायत चुनाव को लेकर चलकुशा में राजनीतिक हलचल तेज

चलकुशा : 2027 में होने वाले पंचायत चुनाव को लेकर हजारीबाग जिले के चलकुशा प्रखंड की राजनीतिक हलचल तेज हो रही है। प्रखंड क्षेत्र के कई पंचायतों के प्रत्याशी,मुखिया, पंचायत समिति, और जिला परिषद के लिए दावेदारी पेश करने लगे हैं। प्रत्याशियों के साथ साथ आम जनता में भी चुनाव को लेकर खूब चर्चा हो रही है। दावेदारी पेश करने वाले प्रत्याशियों को लोगों का समर्थन भी मिल रहा है। लोगों का कहना है` की इस बार की वोट जनता के साथ रहने वाले प्रत्याशियों को दी जाएगी जो गरीबों और वंचितों के लिए सदैव खड़ा रहेगा। 9 पंचायतों वाला चलकुशा प्रखंड में से चलकुशा सलैडीह अलगडीहा चौबे सेवाटांड मनैया खरगू सुदन और मस्केडीह में मुखिया और पंचायत समिति की चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी अब तैयारी में लगे हुए हैं। 2027 में होने वाले पंचायत चुनाव को लेकर क्षेत्र में चर्चा भी तेज हो गई है।

ग्रामीणों ने निजी जमीन दान कर बनाया रास्ता

बरही : विजैया गांव के ग्रामीणों ने अपने नीजि जमीन दान व खर्च से आईओ सड़क से लेकर देवी मंदिर तक जाने वाले रास्ते को बनाया। इस कार्य में पूर्व ज़िप प्रतिनिधि मो क्युम व उपप्रमुख देवलाल कुशवाहा की अहम भूमिका रही। ग्रामीणों ने बताया कि विजैया आरईओ सड़क से लेकर देवी मंदिर तक जाने के लिए कुछ लोगों का रैयती जमीन था जिसके कारण अब तक रास्ता नहीं था जिसके कारण लोगों को आने जाने में काफी परेशानी होती थी। लोगों ने बताया कि इस सड़क निर्माण कार्य को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों को संज्ञान में दिया गया परंतु अमल नहीं किया। अंततोगत्वा गांव के नवयुवक, बुद्धि जीवी वर्ग, समाजिक कार्यकर्ताओं ने मो क्युम व उपप्रमुख देवलाल कुशवाहा के अगुवाई में उक्त सड़क को निर्माण को बैठक हुई। जिसमें रास्ते में पड़ने वाले रैयतों ने स्वेच्छा से रास्ता निर्माण को अपनी जमीन दिया तथा ग्रामीणों के निजी कोष से उक्त सड़क निर्माण कार्य को लेकर जेसीबी मशीन लगाकर बनाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण होने से अब देवी मंदिर पूजा पाठ सहित अन्य धार्मिक कार्य करने में कोई परेशानी नहीं होगी जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा गया। मौके पर डीएसपी चंद्र शेखर आजाद, तिरलोकी प्रसाद, रवि बर्मा, दशरथ प्रसाद, मुकेश जी ,महेंद्र जी, यमुना जी, सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

बीडीओ ने मकान जनगणना कार्य का निरीक्षण किया

बरही : बीडीओ जयपाल महतो ने जनगणना कार्य मकान सूचीकरण का निरीक्षण किया और प्रगति की जानकारी ली। 14 जून तक मकान सूचीकरण कार्य को पूर्ण कर लेना है। शनिवार को बीडीओ जयपाल महतो ने रसोइयाधमना, कोनरा और बरही पश्चिमी पंचायत में मकान सूचीकरण कार्य का निरीक्षण किया। बरही में कुल 275 एचएलबी मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं। सभी एचएलबी में गणना जारी है। बीडीओ जयपाल महतो ने बताया कि 53 एचएलबी मकान सूचीकरण ब्लॉक में मकान जनगणना कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 275 एचएलबी का ले आउट मैप तैयार हो चुका है। निरीक्षण के दौरान कोनरा , बरही पश्चिमी एवं रसोईया धमना में हाउस लिस्टिंग कर रहे प्रगणकों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि वे सभी सावधानी से सवालों के जवाब ऐप में दर्ज करें। कोई समस्या या जानकारी प्राप्त करने के लिए जनगणना कोषांग बरही में सम्पर्क करें।

जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति की बैठक संपन्न

विकास योजनाओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : केंद्रीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति (दिशा) की बैठक समाहरणालय सभागार में संपन्न हुई। बैठक में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, उपायुक्त हेमन्त सती, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, बरही विधायक मनोज यादव, बरकट्ठा विधायक अमित यादव, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी, मांडू विधायक निर्मल महतो एवं बगोदर विधायक नागेंद्र महतो, उप विकास आयुक्त रिया सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता,

महापौर अरविंद राणा, जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, कल्याण, आपूर्ति, समाज कल्याण, ऊर्जा, भूमि संरक्षण, भवन प्रमंडल, राष्ट्रीय राजमार्ग, वन विभाग, जिला परिषद, नगर निगम, भू-अर्जन सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन, योजनाओं की प्रगति तथा क्रियान्वयन की स्थिति का मूल्यांकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से आम जनता तक पहुंचाना हम सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, सतत निगरानी तथा शिकायतों के त्वरित एवं निष्पक्ष निवारण पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराया जाए तथा कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों ने अपने अपने क्षेत्र में विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित एवं संचालित योजनाओं के बेहतर संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान सदस्यों द्वारा विष्णुगढ़ अंचलाधिकारी के कार्यों से संबंधित गंभीर शिकायतें उठाई गईं। इस पर समिति द्वारा विभागीय कार्रवाई हेतु आरोप पत्र गठित करने तथा स्थानांतरण की अनुशंसा करने का निर्णय लिया गया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसबीएमसीएच) में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। अस्पताल परिसर में स्थापित पंखे, लाइट, कूलर एवं एयर कंडीशनर को 20 जून तक क्रियाशील बनाने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया।

विभावि को 'यूनिवर्सिटी ऑफ द फ्यूचर' बनाएंगे : प्रो. चंद्र भूषण शर्मा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा ने शनिवार को कहा कि विभावि को भविष्य का विश्वविद्यालय बनाना है, जहां छात्रों को बाहर की दुनिया के लिए तैयार किया जाए। स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित एआई कार्यशाला में उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़े बिना दुनिया को विवि के बारे में नहीं बता सकते। कुलपति ने बताया कि वह विभावि को झारखंड का 'सेंटर ऑफ ड्रोन टेक्नोलॉजी' और 'सेंटर ऑफ डिसेबिलिटी स्टडीज' बनाने पर काम कर रहे हैं। साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर इसे 'यूनिवर्सिटी ऑफ द फ्यूचर' बनाना चाहते हैं। उन्होंने जानकारी दी कि डिसेबिलिटी स्टडीज की कार्यशाला का खर्च सीईएमसीएऔर एआई कार्यशाला का पूरा खर्च डेलॉइट्टे ने वहन किया है।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने दी शुभकामनाएं, कहा-

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है हिंदी पत्रकारिता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन, झारखंड प्रदेश की ओर से सभी पत्रकार बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। संगठन ने हिंदी पत्रकारिता को लोकतंत्र की रीढ़ बताते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति ने कहा, हिंदी पत्रकारिता आम आदमी की आवाज है। निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता से ही समाज मजबूत होता है। आज के दौर में जब सूचनाओं का अंबार है, तब हिंदी के पत्रकार सच्चाई को जनता तक पहुंचाकर लोकतंत्र को जिंदा रख रहे हैं।

मकुंद साव

प्रदेश संयोजक भरत यादव ने कहा, हिंदी पत्रकारिता ने आजादी की लड़ाई से लेकर मानवाधिकारों की रक्षा तक हर मोर्चे पर अहम भूमिका निभाई है। यह सिर्फ खबर नहीं, बल्कि समाज का दर्पण है। प्रदेश प्रभारी मुकुंद साव ने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में हिंदी पत्रकारिता ने लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया है। पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्रता सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है।प्रदेश सचिव प्रो. हीरामन साव ने कहा, हिंदी पत्रकारिता ने शिक्षा, स्वास्थ्य और मानवाधिकार जैसे विषयों को आम जन तक पहुंचाने में ऐतिहासिक काम किया है। युवा पीढ़ी को पत्रकारिता के मूल्यों से जुड़कर समाज सेवा करनी चाहिए। प्रदेश विधि सचिव डॉ. सुनील कुमार दत्त ने कहा, संविधान ने प्रेस को जो आजादी दी है, उसकी रक्षा करना जरूरी है। हिंदी पत्रकारिता कानूनी जागरूकता फैलाने का सबसे सशक्त माध्यम है। हम सभी पत्रकारों के कानूनी अधिकारों के साथ खड़े हैं। प्रदेश महासचिव नवीन सिन्हा ने कहा, डिजिटल युग में हिंदी पत्रकारिता और मजबूत हुई है। हम सभी पत्रकारों से आग्रह करते हैं कि वे तथ्यपरक और जिम्मेदार पत्रकारिता की परंपरा को आगे बढ़ाते रहें। संगठन ने इस अवसर पर दिवंगत पत्रकारों को श्रद्धांजलि अर्पित की और वर्तमान में कार्यरत सभी हिंदी पत्रकारों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भूमि विवादों के निपटारे को लेकर चौपारण थाना में लगा थाना दिवस, 16 आवेदन प्राप्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं भूमि संबंधी विवादों के शांतिपूर्ण निपटारे के उद्देश्य से शनिवार को चौपारण थाना परिसर में थाना दिवस का आयोजन किया गया। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के निर्देश तथा उपायुक्त के पत्रांक 1395/ज0 शि0 के आलोक में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। थाना दिवस के दौरान कुल 16 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें भूमि विवाद, अवैध कब्जा, दबंगतापूर्वक घर निर्माण, जमीन संबंधी विवाद को लेकर मारपीट तथा अन्य राजस्व एवं विधि-व्यवस्था से जुड़े मामले शामिल थे। अधिकारियों ने सभी आवेदनों की गंभीरता से सुनवाई करते हुए संबंधित मामलों के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम में बनऊ निवासी बालगोविंद सिंह, भगहर निवासी सुरेश कुमार, संदीप कुमार साव समेत अन्य आवेदकों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। अधिकारियों ने दोनों पक्षों की बात सुनकर मामलों के समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया तथा सभी को विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाने की सलाह दी। इस अवसर पर अंचल अधिकारी संजय यादव, अंचल निरीक्षक शशिकांत कुमार एवं थाना प्रभारी पंकज कुमार उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि थाना दिवस आम जनता और प्रशासन के बीच संवाद का सशक्त मंच बनकर उभर रहा है। इसके माध्यम से लोगों को एक ही स्थान पर प्रशासनिक सहायता उपलब्ध हो रही है तथा भूमि संबंधी विवादों के त्वरित एवं शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल हो रही है। उन्होंने लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी विवाद की स्थिति में प्रशासन से संपर्क कर कानूनी प्रक्रिया के तहत समाधान कराने की अपील की।

हजारीबाग में ट्रैफिक नियमों को लेकर पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पुलिस अधीक्षक हजारीबाग अमन कुमार के आदेश पर गुरुवार को शहर में यातायात नियमों को लेकर बड़ा जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके साथ ही नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। डीएसपी सीसीआर के नेतृत्व में यातायात थाना प्रभारी समेत 4 पुलिस पदाधिकारी और 8 गृहरक्षकों की टीम गठित की गई। टीम ने पुलिस जीप से रिकॉर्डेड एनाउंसमेंट के जरिए लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी। यह अभियान डिस्ट्रिक्ट मोड़, पीटीसी चौक, मटवारी चौक, बाबू गांव चौक, कोर्रा चौक, त्रिमूर्ति चौक, इंद्रपुरी चौक, पानी टंकी, पैगोडा चौक, खाजा चौक, छोटी ग्वालटोली, सांसद महोदय मोड़, सुंदरी मार्केट, झंडा चौक और पंच मंदिर चौक तक

मुख्य मार्गों पर चलाया गया। टीम बारी-बारी से स्थान बदलकर बाजार में घूम-घूम कर प्रचार-प्रसार करती रही। इंद्रपुरी चौक से पैगोडा चौक, झंडा चौक, सुंदरी मार्केट, पंच मंदिर चौक, छोटी ग्वालटोली चौक एवं अन्य मुख्य मार्गों पर नो पार्किंग अभियान चलाया गया। इस दौरान नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों को हटवाया गया और वाहन चालकों को चेतावनी दी गई। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग अमन कुमार ने बताया कि शहर में जाम की समस्या और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यह अभियान लगातार चलाया जाएगा।

मेधा डेयरी दुग्ध संग्रहालय के पशुपालकों ने दूध का रेट बढ़ाने की मांग की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : झारखंड सरकार द्वारा संचालित मेधा डेयरी के तहत दूध संग्रहालय केंद्र के प्रांगण में मेघा डायरी मिल्क पशुपालक धूपन महतो सचिन नागेश्वर महतो ने बताया कि बड़कागांव के पशुपालकों में दूध का रेट प्रति लीटर 10 बढ़ाने की सरकार से मांग की है। पशुपालको का कहना है कि 2014-15 से हम लोग दूध दे रहे हैं उस समय जो कीमत दिया जाता था। लगभग वही रेट अभी भी दिया जा रहा है। वर्तमान समय में 33 से 37 रुपए लीटर दूध मेघा डेरी फार्म की ओर से ली जा रही है। जबकि महंगाई बहुत अधिक बढ़ चुकी है पशुपालकों ने बताया कि मेधा दूध कलेक्शन सेंटर के

बगल में अमूल दूध कलेक्शन सेंटर खुल गया है। और वहां लगभग 50 प्रति लीटर दूध लिया जाता है जिस वजह से हम लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है मेधा कलेक्शन सेंटर के सचिन नागेश्वर महतो ने कहा बगल में अमूल डेयरी दुग्ध संग्रहालय केंद्र खुल गया है। जहां एक ही गुणवत्ता वाले दूध का अधिक रेट मिलता है। इस वजह से हमारे आधे से अधिक पशुपालक छोड़ चुके हैं। अगर यही हाल रहा तो एक दिन सेंटर बंद करना पड़ेगा।पशुपालकों ने कहा अगर मेधा डेयरी दूध का रेट नहीं बढ़ती है तो हम लोग जिला प्रशासन, मंत्री और मुख्यमंत्री तक इस बात को लेकर जाएंगे और आवश्यकता पड़ी तो आंदोलन भी करेंगे। पशुपालकों ने अपने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि हमलोग गाय रखकर पछता रहे हैं ऐसा लग रहा है कि डेरी फार्म बंद करना होगा। बहुत सारे महिलाएं एवं पुरुष ने यह भी बताया कि दूध का रेट अच्छा नहीं मिलने के कारण हमें लगातार नुकसान हो रहा है जिससे हम लोगों ने कई गाएं बेच भी दीया है। पशुपालकों की दो मुख्य मांग थी पहला यह की दूध का रेट प्रति लीटर 10 बढ़ाया जाए और दुसरा गाय का फीड में सब्सिडी बढ़ाया जाए। क्योंकि फील्ड काफी महंगा हो गया है। अपनी मांग को रखने वाले पशुपालकों में कलेक्शन सेंटर के सचिव नागेश्वर महतो, पशुपालक धुपन महतो, राजेंद्र कुशवाहा, उपेंद्र कुमार, चंद्रिका महतो, चेतलाल महतो, अवधेश कुमार, चंद्रनाथ कुमार, राजेश कुमार,चंद्रदेव महतो, मुनिता कुमारी, कंचन देवी, बिलासो देवी,मनोज यादव, प्रदीप कुमार, समेत दर्जनों पशुपालक मौजूद है।

संक्षिप्त खबरें

जनसेवा और क्षेत्रहित के मुद्दों को लेकर रेवाली पासवान ने डीएसपी से की मुलाकात

चौपारण : हजारीबाग एससी विभाग के कार्यकारी जिला अध्यक्ष रेवाली पासवान एवं बरही प्रखंड अध्यक्ष कार्तिक पासवान ने बरही डीएसपी राधा प्रेम किशोर से शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने डीएसपी को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। मुलाकात के दौरान क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, जनसुरक्षा, अपराध नियंत्रण तथा आम जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। साथ ही सामाजिक समरसता, जनकल्याण और क्षेत्र के विकास से संबंधित विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। रेवाली पासवान ने कहा कि पुलिस प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर तालमेल से क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सौहार्द का वातावरण और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं डीएसपी राधा प्रेम किशोर ने आश्वस्त किया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधियों पर कार्रवाई करने और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तत्परता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रहा है। सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई इस मुलाकात में क्षेत्रहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई तथा जनसेवा और विकास को लेकर आपसी सहयोग की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

ताजपुर पंचायत में आधारभूत सुविधाएं होंगी मजबूत मुखिया ने दो विकास योजनाओं का किया उद्घाटन

चौपारण : प्रखंड की ताजपुर पंचायत में ग्रामीण विकास और आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में शनिवार को दो महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ किया गया। पंचायत की मुखिया उषा देवी ने ताजपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर के बाहर मुखिया मद से निर्मित फेबर ब्लॉक निर्माण कार्य एवं ताजपुर सामुदायिक भवन के मरम्मत कार्य का फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में दोनों योजनाओं का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुखिया उषा देवी ने कहा कि पंचायत क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में फेबर ब्लॉक निर्माण से श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, वहीं सामुदायिक भवन के मरम्मत कार्य से सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी। मुखिया प्रतिनिधि अभिमन्यु प्रसाद भगत ने कहा कि पंचायत में जनहित से जुड़ी विकास योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से विकास कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने और उनके संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में पंचायत समिति प्रतिनिधि टुन्नू वर्णवाल समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

चाणक्य आइएएस एकेडमी के जीएम पिता कर्मठ एवं समर्पित नेता बच्चन किशोर दुबे का निधन, शोक

हजारीबाग : भारतीय जनता पार्टी एवं जनसंघ के कर्मठ, समर्पित और वरिष्ठ नेता एवं चाणक्य आइएएस एकेडमी की जीएम रीमा मिश्रा के पिता स्वर्गीय बच्चन किशोर दुबे का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई। उन्होंने बुधवार देर रात अंतिम सांस ली। वे अपने पीछे एक समृद्ध सामाजिक, राजनीतिक और वैचारिक विरासत छोड़ गए हैं। स्वर्गीय बच्चन किशोर दुबे एकीकृत बिहार के समय पलामू प्रमंडल के प्रमुख और प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते थे। उन्होंने भारतीय जनसंघ एवं बाद में भाजपा संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीयअटल बिहारी वाजपेयी, स्वर्गीय लाल कृष्ण आडवाणी, स्वर्गीय सुषमा स्वराज तथा स्वर्गीय मुरली मनोहर जोशी जैसे दिग्गज नेताओं के मार्गदर्शन में साथ संगठन विस्तार के कार्यों में सक्रिय रहे। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा, समर्पण और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए उन्हें कई बार भाजपा एवं जनसंघ परिवार की ओर से सम्मानित भी किया गया। स्वर्गीय दुबे का जन्म पलामू जिले के लेस्लीगंज प्रखंड अंतर्गत पांकी क्षेत्र के दुगीला-जमुनडीह गांव में हुआ था। वे जीवनभर समाज और राष्ट्रहित की भावना से कार्य करते रहे। उन्होंने न केवल राजनीतिक क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बनाई, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को राजनीतिक रूप से जागरूक करने और उन्हें संगठित करने का भी कार्य किया। उनके विचार, सादगी और जनसेवा की भावना आज भी लोगों के लिए प्रेरणा बनी हुई है। उनके परिवार में दो पुत्र एवं दो पुत्रियां हैं। बड़े पुत्र व्यवसाय के क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर एवं कॉन्ट्रैक्टर के रूप में कार्यरत हैं, जबकि छोटे पुत्र अपने पिता के पदचिह्नों पर चलते हुए भाजपा एवं जनसंघ की विचारधारा को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। स्वर्गीय बच्चन किशोर दुबे को लोग एक ऐसे बरगद रूपी व्यक्तित्व के तौर पर याद कर रहे हैं, जिन्होंने अपने जीवन से समाज, राजनीति और आने वाली पीढ़ियों को दिशा देने का कार्य किया। उनके संस्कार और विचार आज उनके पुत्र-पुत्रियों के कार्यों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। उनके अंतिम संस्कार में भाजपा एवं जनसंघ परिवार के कई वरिष्ठ नेता, सांसद, विधायक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग शामिल हुए। सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया तथा भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष ने एसडीपीओ से की मुलाकात

बड़कागांव : भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष नौशाद आलम ने बड़कागांव एसडीपीओ अमित कुमार आनंद से औपचारिक मुलाकात किया। इस दरमियान नौशाद आलम ने सीडीपीओ अमित कुमार आनंद को अंग वस्त्र देकर स्वागत कर बधाई दिया।और बड़कागांव मुख्य चौक में लगातार हो रही सड़क जाम सहित क्षेत्र के विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। आलम ने एसडीपीओ से कानून व्यवस्था को और बेहतर करने एवं क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की उम्मीद जताया।

झारखंड में मतदाता मैपिंग अभियान को मिली रफ्तार
75.19 फीसदी कार्य पूरा, 15 जून तक चलेगा अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की तैयारी के तहत मतदाताओं की मैपिंग प्रक्रिया तेजी से जारी है। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि 23 मई से अन-मैप्ड मतदाताओं की सूची सभी मतदान केंद्रों तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर सर्चेबल फॉर्मेट में प्रकाशित किए जाने के बाद इस अभियान को और गति मिली है।

शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक कुल 75.19 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूरी की जा चुकी है। वर्तमान में 1 करोड़ 99 लाख 15 हजार 463 मतदाताओं का सफलतापूर्वक मैपिंग कार्य किया गया है। 15 जून तक बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के माध्यम से यह अभियान जारी रहेगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिन मतदाताओं का नाम अभी तक मैप नहीं हो पाया है, वे अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क कर पिछली गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची के आधार पर अपनी मैपिंग करवा सकते हैं। अन-मैप्ड मतदाताओं की सूची के प्रकाशन के बाद पिछले एक सप्ताह में ही 5 लाख 14 हजार 546 मतदाताओं की मैपिंग की गई है, जो अभियान की प्रगति को दर्शाता है।

के. रवि कुमार ने कहा कि अन-मैप्ड मतदाताओं की संख्या को तेजी से कम करने और उन क्षेत्रों में कार्य में सुधार लाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, जहां मैपिंग की गति अपेक्षाकृत धीमी है। इसी उद्देश्य से आगामी मंगलवार को सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है।

उन्होंने बताया कि बैठक में उन बीएलओ की कार्यप्रणाली की समीक्षा की जाएगी, जिनके क्षेत्रों में मैपिंग का प्रतिशत कम है। साथ ही, बीएलओ को कार्य के दौरान आने वाली कठिनाइयों और चुनौतियों पर बिंदुवार चर्चा की जाएगी। इन समस्याओं के समाधान और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक निर्णय भी लिए जाएंगे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने उम्मीद जताई कि प्रशासनिक सहयोग और बीएलओ के प्रयासों से निर्धारित समयसीमा के भीतर अधिकाधिक मतदाताओं की मैपिंग सुनिश्चित की जा सकेगी। उन्होंने मतदाताओं से भी अपील की कि यदि उनका नाम अन-मैप्ड सूची में है तो वे शीघ्र अपने बीएलओ से संपर्क कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें, ताकि आगामी मतदाता सूची पूरी तरह सटीक और अद्यतन बनाई जा सके।

उपायुक्त ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण सुरक्षा और रख-रखाव व्यवस्था की समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने शनिवार को नगड़ी स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक बा निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, रख-रखाव और तकनीकी प्रबंधन की स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस में ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी मानकों और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और विश्वसनीयता बनी रहे।

इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन, नगड़ी के अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, थाना प्रभारी नगड़ी सहित अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने उपायुक्त को वेयरहाउस की वर्तमान स्थिति, सुरक्षा इंतजामों और रख-रखाव संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्धारित अंतराल पर ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया जाता है। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की सुरक्षा, रख-रखाव, सीसीटीवी निगरानी, तकनीकी उपकरणों की कार्यशीलता तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का आकलन किया जाता है। इसके बाद तैयार की गई रिपोर्ट राज्य निर्वाचन विभाग को भेजी जाती है। इसी प्रक्रिया के तहत शनिवार को उपायुक्त ने वेयरहाउस का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रशासन का कहना है कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए ईवीएम वेयरहाउस की नियमित निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

झारखंड के 11 जिलों में आज भारी बारिश और वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में मौसम का मिजाज लगातार बदला हुआ है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने राज्य के 11 जिलों में रविवार को गर्जन के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। इसे देखते हुए विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

मौसम विभाग के अनुसार, रांची, बोकारो, लोहरदगा, गुमला, धनबाद, कोडरमा, गिरिडीह, हजारीबाग, रामगढ़, खूंटी और सिमडेगा जिलों में रविवार को गरज-चमक के साथ वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं तथा कई स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की आशंका भी है।

विभाग ने राज्य के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में पांच जून तक मौसम के सक्रिय बने रहने का अनुमान व्यक्त किया है। इस अवधि के दौरान कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

पिछले तीन से चार दिनों में राजधानी रांची समेत राज्य के विभिन्न जिलों में अधिकतम तापमान में लगभग 10 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। तापमान में आई इस कमी से लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली है। मौसम में बदलाव के कारण वातावरण सुहावना बना हुआ है।

समर कैंप में बच्चों ने सीखे आत्मरक्षा और व्यक्तित्व विकास के गुर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अग्रवाल सभा महिला समिति की ओर से अग्रसेन भवन में आयोजित 23 वें समर कैंप के दूसरे दिन शनिवार को विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया गया। कैंप में बच्चों ने आत्मरक्षा करने के गुर और व्यक्तित्व विकास निर्माण के बारे जानकारी ली। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों ने पूजा-अर्चना के साथ की।

समर कैंप में बच्चों को आत्मरक्षा के लिए जूडो-कराटे, स्वास्थ्य जागरूकता के लिए योग, रचनात्मकता बढ़ाने के लिए चित्रकला और हस्तकला एवं व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की ओर से दिया गया। इसके अलावा संगीत और नृत्य के माध्यम से आत्मविश्वास बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। मौके पर महिला समिति की संयोजिका रूपा अग्रवाल ने बताया कि अनुसार समर कैंप का उद्देश्य बच्चों में विभिन्न कलाओं और कौशलों के प्रति रुचि विकसित करना और उन्हें आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि अग्रवाल सभा के समर कैंप से जुड़े कई प्रशिक्षक पिछले 25 वर्षों से लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। योग प्रशिक्षक नंददुलाल दत्ता ने बच्चों को विभिन्न योगासनों का प्रशिक्षण दिया। चित्रकला और हस्तकला विशेषज्ञ मो साबिर हुसैन, नृत्य प्रशिक्षक दीपक सिन्हा, जूडो-कराटे विशेषज्ञ सुनील किस्पोट्टा, परफॉर्मिंग आर्ट प्रशिक्षक सुबोध कुमार और संगीत प्रशिक्षक अजय कुमार गोस्वामी ने भी प्रशिक्षण दिया।

समाज सेवा और सृजनात्मक लेखन के लिए डॉ. मयंक मुरारी हुए सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आपकी उम्र, पेशा या सामाजिक भूमिका कुछ भी हो, अपने भीतर नई चीजों को जानने की इच्छा सदैव बना, रखें। हम अपने आसपास किसी नई या अलअ चीज को देखते हैं, तो मन स्वतः ही सवाल करने लगता है कि यह क्या है, ऐसा क्यों है, और इसके पीछे क्या कहानी है। उक्त बातें डॉ मयंक मुरारी ने कहीं। झारखंड सरकार के उद्योग विभाग द्वारा संचालित मिनी टूल रूम में आयोजित कार्यक्रम में वह छात्रों को सफल जीवन के सूत्र बता रहे थे। इस अवसर पर उनको समाज सेवा और सृजनात्मक लेखन के लि, सम्मानित किया गया।

डॉ मयंक मुरारी ने कहा कि कि जिज्ञासा का दायरा केवल जानकारी पाने तक सीमित नहीं होता। यह हमें लोगों और परिस्थितियों को गहराई से समझने का अवसर देती है और उनकी सोच, अनुभव, संवेदनाओं और मूल्यों से जुड़ने का रास्ता खोलती है। ऐसी जिज्ञासु मानसिकता न सिर्फ सीखने और नवाचार को बढ़ावा देती है, बल्कि अनावश्यक मानसिक थकान और तनाव से भी बचाती है। कई बार किसी बात का उत्तर न होना ही जिज्ञासा को और गहरा कर देता है। ऐसे में मुझे नहीं पता कहना कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी है। उन्होंने कहा कि सफलता का सार यही है कि बड़े सपने देखें, ईमानदार प्रयास करें, अनुशासन को जीवन का हिस्सा बना, सीखने की भूख कभी मरने न दें और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा,। जीवन में सफलता कोई संयोग नहीं, बल्कि सपनों, संकल्प और सतत परिश्रम का परिणाम है। बड़ा सपना वही है, जो आपको चैन से बैठने न दे और हर दिन बेहतर बनने की बेचैनी पैदा करे। लक्ष्य स्पष्ट हों, तो कठिनाइयां भी शिक्षक बन जाती हैं। मेहनत और अनुशासन प्रतिभा को शक्ति देते हैं, जबकि असफलता, हमें सही दिशा दिखाती हैं।

इस अवसर पर मिनी टूल रूम के प्राचार्य ,एम के गुप्ता ने कहा कि जीवन में सीखने की गुंजाइश हर समय है। डॉ मयंक मुरारी ग्रामीण विकास के लिए समर्पित होने के बाद भी सृजनात्मक लेखन से समाज को दिशाा दे रहे है। यह हम सभी के लिए अनुकरणीय है। आज उनके प्रयासों के कारण टाटीसिलवे के इर्द गिर्द के गांवों में स्वास्थ्य, शिक्षा आजीविका, मानव संसाधन पर लच्छित कार्यक्रम चले रहे हैं। कार्यक्रम में डॉ मयंक मुरारी को शाला ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर उनको प्रशिस्त पत्र भी प्रदान किया गया।

साहित्य संगम संस्थान का वार्षिकोत्सव संपन्नः देश-विदेश के दिग्गज साहित्यकार सम्मानित, दो पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : साहित्य, संस्कृति और भाषा के उत्थान में अग्रणी राष्ट्रीय संस्था 'साहित्य संगम संस्थान' का भव्य राष्ट्रीय वार्षिकोत्सव शनिवार को राजधानी रांची में अत्यंत गरिमा के साथ संपन्न हुआ। डिजिटल और जमीनी स्तर पर साहित्य की अलख जगाने वाले इस संस्थान के भव्य समारोह में देश-विदेश के विभिन्न कोनों से आए नामचीन रचनाकारों, विद्वानों और भाषा-प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ स्वामी वेदानंद सरस्वती और रामावतार बिंजराजका 'निश्छल' द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद स्वाति जैसलमेरिया और स्वाति मानधना ने सुमधुर सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

समारोह के प्रथम सत्र में साहित्यकारों की बहुप्रतीक्षित पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इसके तहत प्रसिद्ध लेखिका रूपा माला की सद्यः प्रकाशित पुस्तक 'बस दो कदम' और स्वाति मानधना की कृति 'स्वाति के मंथन मोती' का मुख्य अतिथियों द्वारा भव्य विमोचन किया गया। इस गौरवशाली अवसर पर संस्थान की चयन समिति द्वारा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय व दीर्घकालीन योगदान देने वाले विशिष्ट रचनाकारों को राजा रंतिदेव सम्मान, साहित्य साधक सम्मान और उत्कृष्ट विधाओं में महारत हासिल करने वाले वरिष्ठ साहित्यकारों को विशेष 'मानद उपाधि' से अलंकृत किया गया।

संस्थान की साहित्यिक गतिविधियों में निरंतर सक्रियता और श्रेष्ठ सृजन के लिए कई रचनाकारों को मुख्य मंच से 'उत्कृष्टता प्रमाण पत्र' प्रदान किया गया, जिनमें मुख्य रूप से दिनेश मिश्रा, सरोज शुक्ला, रूपमाला सिन्हा, तरुण कुमार सिंह, राजीव रंजन पांडेय, डॉ. प्रशांत करण और डॉ. भावना दीक्षित 'ज्ञानश्री' शामिल हैं। इसके साथ ही साहित्य जगत की दीर्घकालीन साधना के लिए देश की छह मूर्धन्य विभूतियों–रामावतार बिंजराजका 'निश्छल', रितेश कुमार शर्मा 'पथिक', स्वाति मानधना, स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया, गणेश चंद्र केष्टवाल 'प्रखर' और नवीन कुमार भट्ट 'नीर' को संस्थान की ओर से सर्वोच्च मानद उपाधि से विभूषित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि और संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज वीर सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि साहित्य समाज का केवल दर्पण ही नहीं है, बल्कि यह भटके हुए समाज को सही दिशा दिखाने वाली एक जीवंत मशाल भी है। उन्होंने कहा कि आज सम्मानित होने वाले सभी साधकों ने अपनी अमूल्य लेखनी से समाज को वैचारिक और सांस्कृतिक समृद्धि प्रदान की है।

एक नजर

नवनियुक्त मुरी ओपी थाना प्रभारी का कांग्रेस जनों ने स्वागत किया

सिल्ली : मुरी 30 मई को सिल्ली प्रखंड कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने नवनियुक्त मुरी ओपी थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान जी का स्वागत कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस मौके पर रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस सचिव नागेश्वर महतो, सिल्ली प्रखंड कांग्रेस महासचिव मंजूर मोमिन सैय्यद कमर आलम भगीरथ महतो इत्यादि कांग्रेस जन उपस्थित हुए।

रिम्स के पीजी डॉक्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

रांची : झारखंड के सबसे बड़े अस्पताल राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के एक पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) डॉक्टर की शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान रिम्स के सर्जरी विभाग के 32 वर्षीय पीजी छात्र डॉ. सानू सनल बरवार के रूप में हुई है। उनका शव शहर के कटहल मोड़ स्थित एक मकान से बरामद किया गया। डॉ. सानू की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए रिम्स में पोस्टमार्टम कराया गया है। वे रांची के नगड़ी के निवासी थे और सर्जरी विभाग में पीजी के छात्र थे। मृतक के मित्रों के अनुसार, शनिवार सुबह सूचना मिली कि डॉ. सानू सोकर नहीं उठे। इसके बाद उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। रिम्स के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि डॉ. सानू सनल बरवार सर्जरी पीजी 2014 बैच के छात्र थे। वे बेड़ो सीएचसी में चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में कार्यरत थे और उच्च शिक्षा के लिए अवकाश पर थे। वे अपने आवास पर मृत पाए गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उन्हें पहले रिंची अस्पताल ले जाया गया, जिसके बाद रिम्स लाया गया। रांची के सदर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) संजीव बेसरा ने बताया कि डॉक्टर अपने घर में मृत पाए गए थे। शव का पोस्टमार्टम चिकित्सकों की देखरेख में कराया गया है। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों पर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

ब्रह्माकुमारी संस्थान में तम्बाकू निषेध दिवस कार्यक्रम आयोजित

रांची : ब्रह्माकुमारी संस्थान के स्थानीय सेवा केन्द्र चौधरी बगान हरमू रोड में शनिवार को तम्बाकू निषेध दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कहा यह विडम्बना ही है कि आजाद भारत के लोग अंग्रेजों की गुलामी से तो मुक्त हो गए।

NOTICE

I, **Uttam Kumar** s/o Nandu Ram. R/o Near sanskrit college Rajahata Road, Ranchi GPO, Dist. Ranchi-834001, Jharkhand, do hereby solemnly affirm and declare by affidavit N.o: 24-25/FI 26630, dated: 30-05-2026 as follows-

1. That the correct name of my daughter is **ARADHYA KUMARI** which is mentioned in her school record.
2. That the name of my aforesaid daughter has been wronglyentered as **ARADHAYA KUMARI** in her Adhar Card No.- 740119026201.
3. That this affidavit is being sworn for correction of myaforesaid daughter's name as ARADHYA KUMARI in her Adharcard.

संक्षिप्त खबरें

अनगड़ा में दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान प्रारंभ

रांची : प्रखंड स्थित सेवा भारती, गुड़ीडीह (जोन्हा) परिसर में भारतीय जनता पार्टी रांची पूर्वी जिला द्वारा आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान–2026 का शुभारंभ पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाऊरी ने किया। प्रशिक्षण वर्ग के विभिन्न सत्रों में प्रदेश एवं संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। द्वितीय सत्र में प्रदेश संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह, तृतीय सत्र में विजय भाषी, चतुर्थ सत्र में पूर्व मंत्री सह प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा, पंचम सत्र में प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह तथा छठे सत्र में प्रदेश नेता मृत्यंजय शर्मा ने संगठन, विचारधारा एवं जनसेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य कार्यकताओं में वैचारिक स्पष्टता, सेवा भाव, नेतृत्व क्षमता एवं सांगठनिक कुशलता को और अधिक सुदृढ़ करना है। दो दिवसीय इस जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग का समापन 31 मई को शाम 4 :00 बजे होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले में निवास करने वाले प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, सांसद एवं पूर्व सांसद, विधायक एवं पूर्व विधायक, सभी मोर्चों के प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश प्रकोष्ठों के संयोजक एवं सह–संयोजक, पूर्व जिलाध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, सभी मोर्चों के जिलाध्यक्ष एवं महामंत्री, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा रांची पूर्वी जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज ने की, जबकि संचालन मनोज चौधरी एवं सत्यदेव मुंडा ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, आरती कुजुर, आरती सिंह, पूर्वी जिला अध्यक्ष जैलेंद्र कुमार, रणधीर चौधरी, सुरेंद महतो, अमरनाथ चौधरी, राजेंद्र शाही मानकी, अनुराधा मुंडा, प्रमोद सिंह, रोहित साहु, माधुरी देवी, रामसाय मुंडा, सत्यजीत सिंह सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसआइआर से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर आपातकालीन बैठक संपन्न

रांची : एसआइआर से जुड़े हालिया घटनाक्रम एवं आगामी रणनीति को लेकर आज एसडीसी हॉल, पुरुलिया रोड, राँची में एक महत्वपूर्ण आपातकालीन बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में राँची के विभिन्न चर्चों के सम्मानित लीडरों, पास्टरों, कलीसियाई प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लिया। बैठक में एसआइआर से संबंधित वर्तमान परिस्थितियों, समाज पर इसके प्रभाव तथा आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित चर्च लीडरों ने अपने विचार एवं सुझाव साझा किए तथा समाज के हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक के दौरान संगठनात्मक एकता, जनजागरूकता अभियान तथा भविष्य में किए जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सभी उपस्थित प्रतिनिधियों ने समाज की आवाज को मजबूती से उठाने और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। खिजरी विधायक एवं विधायक दल के सह उपनेता राजेश कच्छप ने बैठक में शामिल सभी चर्च लीडरों, पास्टरों एवं प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के हितों की रक्षा और सामूहिक एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने सभी से आगे भी इसी प्रकार सहयोग एवं सहभागिता बनाए रखने का आग्रह किया।

मासिक धर्म प्राकृतिक प्रक्रिया, रूढ़ियों को तोड़ना समाज की सामूहिक जिम्मेदारीः डीसी

रांची : विश्व मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन दिवस के अवसर पर शनिवार को रांची समाहरणालय में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रांची के उपायुक्त (डीसी) मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मासिक धर्म से जुड़ी सामाजिक वर्जनाओं और रूढ़िवादिता को समाप्त करना था। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो रखी गई है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि मासिक धर्म एक पूरी तरह से स्वाभाविक और प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया है। इसके प्रति समाज में फैली गलतफहमियों और झिझक को दूर करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने किशोरियों और महिलाओं के स्वास्थ्य व पोषण पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान डीसी ने उपस्थित किशोरियों के बीच हाइजीन एवं पोषण किट का वितरण किया। इसके साथ ही, जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के लिए 16 सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें प्रदान की गईं, ताकि छात्राओं को समय पर स्वच्छ नैपकिन उपलब्ध हो सकें। वहीं, कांके स्थित विद्यालय को एक सैनिटरी पैड डिस्पोजर मशीन भी सौंपी गई, जिससे इस्तेमाल किए गए पैड्स का सुरक्षित निपटान सुनिश्चित किया जा सके। इस मौके पर कार्यक्रम में शामिल सभी छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने और इसके प्रति समाज को जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित की गई स्लोगन (नारा) प्रतियोगिता के विजेताओं को भी उपायुक्त द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) संजय भगत, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह, विभिन्न कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों की छात्राएं, शिक्षिकाएं, महिला पर्यवेक्षिकाएं, सीडीपीओ समेत संबंधित विभागों के कई जिला स्तरीय अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

योग मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास का माध्यम : डॉ सुदेश

रांची : रांची विश्वविद्यालय (विवि) के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर और स्कूल ऑफ योग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 21 दिवसीय योगा शिविर शनिवार को संपन्न हुआ। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष (डीएसडब्ल्यू) डॉ सुदेश साहू ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास का भी प्रभावी माध्यम है। उन्होंने प्रतिभागियों को नियमित रूप से योग अपनाने के लिए प्रेरित किया और विश्वविद्यालय की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल ऑफ योग के निदेशक डॉ आशीष कुमार झा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने शिविर के अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागियों को योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो डॉ सरोज शर्मा और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के निदेशक डॉ परवेज हसन ने वर्चुअल माध्यम से शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखने पर बल दिया। समन्वयकों ने बताया कि शिविर के दौरान प्रतिभागियों को योगासन, प्राणायाम, ध्यान और स्वस्थ जीवनशैली संबंधी प्रशिक्षण दिया गया, जिससे उनके स्वास्थ्य, एकाग्रता एवं आत्मविश्वास में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला।

साइबर ठगों के नेटवर्क पर बड़ा वार : 44 लाख की ठगी मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ साइबर अपराध थाना पुलिस ने 44 लाख रुपये की साइबर ठगी मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के साथ ही साइबर अपराधियों के एक संगठित नेटवर्क का खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपी के पास से फर्जी सिम कार्ड और कई मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनका इस्तेमाल साइबर ठगी को अंजाम देने में किया जा रहा था। साइबर अपराध थाना कांड संख्या-05/26, दिनांक 05 फरवरी 2026, धारा 111(2)(बी), 111(4), 316(2), 318(4) बीएनएस एवं 66(सी), 66(डी) आईटी एक्ट के तहत दर्ज मामले में 17 मार्च 2026 को विकास कुमार उर्फ विकास यादव, पिता प्रकाश यादव, निवासी गुरूनानक मोहल्ला, रामगढ़ को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था।

पूछताछ के दौरान उसके स्वीकारोक्ति बयान में निखिल कुमार की संलिप्तता सामने आई थी। पुलिस अधीक्षक रामगढ़ को प्राप्त मानवीय एवं तकनीकी सूचना के आधार पर पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) सह थाना प्रभारी साइबर अपराध थाना अकरम रजा के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने 29 मई 2026 को निखिल कुमार (27 वर्ष), पिता अशोक कुमार, निवासी सूर्यानगर रोड संख्या-04, थाना रामगढ़ को उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक रियलमी एंड्रॉयड फोन, एक रेडमी एंड्रॉयड फोन तथा दो सैमसंग मोबाइल फोन बरामद किए गए। रियलमी और रेडमी फोन में कुल चार सिम कार्ड लगे हुए थे। तकनीकी जांच में चारों सिम फर्जी पाए गए। वहीं दो सैमसंग मोबाइल फोन का उपयोग इंटरनेट कॉलिंग के लिए किया जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि बरामद मोबाइलों में से एक का इस्तेमाल पीड़िता के खाते की मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और नेट बैंकिंग सक्रिय करने में किया गया था। इसके बाद उसी खाते में करीब 44 लाख रुपये की अवैध साइबर ठगी से जुड़ी राशि का लेन-देन किया गया। पूरे अभियान में अकरम रजा, दिग्मबर पाण्डेय, विकास आर्यन, रंजीत कुमार यादव तथा जितेन्द्र कुमार पासवान की अहम भूमिका रही। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं और संभावित नेटवर्क की गहन जांच में जुटी हुई है।

'हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं' अभियान पर उठे सवाल, जमीनी हकीकत अलग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट पहनने की आदत विकसित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं अभियान अब अपनी प्रभावशीलता को लेकर सवालों के घेरे में आ गया है। समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में उपायुक्त द्वारा जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों को अभियान का सख्ती से पालन कराने का निर्देश दिया गया था, लेकिन जमीनी स्तर पर तस्वीर इससे बिल्कुल अलग दिखाई दे रही है। रामगढ़ शहर समेत जिले के कई इलाकों में स्थित पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट पहुंचे दोपहिया वाहन चालकों को आसानी से पेट्रोल उपलब्ध कराया जा रहा है। कई पेट्रोल पंपों पर न तो किसी प्रकार की जांच की जा रही है और न ही अभियान के दिशा-निर्देशों का पालन होता दिखाई दे रहा है। इससे प्रशासनिक आदेशों की गंभीरता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। जिला प्रशासन लगातार सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में जब पेट्रोल पंप स्तर पर ही नियमों का पालन नहीं हो रहा है तो अभियान की मूल भावना प्रभावित होती नजर आ रही है। लोगों का कहना है कि यदि नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं कराया गया तो अभियान केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाएगा। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि अभियान की वास्तविक स्थिति की जांच कर नियमों की अनदेखी करने वाले पेट्रोल पंपों पर कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि केवल बैठकों में निर्देश जारी करने से बदलाव नहीं आएगा, बल्कि नियमित निरीक्षण, जवाबदेही तय करने और सख्त कार्रवाई की जरूरत है। लोगों का मानना है कि हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं अभियान तभी सफल होगा जब प्रशासनिक निर्देशों का पालन हर पेट्रोल पंप पर समान रूप से सुनिश्चित किया जाए। अन्यथा यह अभियान केवल बैठकों और फाइलों तक सीमित होकर रह जाएगा।

उपायुक्त की अध्यक्षता में 'चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो' अभियान का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के द्वारा समाहरणालय स्थित सभागार में 29 मई से 4 जून 2026 तक पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से चलने वाले चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ आज दिनांक 30.5.26 को दीप प्रज्वलित कर किया गया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं मासिक धर्म से जुड़े विषयों पर जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में व्याप्त झिझक एवं भ्रांतियों को दूर करना है।कार्यक्रम में सिविल सर्जन सर एवं कार्यपालक अभियंता के द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए अभियान के उद्देश्यों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केवल किशोरियों एवं महिलाओं ही

नहीं, बल्कि पुरुषों को भी इस विषय पर जागरूक किए जाने की जरूरत है, ताकि सभी अपने दायित्व एवं भूमिका को समझ सकें। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि विद्यालयों में इस विषय पर नियमित रूप से चर्चा की जाए। इन्होंने वीएचएसएनडी दिवस के दौरान भी महिलाओं को माहवारी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देकर जागरूक करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी उच्च विद्यालय एवं स्वास्थ्य केंद्र मेंभस्मक एवं पैड वेंडिंग मशीन भी लगाने का निर्देश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को हाथ में रेड डॉट दिखाकर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने एवं माहवारी फ्रेंडली शपथ भी दिलाया गया।

कोडरमा रेलवे स्टेशन की बदहाल शौचालय टंकी पर भाजपा ने उठाए सवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला अध्यक्ष अनूप जोशी और जिला कार्यसमिति सदस्य विनोद सिन्हा ने स्टेशन प्रबंधक को दिए आवेदन में कहा है कि स्टेशन के उत्तरी दिशा स्थित पुराने सीढ़ी के समीप शौचालय की टंकी भर जाने के कारण उसकी दुर्गंध चारों ओर फैल रही है, जिससे आसपास बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है। साथ ही टंकी के ऊपर लगा सीमेंटेड ढक्कन काफी पहले टूट चुका है और नया ढक्कन नहीं लगाए जाने के कारण दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि कई लोग टंकी में गिर चुके हैं, जिससे आम लोगों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने बताया कि उक्त स्थल के समीप प्लेटफॉर्म संख्या-1, आरपीएफ बैरक, शौचालय तथा मां काली मंदिर स्थित है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों और श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। टंकी से उठ रही दुर्गंध के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कोडरमा रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता और साफ-सफाई को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। जोशी ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि जनहित और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए शौचालय टंकी की तत्काल सफाई कराई जाए तथा उसके ऊपर मजबूत ढक्कन लगाया जाए, ताकि यात्रियों, श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान की भावना के अनुरूप रेलवे प्रशासन को भी स्वच्छता एवं जनसुरक्षा के प्रति गंभीरता दिखानी चाहिए और इस समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना चाहिए।

जनगणना आंकड़े नहीं, विकास की दिशा तय करने का आधार : धनंजय पुटूस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ छावनी परिषद क्षेत्र में चल रहे जनगणना एवं सर्वेक्षण अभियान को सफल बनाने के लिए सांसद प्रतिनिधि (मीडिया) एवं छावनी परिषद रामगढ़ के स्वच्छता प्रहरी धनंजय कुमार पुटूस ने क्षेत्रवासियों से सक्रिय सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि क्षेत्र के सुनियोजित विकास की मजबूत नींव है। धनंजय कुमार पुटूस ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में लोग विभिन्न आशंकाओं और गलतफहमियों के कारण जनगणना कर्मियों को जानकारी देने से परहेज कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान किसी नए कर (टैक्स) को लागू करने या मौजूदा करों में वृद्धि करने के उद्देश्य से नहीं चलाया जा रहा है। इसलिए लोगों को किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रम में आने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि जनगणना और सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी के आधार पर सड़क, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, स्वच्छता, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी योजनाएं तैयार की जाती हैं। सही और सटीक आंकड़े उपलब्ध होने पर ही क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों की रूपरेखा बनाई जा सकती है। धनंजय कुमार पुटूस ने नागरिकों से अपील की कि जब अधिकृत जनगणना कर्मी उनके घर पहुंचें तो उन्हें सही, स्पष्ट और तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराएं। यदि किसी व्यक्ति को कर्मियों की पहचान को लेकर संदेह हो तो वह उनका परिचय पत्र देखकर अपनी शंका दूर कर सकता है। उन्होंने कहा कि जनगणना अभियान को सफल बनाना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक जागरूक नागरिक का भी दायित्व है। जनभागीदारी से ही विकास की योजनाएं धरातल पर उतरती हैं और समाज को उसका वास्तविक लाभ मिलता है। धनंजय कुमार पुटूस ने कहा कि सभी नागरिकों के सहयोग से ही रामगढ़ का सुनियोजित, संतुलित और समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से जनगणना अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और विकास की इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया का हिस्सा बनने की अपील की।

डोमचांच में युवा राजद का युवा चौपाल, युवाओं और छात्रों के मुद्दों पर संघर्ष का आह्वान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच : युवा राजद का युवा चौपाल कार्यक्रम सांस्कृतिक भवन, डोमचांच में हुई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मनोज रजक ने किया जबकि संचालन रघु कुमार ने किया। युवा चौपाल कार्यक्रम युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव, प्रदेश युवा उपाध्यक्ष क्षितिज मिश्रा मुख्य रूप से शामिल हुए और प्रदेश में युवाओं के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता राजद के मखदुमपुर के पूर्व विधायक सतीश दास ने कहा की आरएसएस-भाजपा की नीतियों ने देश के युवाओं को कुंठित किया है। उन्होंने कहा की मौजूदा वक्त में केंद्र की

सरकार ने युवाओं के मुद्दों पर खामोश हो गयी है।युवाओं को देश के सर्वोच्च पदों पर बैठे लोग कॉक्रोज की संज्ञा दे रहें है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने गरीबों को शिक्षा से दूर कर दिया है, जिसके कारण देश भर के युवाओं में लगातार आक्रोश बढ़ रहा है। कोडरमा में भी छात्र आंदोलनरत है, युवा राजद को मजबूती के साथ अन्याय शोषण के खिलाफ युवाओं को संगठित कर युवाओं व छात्राओं के मुद्दों पर सड़को पर उतरने की जरूरत है। मुख्य अतिथि कोडरम विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुभाष प्रसाद यादव ने कहा कि भाजपा ने माइका/ ढिबरा को मिनिरल्स से मेजर में शामिल कर ढिबरा व्यवसाय और आमजनमानस के पेट पर लात मारी है।वहीं पत्थर व्यवसाय को लेकर भाजपा के लोग खदान व्यवसायियों के पीठ पर छुरा घोंप दी है। ऐसे परिस्थितियों में कोडरमा के युवाओं और आमजनमानस को गंभीरता से सोच विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा की सामाजिक न्याय और लालू प्रसाद यादव एवं तेजस्वी प्रसाद यादव के नेतृत्व पर अटूट भरोशा है,संघर्ष के रास्ते से चलकर जनता के दिलों में जगह बनाकर राजद का झंडा बुलंद करनी है। उन्होंने कहा की जेजे कॉलेज के मुद्दे पर राजद छात्रों के साथ है, भाजपा के लोग सदन में खामोश रहते है और अब जब छात्र समुदाय में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है, तो घटिया राजनीति कर लोगों का ध्यान भटकाने में जुटी है। उन्होंने छात्र हित मे सामाजिक न्याय पसंद लोगों को आंदोलन को सशक्त बनाने का आह्वान किया। जिप अध्यक्ष रामधन यादव ने कहा कि कोडरमा सांसद व विधायक ने स्थानीय मुद्दे पर जनता को सालों से गुमराह किया गया है। अपनी कमियों को छुपाने के लिए गैर बाजिब राजनीतिक बयानबाजी कर आम लोगों को गुमराह कर रहें है।कोडरमा के माइनिंग कॉलेज को गोहाल भेज दिया गया, वहीं अब जेजे कॉलेज के छात्रों के साथ साजिश रचकर जेसी बोस विश्वविद्यालय भेज दिया गया है।

एक नजर

कुज्जू में पुलिस की पैदल गश्ती से बढ़ा जनविश्वास

रामगढ़ : क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा आम लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से कुज्जू ओपी क्षेत्र में व्यापक पैदल गश्ती अभियान चलाया गया। पुलिस निरीक्षक मांडू के नेतृत्व में सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने इस अभियान में भाग लिया। गश्ती के दौरान अपराध नियंत्रण, अड्डेबाजी पर रोक, छेड़खानी की घटनाओं की रोकथाम, सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर नियंत्रण तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया गया। पैदल गश्ती अभियान कुज्जू ओपी से शुरू होकर एस.एस. हाई स्कूल डटमा, कुज्जू तक निकाला गया। इस दौरान पुलिस टीम ने विभिन्न चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण किया तथा संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गश्ती के दौरान युवाओं और आम नागरिकों को कानून का पालन करने तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई। पुलिस ने विशेष रूप से अड्डेबाजी, छेड़खानी और सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक भीड़ लगाने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आपातकालीन ऋण गारंटी योजना के तहत लाभुकों के बीच ऋण किया गया वितरण

कोडरमा : जिले के बैंक ऑफ इंडिया के झुमरी तिलैया शाखा में भारत सरकार एवं बैंकों द्वारा संचालित आपातकालीन ऋण गारंटी योजना के अंतर्गत दिन शनिवार को झुमरी तिलैया शाखा द्वारा पात्र ग्राहकों के बीच ऋण वितरण किया गया। इस योजना का उद्देश्य छोटे व्यवसायियों, उद्यमियों एवं अन्य पात्र उधारकर्ताओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके व्यवसाय को सुदृढ़ बनाना है। कार्यक्रम के दौरान बैंक द्वारा कुल 25 ग्राहकों को ई.सी.एल.जी.एस स्कीम के अंतर्गत उन्हें ऋण राशि को वितरित किया गया। बैंक अधिकारियों ने ग्राहकों को योजना की विशेषताओं, ऋण उपयोग एवं समय पर पुनर्भुगतान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। शाखा प्रबंधक मुकेश ने इस अवसर पर बताया कि ई.सी.एल.जी.एस योजना व्यवसायों को वित्तीय सहायता प्रदान कर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने ग्राहकों से बैंकिंग योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

स्वास्थ्य विभाग के आउटसोर्सिंग कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल कल से

कोडरमा : आउटसोर्सिंग कम्पनी कमांडो इंडस्ट्रियल सिक्युरिटी फोर्स हजारीबाग के अंतर्गत जिला के सदर अस्पताल एवं सभी प्रखण्डों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों को चार माह से मानदेय भुगतान नहीं होने, ईपीएफ और ईएसआई कटौती में घपलेबाजी व झारखंड सरकार द्वारा निर्धारित मानदेय भुगतान की मांग पर झारखंड स्वास्थ्य आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ (सीटू) के बैनर तले आउटसोर्सिंग कर्मी 01 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहे हैं। सिविल सर्जन, उपायुक्त, एसडीओ सहित सभी पदाधिकारियों को सूचित कर दिया गया है। इस संबंध में सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि हड़ताल की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। आउटसोर्सिंग कर्मी एक महीने से आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन इनकी मांगों को अनदेखा किया जा रहा है। कोडरमा जिला ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड में स्वास्थ व्यवस्था की रीढ़ है आउटसोर्सिंग कर्मी। आज इन्हें बेबस होकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाना पड़ रहा है।

संक्षिप्त खबरें

जनसुरक्षा का संकल्पः 'प्रहरी' पहल के तहत सड़कों पर उतरी रामगढ़ पुलिस

रामगढ़ : जिले में अपराध नियंत्रण और आम जनता के बीच सुरक्षा का विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से रामगढ़ पुलिस ने शनिवार को व्यापक पैदल गश्ती अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक रामगढ़ के निर्देश पर ३प्रहरी३ पहल के तहत जिले के सभी थाना एवं ओपी क्षेत्रों के संवेदनशील स्थानों, प्रमुख मार्गों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष पैदल गश्ती की गई। अभियान का उद्देश्य नशाखोरी, अड्डेबाजी, छेड़खानी, अवैध पार्किंग तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना था। अभियान के दौरान पुलिस पदाधिकारियों और जवानों ने विभिन्न चौक-चौराहों, बाजारों, शिक्षण संस्थानों के आसपास तथा सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण किया। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए लोगों को कानून का पालन करने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया गया। पैदल गश्ती के दौरान पुलिस ने युवाओं और आम नागरिकों को नशे से दूर रहने की अपील की। साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर अड्डेबाजी करने वाले तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा गया कि कानून व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। छेड़खानी और असामाजिक गतिविधियों पर भी विशेष निगरानी रखी गई। सड़क किनारे अवैध रूप से वाहन खड़ा करने वालों को जागरूक किया गया तथा यातायात नियमों के पालन की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सुगम यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। रामगढ़ पुलिस का मानना है कि अपराध नियंत्रण में जनसहभागिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसी उद्देश्य से प्रहरी पहल के माध्यम से पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर संवाद एवं समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के विशेष अभियान आगे भी नियमित रूप से चलाए जाएंगे।

शिक्षा बचाओ, कॉलेज बचाओ समिति ने सरकार की शिक्षा नीति पर उठाए सवाल

कोडरमा : झारखंड सरकार के गलत शिक्षा नीतियों एवं स्थानीय कोडरमा जिला के सभी जनप्रतिनिधियों की सहमति एवं चुप्पी के कारण जिला के गरीब एवं मध्यम वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा से दूर करने की एक बड़ी साजिश के तहत कोडरमा जिला के उच्च स्तरीय शिक्षा से संबंधित कॉलेजों का विश्वविद्यालय विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग से हटा कर गिरिडीह में निर्मित नए विश्वविद्यालय सर जेसी बोस विश्वविद्यालय गिरिडीह भेज देने के खिलाफ शनिवार को शिक्षा बचाओ ,कॉलेज बचाओ समिति के बैनर तलें पूर्व छात्र नेता धरतीपुत्र महेश भारती, देवेंद्र कुमार, मो अली शाद ने संयुक्त रूप से जे जे कॉलेज में सैकड़ों छात्र छात्राओं की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड सरकार के गलत शिक्षा नीतियों एवं स्थानीय कोडरमा जिला के सभी जनप्रतिनिधियों की सहमति एवं चुप्पी के कारण जिला के गरीब एवं मध्यम वर्ग के छात्रों का भविष्य खतरे में है। जिसके खिलाफ एकजुट होने की जरूरत है। और पढ़ाई लड़ाई के संघर्ष को आगे बढ़ाते हुए लाडो पढ़ाई करने को पढ़ो समाज बदलने के नारों के साथ एकजुट होकर संघर्ष को तेज करने का आह्वान किया गया। जिसके तहत 15 जून तक हस्ताक्षर अभियान चलाने, गर्मी छुट्टी के बाद कॉलेज खुलने के बाद आम बैठक कर आगे की रणनीति तय किया जायेगा।

सीटू के स्थापना दिवस पर मजदूरों के अधिकारों की रक्षा का लिया गया संकल्प

झुमरीतिलैया : सेन्टर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) का 57 वां स्थापना दिवस के अवसर पर श्रम और पूंजी के संघर्ष में मजदूरों की एकता को और मजबूत किए जाने व शासक वर्ग के तमाम षड्यंत्रों को ढ़ाहते हुए आगे बढ़कर केन्द्र सरकार की जनविरोधी नीतियों और लेबर कोड के खिलाफ संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया गया। इंदरवाटांड़ में दुनिया के मजदूरों एक हो के गगन चुम्बी नारों के बीच सीटू के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश ने लाल झंडा फहराकर सीटू नेता ने मजदूर आंदोलन की एकता और संघर्ष के 55 साल के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए कहा कि देश के सबसे जुझारू और संघषीर्शील मजदूर संगठन सीटू की इन सफलताओं में सैकड़ों कार्यकताओं व नेताओं की कुबार्नी है। अपनी जान तक गंवाकर भी लाल झण्डा उठाए रखने का योगदान है। 1970 मे अगर सीटू नहीं बनता तो बहुत मुमकिन था कि देश का श्रमिक आंदोलन अपनी धार ही नहीं बल्कि अस्तित्व भी खो बैठता। अपने श्रम से देश के लिए अकूत धन पैदा करने वाले मजदूरों को शासक वर्ग हाशिये पर धकेलने की साजिश कर रहा है. मजदूरों को गुलाम बनाने के लिए 29 श्रम कानूनों को समाप्त कर चार लेबर कोड मे बदल दिया है। कॉरपोरेट परस्त नीतियों के चलते पिछले 12 वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था गहरे संकट में फंस गई है। देश में महंगाई व बेरोजगारी प्रचंड रूप ले चूका है। स्थायी नौकरी की जगह अनुबंध, ठेका और आउटसोर्सिंग लाया जा रहा है, जहां मजदूरों का लगातार शोषण हो रहा है। मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए सीटू का संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम में धनेश्वरी देवी, शिवनंदन भुइयां, जागेश्वर भुईयाँ, छोटू भुइयां, पप्पू भुइयां, विनोद भुइयां, जमना भुइयां, पुतुल भुइयां, रामचंद्र भुइयां, गंगा देवी, मंजू देवी, सोफारी भुइयां, चंदवा देवी, टुकलाल भुइयां, सोनू भुइयां, समता देवी, मुंदरी देवी, गायत्री देवी, अन्नू देवी, सुरेश भुइयां, राजू भैया समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

मां भारती के 1121 नए वीरों ने ली शपथ

रामगढ़ : पंजाब रेजिमेंटल सेंटर, रामगढ़ छावनी में शनिवार को अग्निवीर बैच-शक्कीकी भव्य पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। 24 सप्ताह की कठिन, अनुशासित और चुनौतीपूर्ण सैन्य ट्रेनिंग पूरी करने के बाद 1121 अग्निवीर रंगरूट भारतीय सेना की विभिन्न इकाइयों में सेवाएं देने के लिए तैयार हो गए। समारोह के दौरान पूरे परिसर में उत्साह, गर्व और देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। पासिंग आउट परेड में अग्निवीरों ने सटीक कदमताल, उत्कृष्ट अनुशासन, टीम भावना और युद्ध कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। परेड ने पंजाब रेजिमेंट की गौरवशाली सैन्य परंपराओं और पेशेवर दक्षता की झलक प्रस्तुत की। जवानों के आत्मविश्वास और समर्पण ने उपस्थित लोगों को प्रभावित किया। समारोह की समीक्षा पंजाब रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर सजेश बाबू पीजी ने की। इस अवसर पर प्रशिक्षकगण, सैन्य अधिकारी तथा अग्निवीरों के अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह अवसर युवा रंगरूटों के प्रशिक्षु से एक सक्षम और अनुशासित सैनिक बनने की ऐतिहासिक यात्रा का प्रतीक बना। प्रशिक्षण अवधि के दौरान अग्निवीरों को कठिन शारीरिक अभ्यास, सामरिक युद्धाभ्यास, आधुनिक हथियार संचालन, ड्रोन प्रशिक्षण तथा मानसिक सहनशक्ति से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का गहन प्रशिक्षण दिया गया।

एक नजर

टेलर की चपेट में कुत्ते की मौत, 30 हजार रुपये मुआवजा के बाद हटा सड़क जाम

तलगड़िया : सियालजोरी थाना क्षेत्र के बिजुलिया-इलेक्ट्रोस्टील मार्ग स्थित सोलोखाता में टेलर की चपेट में आने से एक पालतू कुत्ते की मौत हो गई। घटना के विरोध में कुत्ते के मालिक लक्ष्मण महतो एवं उनके परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया था। बाद में प्रशासन की पहल पर समझौता होने के बाद मामला शांत हो गया। जानकारी के अनुसार, सियालजोरी निवासी लक्ष्मण महतो सोलोखाता में राशन दुकान चलाते हैं। शुक्रवार शाम करीब पांच बजे उनका पालतू कुत्ता दुकान के सामने बैठा हुआ था। इसी दौरान चास की ओर से इलेक्ट्रोस्टील प्लांट की तरफ जा रहा टेलर (संख्या बीआर-57ई-5883) कुत्ते को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना से आक्रोशित लक्ष्मण महतो और उनके परिवार ने कुत्ते को परिवार का सदस्य बताते हुए मुआवजे की मांग पर सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलने पर सियालजोरी पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन मुआवजा मिलने तक जाम हटाने को तैयार नहीं हुए। लक्ष्मण महतो ने टेलर को जाम में रखा तथा अन्य बाहन को देर रात को छोड़ दिया था।

चंदनकियारी मॉल बना शोपीस, करोड़ों खर्च के बाद भी दुकानें सूनी रहीं

बोकारो : करीब सात करोड़ रुपये की लागत से 2014 में जिला परिषद द्वारा बनवाया गया चंदनकियारी मॉल अब खालीपन और असामाजिक गतिविधियों का केंद्र बनता जा रहा है। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों का कहना है कि मॉल के बन जाने के बाद भी दुकानों का संचालन सही तरह से नहीं हो सका, जिससे करोड़ों की यह सार्वजनिक संपत्ति निष्क्रिय बनकर रह गई है। जिला परिषद ने मॉल का निर्माण इस आशा से कराया था कि यहाँ आधुनिक व व्यवस्थित बाजार बन जाएगा, स्थानीय दुकानदारों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और परम्परागत बाजार क्षेत्र में लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी। हवा-हवाई उद्घाटन के बाद परियोजना को व्यवहारिक रूप में चलाने की जिम्मेदारी आवंटन और प्रबंधन तक सीमित रह गई। स्थानीय लोगों के अनुसार मॉल में दुकानों के लिए निर्धारित किराया अधिक है और आवंटन की प्रक्रिया जटिल होने के कारण छोटे व्यवसायी यहाँ निवेश करने में रुचि नहीं ले रहे। नतीजा यह है कि इमारत अधिकतर समय खाली पड़ी रहती है। वर्तमान में मॉल में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है, जबकि आसपास चंदनकियारी थाना होने के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था कमजोर दिखाई देती है। एक स्थानीय दुकानदार ने बताया कि मॉल का किराया और रख-रखाव की शर्तें छोटे व्यापारियों के लिए अस्वीकार्य हैं, इसलिए वे सड़क किनारे अपने पुराने ठिकानों को ही प्राथमिकता दे रहे हैं।

ईचागढ़ विधायक सविता महतो ने चार पुलों के निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री को सौंपा मांगपत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : विधायक सविता महतो ने रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण इलाकों में पुल निर्माण की मांग को लेकर मांगपत्र सौंपा। विधायक ने मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत क्षेत्र की लंबे समय से लंबित आधारभूत संरचना संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए चार महत्वपूर्ण पुलों के निर्माण की स्वीकृति देने का आग्रह किया। सौंपे गए मांग पत्र में विधायक ने ईचागढ़ प्रखंड के टीकर गांव में करकरी नदी पर टीकर पुल, चांडिल प्रखंड में एनएच -33 और जयदा मंदिर जाने वाले रास्ते पर पुल, कुकड़ू प्रखंड के बड़ालापांग एवं सम्पतडीह गांव के बीच शोभा नदी पर पुल तथा नीमडीह प्रखंड के लावा में पुल निर्माण की मांग की। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों के ग्रामीणों को वर्षों से आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में नदी और नालों में जलस्तर बढ़ जाने से कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से कट जाता है, जिससे लोगों को भारी परेशानी होती है। विधायक सविता महतो ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रस्तावित पुलों के निर्माण से हजारों ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों को स्कूल और कॉलेज आने-जाने में सुविधा होगी, वहीं मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इसके अलावा किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में सहूलियत होगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापारिक एवं सामाजिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पुलों के निर्माण से क्षेत्र के कई गांवों की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा और ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री से इन योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति प्रदान कर शीघ्र निर्माण कार्य शुरू कराने का अनुरोध किया गया है। मुख्यमंत्री ने विधायक की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित करने का आश्वासन दिया। उक्त बात की जानकारी विधायक के आप्त सचिव सह झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलू महतो ने दी।

पंप हाउस पर हमला : बालीडीह में दो कर्मचारी घायल, चार के खिलाफ शिकायत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बालीडीह : बालीडीह गरगा डैम के पास स्थित हैसाबातु ग्रामीण जलापूर्ति योजना के पंप हाउस में कार्यरत दो कर्मचारियों को चोरों ने बुरी तरह पीट दिया। घटना शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे की बताई जा रही है। घायल कर्मचारियों की पहचान पंप ऑपरेटर अनिल कुमार सोरेन और सुरक्षा गार्ड रमेश कुमार सिंह के रूप में हुई है। अनिल सोरेन के अनुसार, रात के समय नयागोड़ा (वर्तमान में शिवपुरी कॉलोनी निवासी) का सुबोध किश्कु और भाई कमलेश किश्कु अपने दो अन्य साथी के साथ पम्प हाउस की बाउंड्री वॉल फांदकर चोरी करने आए थे। पंहची की वारदात देख उन लोगों को रोकने पर चारों ने मिलकर दोनों कर्मचारियों पर हमला कर दिया। मारपीट में अनिल सोरेन के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं जबकि रमेश कुमार सिंह को अंदरूनी चोटें आईं। आरोप है कि अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी भाग निकले। घायल कर्मचारियों के परिजनों और पास की पंचायत के जल सहिया भी मौके पर पहुंचीं और उनकी देखभाल में सहायता की। शनिवार को पीड़ित अनिल सोरेन ने बालीडीह थाना में सुबोध किश्कु व कमलेश किश्कु सहित दो नामजद और दो अनामियों के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। मामले की तफ्तीश शुरू कर दी गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि फिलहाल प्राथमिक जांच में उउळश फुटेज और आसपास के लोगों के बयानों को खंगाला जा रहा है। बालीडीह थाना ने कहा कि आरोपियों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई है और शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड आंदोलनकारियों का बड़ा एलान 10 जून से मुख्यमंत्री आवास घेराव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, बोकारो जिला के तत्वाधान में आज पुरुलिया रोड स्थित दीपांजलि पैलेस के सभागार में आयोजित सम्मेलन में सरकार की नीतियों व आश्वासनों पर अमल नहीं किए जाने के विरोध में 10 जून 2026 को रांची में मुख्यमंत्री आवास के समक्ष अनिश्चितकालीन घेराव-प्रदर्शन, आमरण अनशन और आत्मदाह का कार्यक्रम करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। सम्मेलन में आंदोलनकारियों ने कहा कि उनकी मांगों पर उपेक्षा बरती जा रही है और जीविका एवं सम्मान पेंशन जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को टाला जा रहा है। सम्मेलन में मुख्य अतिथि एवं झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि ₹सरकार बाहरी व्यक्तियों को करोड़पति बना रही है, बाहरी लोगों को नौकरी दे रही है, जबकि झारखंड राज्य के लिए संघर्ष और शहादत देने वाले आंदोलनकारी उपेक्षित जीवन जीने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों के लिए अब दो जून की रोटी भी सवाल बन गई है और यही कारण है कि 10 जून से आर-पार की लड़ाई दी जाएगी। केंद्रीय अध्यक्ष विदेशी महतो ने उपस्थितों को आह्वान किया कि 10 जून को अपने हकों की रक्षा के लिए रांची पहुंचकर जी-जान से लड़ें। आंदोलनकारी युवा मोर्चा के अध्यक्ष ललित नारायण ने बताया कि ₹संघर्ष से झारखंड बना, अब संघर्ष के बाद हक-अधिकार की रक्षा होगी।₹ बोकारो जिला अध्यक्ष राजदेव माहथा ने कहा कि आंदोलनकारी न रुकेंगे और न झुकेंगे, उन्होंने कड़ा संकल्प जताया कि वे अपने बच्चों के हक के लिए अब करो और मरो की मुद्रा अपनाएंगे। सम्मेलन में दुमका प्रमंडल अध्यक्ष जीतन कोल, केंद्रीय सचिव सूरज प्रसाद जायसवाल, सत्यदेव राय, केंद्रीय सह-सचिव हाबू लाल गोराई, जिला सचिव खगेन्द्र नाथ वर्मा, परमेश्वर मंडल, बोकारो महानगर अध्यक्ष ज्योति लाल महतो, महासचिव राम पद महतो सहित अन्य कई क्षेत्रीय और जिला नेता उपस्थित थे। सोशल ऑथरिटी के रूप में कई स्थानीय कार्यकर्ता और गणमान्य व्यक्ति भी सम्मेलन में मौजूद रहे और 10 जून को रांची में बुलाए गए कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया गया।

अडानी फाउंडेशन और एएसआई झारखंड के सहयोग से रक्तदान शिविर, 56 यूनिट रक्त संग्रहित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : शनिवार को देवकी अस्पताल में एक विशाल रक्त संग्रह (रक्तदान) कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह पुनीत कार्य अडानी फाउंडेशन तथा ए.एस.आई. (अरक) झारखंड चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान और आपसी सहयोग से संपन्न हुआ। इस शिविर में रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 56 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित:पंकज अग्रवाल, अंचल अधिकारी संतोष कुमार, डॉ. राजेश रामपति प्रसाद,सचिन जी ने संयुक्त रूप से दीप जलाया और समाज में रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। इस पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित और सफल बनाने में अस्पताल प्रबंधन, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं की टीम का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से डॉ. राजेश सिंह, पप्पू पांडे, अमित जी, प्रशांत जी, राहुल, प्रियांशु, विकास जैन, संगीता अग्रवाल, संकी सोनी, आयुषी, अंकित श्रीवास्तव, विश्वजीत दत्ता, अशोक महतो, सोनू मुंडा और अरुण अग्रवाल आदि ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई और उनका सहयोग बेहद सराहनीय रहा। आयोजकों ने अंत में सभी रक्तदाताओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के शिविरों से एकत्रित रक्त कई जरूरतमंदों को नया जीवन देने में मददगार साबित होगा।

पुलिस अधीक्षक ने बोकारो के कई थानों का किया व्यापक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पुलिस अधीक्षक, बोकारो ने ललपनिया ओपी, महुआटांड थाना, जगेश्वर विहार थाना, दनिया पिकेट, रहावन ओपी तथा झुमरा सीआरपीएफ कैम्प का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निरीक्षक ने प्रत्येक थाना/ओपी/पिकेट/कैम्प के क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई तथा सीरिस्ता (रॉस्टर) के कामकाज की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण में उपस्थित पदाधिकारियों से पूछताछ कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए और जनता की समस्याओं के त्वरित व विधिवत निपटारे पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी लंबित मामलों, वारंट, इस्तेहार और कुर्की का समय पर निष्पादन अनिवार्य है ताकि स्थानीय शान्ति और कानून-व्यवस्था बनाए रखी जा सके। इसके अलावा पासपोर्ट व चरित्र सत्यापन से संबंधित मामलों का भी समयबद्ध तरीके से निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। हर थाना में सप्ताह में एक दिन ह्यथाना दिवसह्न आयोजित करना भी अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए, ताकि आम जनता की शिकायतों और समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता, पेट्रोलिंग प्लान और स्टेशन परिसर की साफ-सफाई पर भी खरोंचा गया। अधिकारियों से कहा गया कि नागरिकों के सहयोग एवं भरोसे को बनाये रखने के लिए वे नियमित रूप से जनता से संवाद और पारदर्शी कार्यवाही सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त खबरें

बेल्टांड रघुनाथपुर मुख्य सड़क की मरम्मती कार्य जल्द करवाने की प्रमुख ने की मांग

पटमदा : जिला में आयोजित दिशा की बैठक में बोड़ाम प्रखंड प्रमुख ललिता सिंह ने जिले के उपायुक्त से बोड़ाम की लाइफ लाइन कही जाने वाली बेल्टांड रघुनाथपुर मुख्य सड़क की मरम्मती जल्द से जल्द करवाने की मांग की है। जानकारी देते हुए बोड़ाम प्रमुख ललिता सिंह ने बताया कि बेल्टांड रघुनाथपुर मुख्य सड़क बोड़ाम बाजार, दिघी, बरियादा सहित कई स्थानों पर काफी जर्जर अवस्था में है। बोड़ाम बैंक ऑफ इंडिया के पास सड़क की बदहाली दुर्घटना को न्योता दे रहा है। इस सड़क की मरम्मती कार्य का शिलान्यास हुए करीब छह माह हो गए लेकिन मरम्मती कार्य संवेदक द्वारा अभी तक शुरू नहीं किया गया है। जिले के दिशा की बैठक में भी उपायुक्त को आवेदन के माध्यम से अवगत करवाते हुए निर्माण करवाने की मांग की गई है। वही बोड़ाम क्षेत्र के कई मूलभूत समस्याओं को भी ज्ञापन के माध्यम से अवगत करवाया गया है। ताकि जनता की मांग जल्द से जल्द पूरी हो। ग्रामीणों का कहना हैं कि बेल्टांड रघुनाथपुर मुख्य सड़क दिघी के पास तालाब में तब्दील हो गई हैं। चार पहिया और दो पहिया वाहन को पार होने में काफी दिक्कत होती हैं।

बीएसएल से सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई विदाई

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मुख्य प्रेक्षागृह में आज दिनांक 30 मई 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे 22 कर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीश सेनगुप्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) अंजनी कुमार शरण, संयंत्र के विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी एवं सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के परिजन भी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। समारोह के शुभारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) अंजनी कुमार शरण ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के दीर्घकालिक योगदान एवं समर्पण की सराहना की। कार्यक्रम में निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन का विशेष शुभकामना संदेश भी साझा किया गया, जिसमें उन्होंने सभी कर्मियों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीश सेनगुप्ता ने अपने संबोधन में कर्मियों के परिश्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके अनुभवों ने संयंत्र को उत्कृष्टता के वर्तमान स्तर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई उपहार भेंट किए और उनके सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की मंगलकामना की। मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीश सेनगुप्ता ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी निष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी तथा उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। उन्होंने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र एवं उपहार भी भेंट किए।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER.
MINOR IRRIGATION DIVISION, Ranchi

e-Procurement Tender Notice
Two Envelope System
Short Tender Reference No:- WRD/MID/RANCHI /BD/SLI-05/2026-27
PR No.-379042 (Minor Irrigation)26-27 (D) (3rd Call)
Letter no-.............Date-.............

1	Name of Work:	Construction of Mukhyamantri Solar Lift Irrigation Scheme at Nagdabeda Block:- Angara, Dist- Ranchi.
2	Estimated Cost (Rs.)	Rs. 1,11,56,000.00
3	Cost of tender document (Rs)	Rs 10,000 only (non-refundable).
4	Earnest Money Deposit (Rs.)	Rs 1,12,000.00 only.
5	Time of Completion	335 Days
6	Mode of Submission of tender	Online through www.jharkhandtenders.gov.in
7	Date of Publicationof Tender on website	Date: 09.06.2026 Time: 2:00 PM
8	Last Date/Time for downloading of bidding documents and Submission of Tender on Website	Date: 15.06.2026 Time: 2:00PM
9	Submission of Tender Fee and EMD	Start Date:-09.06.2026 Time:- 2:00 PM Last Date:- 15.06.2026 Time:- 2:00 PM
10	Technical Bid Opening Date	Date: 16.06.2026 Time: 5:00 PM
11	Officer Inviting Bids	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Ranchi
12	Contact No. of Procurement Officer e-mail of Procurement Officer	9801286765
13	Help line No. of Procurement Cell	0651-3512781/Email ID- eemidran-cemr-jhr@nic.in

Note:-
➤ Work will be awarded to those bidders {specially MNRE approved channel partners/MNRE approved manufacturers/ MNRE approved PV system integrators/ A registered manufacturers/ Company/ Firm/ Corporation in India (including MSME of Jharkhand) of at least one of the major sub system namely pumps or PV System electronics (confirming to National/ International Standards)/ any other agencies having experience of installation and commissioning of such solar powered irrigation schemes}. Empanelled Indigenous Manufacturers of 10 HP pumps (AC/DC Surface water Pumps) in the department with all accessories for off-grid stand alone SPV water pumping systems can also take part in the bid for executing the whole work of the bid. However those bidders who have not yet registered in Water Resources Department can also submit their bid provided they will have to get themselves registered in Water Resources Department within two months from the date of allotment of work.
➤ Only e-Tender will be accepted.
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Ranchi
PR 381140 (Minor Irrigation)26-27*D

औचक निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्य संस्कृति में सुधार व जनसेवा को प्राथमिकता देने का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नीमडीह : उपायुक्त सरायकेला-खरसावां नितिश कुमार सिंह द्वारा प्रखंड -सह- अंचल कार्यालय नीमडीह का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय परिसर, विभिन्न शाखाओं, अभिलेखों के संधारण, राजस्व संबंधी कार्यों, लंबित मामलों एवं आमजनों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कार्यालय में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं जवाबदेह तरीके से कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों से जुड़े मामलों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन किया जाए तथा अनावश्यक विलंब एवं लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। उपायुक्त ने दाखिल-खारिज, परिमार्जन, राजस्व वसूली, भूमि संबंधी मामलों एवं अन्य अंचल स्तरीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने विभिन्न शाखाओं में संचालित कार्यों एवं अभिलेखों के संधारण का अवलोकन किया तथा कार्यों के संतोषजनक निष्पादन पर प्रसन्नता व्यक्त की। साथ ही लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, कार्यालय अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण एवं नियमित अद्यतन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजनों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी एवं कर्मी संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें तथा कार्यालय आने वाले नागरिकों की समस्याओं का यथासंभव त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय पहुंचे स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों एवं मामलों का नियमानुसार समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने तथा आमजनों को अनावश्यक रूप से कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय परिसर की स्वच्छता, अनुशासन एवं कार्य संस्कृति को और बेहतर बनाने पर बल देते हुए कहा कि सुशासन, पारदर्शिता एवं जनकल्याण की भावना के अनुरूप कार्य करते हुए प्रशासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी नीमडीह कुमार अभिनव, अंचल अधिकारी नीमडीह अभय कुमार द्विवेदी सहित अंचल कार्यालय के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

स्वच्छ रामगढ़।
सुन्दर रामगढ़।।

आपकी भागीदारी
हमारी जिम्मेदारी।।

कार्यालय नगर परिषद्, रामगढ़।
रामगढ़, झारखण्ड–825101
दूरभाष नं०:– 6553-295014 ई.मेल:–nagarparishadramgarh@gmail.com
वेबसाईट :–http://udhd.jharkhand.gov.in/ULB/Ramgarh/Ramgarh.aspx

पत्रांक संख्या..................न०प० दिनांक......../........../2026

आम सूचना

नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार की अधिसूचना संख्या/SUDA AMRUT/Amendment-06/2022/UDHD/1511, रांची दिनांक–29.04.2022 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2026–27 का होल्डिंग टैक्स 30 जून 2026 के पहले जमा करने पर नगर परिषद्, रामगढ़ के करदाताओं को वर्त्तमान वित्तीय वर्ष में छूट इस प्रकार है:–

➤ सभी करदाताओं को 5% की छूट।

इसके अतिरिक्त:–

➤ होल्डिंग महिला के नाम होने से 5% की छूट।
➤ वरिष्ठ नागरिक होने से 5% की छूट।
➤ स्वंय कार्यालय में आकार जमा करने पर 2.5% की छूट।
➤ आर्मी, ट्रांसजेडर होने पर 5% की छूट।
➤ दिव्यांग होने पर 5% की छूट।

यह छूट केवल आवासीय धृतियों पर लागू होगी।
Online (https://suda.jharkhand.gov.in) जमा करने पर 5% की छूट।
नोट:– 30 जून के उपरांत बकाए टैक्स पर प्रतिमाह 1% की दर से ब्याज देय होगा।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर परिषद्, रामगढ़।
PR 381119 (District) 26-27 (D)

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय खूंटी
ग्रामः रेवा प्रखंडः खूंटी जिलाः खूंटी

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा संख्या –03/2026–27

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय खूंटी में अध्ययन करने वाले छात्र / छात्राओं के लिए वित्तीय वर्ष 2026 - 27 में **फल, सब्ज़ियाँ, नॉन– वेज, दूध उत्पाद, एवं मिठाइयों** की आपूर्ति करने हेतु अधिकृत विक्रेताओं से दिनांक **09/06/2026** के अपराह्न 03.00 बजे तक मुहरबंद निविदा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय खूंटी के पदनाम से आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता अपना निविदा जिला कल्याण कार्यालय, खूंटी में निर्धारित अवधि के पूर्व जमा कर सकते है। दिनांक **10/06/2026** के अपराह्न 3.00 बजे **परियोजना निदेशक, समेकित जनजाति विकास अभिकरण, खूंटी, (ITDA) के कार्यालय कक्ष (समाहरणालय भवन, खूंटी, 'ए' ब्लॉक, कमरा न. 01)** में निविदादाता या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति में क्रय सलाहकार उप–समिति के समक्ष निविदा खोली जाएगी जिसमें नमूना एवं सम्बंधित कागजातों के साथ वे उपस्थित रहेंगे। आपूर्ति सम्बंधित विवरणी एवं निविदा की शर्तें खूंटी जिला के आधिकारिक वेबसाइट www.khunti.nic.in एवं विद्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

प्रभारी प्राचार्य
एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय खूंटी
PR 381151 (District)26-27*D

क्या हम अपने किशोरों को समझ पा रहे हैं, एक सवाल जो पूरे समाज से है

भोपाल में 17 वर्षीय बेटी ओजस्वी द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना ने सभी को झकझोर दिया है। एक होनहार बच्ची, एक संवेदनशील बेटी, जिसने अपने अंतिम शब्दों में सिर्फ इतना लिखा- ह्लसॉरी मम्मी-पापा, मैं अच्छी बेटी नहीं बन सकीङ्खह्व। अब इसे हम क्या कहें? वास्तव में यह एक परिवार का दुख नहीं है, यह तो आधुनिक समाज की उस विफलता का प्रतीक है, जहां बच्चे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से पहले ही भीतर टूटने लगते हैं।

आज हर माता-पिता अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का सपना देखता है, किंतु इस दौड़ में हम यह भूल जाते हैं कि बच्चों का मन भी होता है, उनकी भावनाएं भी होती हैं और उनकी सहन करने की क्षमता भी सीमित होती है। भोपाल की यह घटना हमें चेतावनी देती है कि यदि समय रहते बच्चों की मानसिक स्थिति को नहीं समझा गया, तो हम प्रतिभाशाली पीढ़ी को खोते रहेंगे।

जीवन का सबसे संवेदनशील समय 13 से 19 वर्ष की आयु माना जाता है। यही वह अवस्था है जब बच्चे शारीरिक, मानसिक और सामाजिक परिवर्तनों से गुजरते हैं। वे स्वयं को पहचानने की कोशिश करते हैं, अपनी जगह तलाशते हैं और लगातार तुलना के दबाव में रहते हैं। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन के अध्ययन के अनुसार भारत में 13 से 17 वर्ष की आयु के हर चार में से एक बच्चा डिप्रेशन की समस्या से जूझ रहा है। यह आंकड़ा देखा जाए तो उन लाखों बच्चों की खामोश पीड़ा है जो अंदर ही अंदर टूट रहे हैं।

आज का बच्चा बचपन से ही प्रतियोगिता में धकेल दिया जाता है। स्कूल में अच्छे अंक, कोचिंग का दबाव, प्रतियोगी परीक्षाएं, करियर की चिंता और दूसरों से बेहतर बनने की होड़ बच्चों को मानसिक रूप से थका रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (ठउफइ) के आंकड़े बताते हैं कि पिछले एक दशक में छात्र आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत वृद्धि हुई है। वर्ष 2013 में जहां 8423 छात्रों ने आत्महत्या की थी, वहीं 2023 में यह संख्या बढ़कर 13,892 हो गई। यह आंकड़ा बताता है कि शिक्षा का दबाव अब प्रेरणा न होकर भय का कारण बनता जा रहा है।

Sapien Labs की ग्लोबल माइंड हेल्थ रिपोर्ट 22025 के अनुसार भारत के युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य लगातार कमजोर हो रहा है। 18 से 34 वर्ष के युवाओं का Mind Health Quotient काफी कम पाया गया। इसका अर्थ है कि नई पीढ़ी तनाव, भावनाओं और रिश्तों को संभालने में संघर्ष कर रही है। बच्चों को अनुशासन सिखाना आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है उनके मन को समझना। कई बार माता-पिता अनजाने में बच्चों पर अत्यधिक अपेक्षाओं का बोझ डाल देते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चा हर क्षेत्र में श्रेष्ठ हो, लेकिन यह नहीं समझते कि बच्चे भी थकते हैं, डरते हैं और टूटते हैं। उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि असफल होने पर भी परिवार उनका साथ देगा। यदि बच्चा उदास है, चुप रहने लगा है, गुस्सा करने लगा है या अकेले रहना पसंद करने लगा है, तो यह सिर्फ जिद नहीं हो सकती, बल्कि मानसिक तनाव का संकेत भी हो सकता है।

दूसरी ओर दुर्भाग्य से अधिकांश स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य को अभी भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। स्कूलों में नियमित काउंसलिंग, भावनात्मक शिक्षा, तनाव प्रबंधन और जीवन कौशल प्रशिक्षण की आवश्यकता है। शिक्षकों को यह प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए कि वे बच्चों में अवसाद, चिंता और आत्मघाती संकेतों को पहचान सकें। कई बच्चे घर की बजाय स्कूल में अपने मन की बात कहना अधिक सुरक्षित महसूस करते हैं, इसलिए शिक्षक विषय पढ़ाने के साथ ही संवेदनशील मार्गदर्शक भी होने चाहिए।

सूडोकु नवताल- 7811

★★★★☆ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7810 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

ललित गर्ग

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम ह्लमाता-पिता के लिए एक साथह्व एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष ह्लमातृ देवो भवः, पितृ देवो भवःह्व- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे ह्लसबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वासह्लह्व की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

रोगाणुओं की प्रतिरोध क्षमता का एआई के जरिये मुकाबला

चार्वी अरोड़ा

रोगाणुओं की प्रतिरोध क्षमता के खिलाफ लड़ाई में सबसे बड़ा खतरा अक्सर वही होता है, जो तुरंत दिखाई नहीं देता। एक मरीज संक्रमण के साथ आता है और डॉक्टर सबसे संभावित कारण के आधार पर इलाज शुरू कर देता है लेकिन बैक्टीरिया पहले से ही उन मानक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो सकते हैं, जो मरीज को दी जा रही हैं। इस प्रतिरोध की पुष्टि करने में कई दिन लग सकते हैं और जब तक डॉक्टर प्रयोगशाला की रिपोर्ट का इंतजार करते हैं, संक्रमण उसे रोकने के लिए बनाई गई व्यवस्था की तुलना में तेजी से फैलता रह सकता है।

यही खामोश अनिश्चितता रोगाणुओं की प्रतिरोध क्षमता या एएमआर को इतना खतरनाक बनाती है। यह केवल एक और बीमारी नहीं है। यह आधुनिक चिकित्सा की बुनियाद को ही कमजोर कर देता है, जिससे सामान्य संक्रमणों का इलाज करना कठिन हो जाता है। यह ऐसी चुनौती भी है, जिसके लिए बेहतर उपकरण, तेजी से जवाब और मजबूत साझेदारियों की आवश्यकता होती है।

यहीं पर डॉ. एशले स्टिचिन्स्की की भूमिका आती है। संक्रामक रोग विशेषज्ञ और यूएस सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) में मेडिकल ऑफिसर डॉ. स्टिचिन्स्की, एम्बेसी साइंस फेलोज प्रोग्राम के तहत भारत में हैं, ताकि यह समझा जा सके कि अमेरिका रोगाणुओं की प्रतिरोध क्षमता (एएमआर) का आकलन करने और उससे निपटने के क्षेत्रीय प्रयासों में किस प्रकार सहयोग कर सकता है। उनका कार्य वैश्विक स्वास्थ्य, स्वास्थ्य सुरक्षा और नई खोजों के मिलन स्थल पर है, विशेष रूप से तब, जब अमेरिका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों का अधिक प्रभावी ढंग से पता लगाने, निगरानी करने और उनसे निपटने के औजार के रूप में आगे बढ़ा रहा है।

भारत में डॉ. स्टिचिन्स्की की भूमिका यह पहचानना है कि स्थानीय प्राथमिकताएं क्या हैं और कहां कमियां हैं तथा कहां अमेरिका के साथ सहयोग सार्थक बदलाव ला सकता है। राष्ट्रीय कार्य योजनाएं पहले से मौजूद हैं, लेकिन तेज निदान, मजबूत निगरानी और बड़े पैमाने पर लागू किए जा सकने वाले तकनीकी समाधानों की आवश्यकता अभी भी अत्यंत महत्वपूर्ण बनी हुई है।

रोगाणुओं की प्रतिरोध क्षमता के बढ़ते स्तर ने इसे वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों की अग्रिम पंक्ति में ला खड़ा किया है। वर्षों तक स्वास्थ्य विशेषज्ञ एचआईवी, मलेरिया और तपेदिक को ह्लबिग थ्रीह्व कहते रहे, क्योंकि हर वर्ष इनसे बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होती थी। अब रोगाणुओं की प्रतिरोध क्षमता यानी एएमआर भी उसी श्रेणी में आ गया है। डॉ. स्टिचिन्स्की बताती हैं, पिछले कुछ वर्षों में जब हम अधिक ठोस आंकड़े एकत्र करने में सक्षम हुए हैं, तब हमें यह समझ में आया है कि रोगाणुओं की प्रतिरोध क्षमता भी उसी स्तर पर है, जिससे हर वर्ष 10 लाख से अधिक लोगों की मौत हो रही है।

एएमआर केवल इसलिए खतरा नहीं है कि यह सीधे तौर पर बड़ी संख्या में मौतों का कारण बनता है। यह इसलिए भी खतरनाक है क्योंकि यह उन चिकित्सीय उपकरणों और उपचार प्रणालियों को कमजोर कर देता है, जिन पर स्वास्थ्य सेवाओं के अनेक अन्य रूप निर्भर करते हैं।

वह कहती हैं, आधुनिक चिकित्सा में हम जो कुछ भी करते हैं, उसका बड़ा हिस्सा इस बात पर निर्भर करता है कि एंटीबायोटिक्स संक्रमणों का प्रभावी ढंग से रोकथाम और इलाज कर सकें। इसमें नियमित सर्जरी, कीमोथेरेपी देना और एचआईवी का प्रबंधन जैसी चीजें शामिल हैं। ये सभी प्रभावी एंटीबायोटिक्स पर निर्भर हैं। यदि यह क्षमता समाप्त हो जाती है, तो यह उस स्वास्थ्य सेवा के बड़े हिस्से को कमजोर कर देगा, जिसे हम आवश्यक मानते हैं।

यही कारण है कि एएमआर भारत और अमेरिका दोनों के लिए इतना महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह केवल स्वास्थ्य संबंधी चुनौती नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत चुनौती भी है– जो तैयारी, आर्थिक स्थिरता और स्वास्थ्य सेवाओं में जनता के विश्वास को प्रभावित करती है।

एएमआर की सबसे कठिन बातों में से एक यह है कि यह खुद को स्पष्ट रूप से प्रकट नहीं करता। एक प्रतिरोधी संक्रमण शुरूआत में किसी सामान्य संक्रमण जैसा ही दिख सकता है। अंतर अक्सर प्रयोगशाला परीक्षण के बाद ही स्पष्ट होता है, और इस प्रक्रिया में समय लगता है।

जब किसी को बैक्टीरियल संक्रमण होता है, तो यह पुष्टि करने के लिए कि बैक्टीरिया प्रतिरोधी है या नहीं, प्रयोगशालाओं को सामान्यतः उस जीवाणु को विकसित करना पड़ता है और विभिन्न एंटीबायोटिक्स के खिलाफ उसका परीक्षण करना पड़ता है। डॉ. स्टिचिन्स्की कहती हैं, इसमें आमतौर पर कई दिन लगते हैं और इस बीच आपके पास एक ऐसा मरीज होता है, जिसे प्रभावी इलाज नहीं मिल रहा होता है। एएमआर से निपटने में यह एक निरंतर चुनौती बनी हुई है- ऐसे तेज निदान उपकरणों तक पहुंच, जो आपको बता सकें कि आप किससे जूझ रहे हैं और वह किन दवाओं के प्रति संवेदनशील है।

निदान संबंधी यही कमी उन प्रमुख कारणों में से एक है, जिनकी वजह से अमेरिका एआई-संचालित तरीकों में इतना अधिक निवेश कर रहा है। एआई वैज्ञानिकों और चिकित्सकों को विलंबित पुष्टि से आगे बढ़कर प्रारंभिक पूवानुमान तक पहुंचने में मदद कर रहा है। डॉ. स्टिचिन्स्की कहती हैं, निदान के क्षेत्र में एआई, विशेष रूप से मशीन लर्निंग का उपयोग व्यक्तिगत बैक्टीरियल कोशिकाओं को देखने और एंटीबायोटिक्स के संपर्क में आने पर उनके व्यवहार को बहुत प्रारंभिक चरण में समझने के लिए किया जा रहा है, ताकि प्रतिरोध का अनुमान लगाया जा सके। यानी दिनों तक इंतजार करने के बजाय, आपको मिनटों या घंटों में परिणाम मिल सकता है।

वह एआई के एक अन्य व्यावहारिक उपयोग की ओर भी संकेत करती हैं- चिकित्सकों को यह निर्णय लेने में मदद करना कि एंटीबायोटिक्स की आवश्यकता है भी या नहीं। उदाहरण के लिए एआई बैक्टीरिया की उन समान्य विशेषताओं की पहचान करने में मदद कर सकता है, जिससे बीमारी की पहचान हो सके, ताकि आप शुरूआत में ही इस प्रश्न का उत्तर दे सकेंः क्या यह वायरल है या बैक्टीरियल, और क्या मुझे एंटीबायोटिक देनी चाहिए या नहीं?ह्व भारत जैसे देश के लिए, जहाँ पैमाना और गति दोनों महत्वपूर्ण हैं, ऐसी प्रगति सार्थक बदलाव ला सकती है। एएमआर के खिलाफ लड़ाई में एआई की भूमिका केवल निदान तक सीमित नहीं है। डॉ. स्टिचिन्स्की यह भी बताती हैं कि एआई का उपयोग संक्रमण के रुझानों की निगरानी, संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण डेटा के विश्लेषण और यहां तक कि नए एंटीबायोटिक्स की खोज को तेज करने के लिए भी किया जा रहा है।

हर बोतल के पीछे छिपी है एक परिवार की त्रासदी

पीयूष कुमार कश्यप

भारत एक ऐसा देश है जहाँ प्रधानमंत्री की एक अपील करोड़ों लोगों के व्यवहार को बदलने की ताकत रखती है। जब देश के प्रधानमंत्री ने पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने की बात कही, तब लोगों ने इसे केवल एक सरकारी बयान नहीं माना, बल्कि राष्ट्रहित से जुड़ा संदेश समझा। लोगों ने अनावश्यक यात्रा कम करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने और ईंधन बचाने की चर्चा शुरू कर दी। क्योंकि लोगों को लगा कि पेट्रोल बचाना देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए जरूरी है। लेकिन इसी देश में एक प्रश्न लगातार खड़ा रहता है और व्यवस्था से जवाब मांगता है कि यदि सरकार पेट्रोल कम खर्च करने की अपील कर सकती है तो शराब न पीने या शराब छोड़ने की राष्ट्रीय अपील क्यों नहीं कर सकती? आखिर शराब भी तो केवल व्यक्ति का निजी मामला नहीं है। शराब भी समाज, परिवार, स्वास्थ्य व्यवस्था और अर्थव्यवस्था पर उतना ही गहरा असर डालती है, जितना कोई आर्थिक संकट डाल सकता है।

सच तो यह है कि शराब केवल एक बोतल में बंद नशा नहीं है, बल्कि यह धीरे-धीरे लाखों परिवारों के जीवन को निगल जाने वाली सामाजिक त्रासदी बन चुकी है। पेट्रोल महंगा होता है तो जेब पर असर पड़ता है, लेकिन शराब घर में प्रवेश करती है तो पूरा परिवार टूटने लगता है। शराब केवल शरीर को नहीं जलाती, यह रिश्तों को भी राख कर देती है। देश के गाँवों से लेकर महानगरों तक हजारों महिलाएँ ऐसी हैं जो हर रात शराबी पति की गालियाँ सुनती हैं, मारपीट सहती हैं, अपमान झेलती हैं और फिर भी सुबह अपने बच्चों के लिए जीने को मजबूर होती हैं। कितनी महिलाएँ ऐसी हैं जिनके पति शराब की लत में अपनी पूरी कमाई ठेके पर छोड़ आते हैं और घर में बच्चों के लिए दूध तक नहीं बचता। कितनी लड़कियाँ ऐसी हैं जिनकी पढ़ाई इसलिए छूट जाती है क्योंकि पिता की कमाई शराब में खत्म हो जाती है। कितने बच्चे ऐसे हैं जो अपने पिता को पिता नहीं बल्कि डर के रूप में देखते हैं। लेकिन इन आँसुओं का कोई सरकारी डेटा नहीं होता।

सरकारें शराब से मिलने वाले राजस्व का हिसाब तो हर साल बड़े गर्व से पेश करती हैं, लेकिन शराब से बर्बाद हुए परिवारों का हिसाब कोई नहीं रखता। राज्य सरकारों की आय का बड़ा हिस्सा शराब बिक्री से आता है, इसलिए शराब को अक्सर आर्थिक मजबूरी की तरह प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन क्या कोई सरकार यह बता सकती है कि शराब से जो राजस्व आता है, उससे कहीं ज्यादा पैसा अस्पतालों, अपराध नियंत्रण, सड़क दुर्घटनाओं और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर खर्च नहीं होता? क्या सरकार यह बता सकती है कि शराब की वजह से टूटे परिवारों की आर्थिक कीमत कितनी है? क्या कोई विभाग यह बता सकता है कि शराब के कारण कितनी महिलाओं ने आत्महत्या की, कितने बच्चे मानसिक तनाव के शिकार हुए और कितने लोग समय से पहले मौत के मुँह में चले गए? शायद नहीं। क्योंकि व्यवस्था ने कभी इन सवालों को गंभीरता से पूछने की कोशिश ही नहीं की।

उत्तर प्रदेश में सूचना के अधिकार के तहत जो तथ्य सामने आए, वे केवल चौंकाने वाले नहीं बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर करने वाले हैं। मद्य निषेध विभाग, जिसका उद्देश्य शराब के दुष्प्रभावों को रोकना और जनजागरूकता फैलाना है, उसके पास यह आंकड़ा ही नहीं है कि शराब के कारण प्रदेश में कितनी मौतें हुईं या कितने लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हुए। सोचिए, एक विभाग करोड़ों रुपये खर्च कर रहा है, रैलियाँ निकाल रहा है, होर्डिंग्स लगवा रहा है, दीवारों पर नारे लिखवा रहा है, लेकिन उसे यह तक नहीं पता कि समस्या कितनी बड़ी है। यह ठीक वैसा ही है जैसे कोई डॉक्टर बिना जांच किए इलाज करता रहे और फिर यह भी न जाने कि मरीज जिंदा है या नहीं। जब विभाग के पास शराब से होने वाली मौतों और बीमारियों का कोई वैज्ञानिक डेटा ही नहीं है, तब करोड़ों रुपये के जागरूकता अभियानों का आधार क्या है? आखिर जनता का पैसा किस परिणाम के लिए खर्च किया जा रहा है?

सबसे अधिक पीड़ा की बात यह है कि इस पूरे विमर्श में महिलाओं का दर्द हमेशा हाशिये पर छोड़ दिया जाता है। शायद ही कभी किसी विधानसभा या संसद में उन महिलाओं की जिंदगी पर गंभीर चर्चा होती हो जिनकी पूरी जवानी शराबी पति की हिंसा झेलते हुए गुजर जाती है। कितनी महिलाएँ ऐसी हैं जो पति की शराब की आदत के कारण हर दिन मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का सामना करती हैं। कई महिलाएँ कम उम्र में विधवा हो जाती हैं क्योंकि शराब धीरे-धीरे शरीर को अंदर से खत्म कर देती है। यदि सरकार ईमानदारी से अध्ययन कराए तो संभव है कि विधवा पेंशन पाने वाली बड़ी संख्या में महिलाओं के पति की मृत्यु कहीं न कहीं शराब से जुड़ी बीमारी, दुर्घटना या हिंसा के कारण हुई हो। लेकिन क्या कभी किसी मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री ने उन महिलाओं के बीच बैठकर उनका दर्द समझने की कोशिश की? क्या कभी किसी राष्ट्रीय मंच से यह कहा गया कि शराब केवल राजस्व नहीं, बल्कि लाखों महिलाओं के जीवन का अभिशाप बन चुकी है?

अस्पतालों की वास्तविकता भी किसी से छिपी नहीं है। सरकारी अस्पतालों में लीवर खराब होने, ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज, मानसिक रोग और सड़क दुर्घटनाओं के अनगिनत मामलों के पीछे शराब एक बड़ा कारण बनती है। डॉक्टर अनौपचारिक बातचीत में यह स्वीकार करते हैं कि शराब से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

दैनिक पंचांग

31 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृष में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	मेष में
बुध	मिथुन में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मिथुन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	06.18 बजे से
कर्क	08.32 बजे से
सिंह	10.48 बजे से
कन्या	13.00 बजे से
तुला	15.10 बजे से
वृश्चिक	17.25 ब.से
धनु	19.41 बजे से
मकर	21.46 बजे से
कुंभ	23.33 बजे से
मीन	01.05 बजे से
मेष	02.36 बजे से
वृष	04.16 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 151 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 14.15 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 16.12 बजे को समाप्त।
योग शिव 05.25 बजे प्रात: को समाप्त।
करण बव 14.15 बजे तदनन्तर बालव 03.26 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 14.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 53'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872726
जूलियन दिन 2461191.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 14
विशेष अधिक पूर्णिमा, विश्व तम्बाकू निषेध दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

पत्थर खदान के जमा पानी से युवक का शव बरामद

साहिबगंज: तालझारी थाना क्षेत्र के बंसकोला पत्थर खदान से शनिवार की सुबह पुलिस ने पानी में तैरता एक शव बरामद किया। शव को ग्रामीणों ने देख पुलिस को सुचना दी थी। मौके पर पुलिस ने पहुंच कर शव को पानी से बाहर निकाला। ग्रामीणों ने उसकी पहचान तालझारी थाना क्षेत्र के दरभंगा संथाली निवासी विनोद सोरेन (18) के रूप में की है। जिसके बाद उसके पिता का उसकी सूचना दी गई। पिता फागु सोरेन ने अपने रिश्तेदार पर जमीनी विवाद को लेकर हत्या का आरोप लगाया। फागु सोरेन की जमीन बंसकोला मुख्य सड़क के किनारे है और उसमें उसकी संपत्ति का हिस्सा नहीं दिया जा रहा। उसे लेकर विवाद चल रहा है। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी नितेश पांडे ने बताया की मामले की छानबीन की जा रही है।

सड़क हादसे में तीन लोग घायल, दो रेफर

साहिबगंज: जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत उधवा राजमहल फोर लेन मुख्य मार्ग पर शनिवार को जामनगर के पास दो बाइक के आमने-सामने की टक्कर में दोनों बाइक चालक सहित तीन लोग घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार जामनगर निवासी मनोज मंडल (45), और सुधीर मंडल (48) अपने घर से बाइक चलाकर किसी काम से बाजार जा रहा था। उसी दौरान मुर्गी टोला निवासी अकबर (26) काफी तेज रफ्तार में बाइक चलाकर अपने घर की तरफ आ रहा था। तभी अनियंत्रित होकर मनोज मंडल के बाइक में जोरदार धक्का मार दिया। जिससे मनोज मंडल सहित बाइक के पीछे बैठे सुधीर मंडल और अकबर शेख तीनों बीच सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया जिसे अपने अपने परिजनों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर कुमार सौरभ ने प्राथमिक इलाज के बाद पैर की हड्डी बुरी तरह टूट जाने के कारण मनोज मंडल को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं अकबर को भी प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही थाना के एएसआई बबलू सोरेन दलबल के साथ मौके पर पहुंच कर मामले की जांच में जुट गए थे।

बड़तल्ला में ट्रांसफार्मर खराब, दो दिनों से अंधेरे में ग्रामीण

हिरणपुर : पाकुड़ जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत बड़तल्ला गांव में पिछले दो दिनों से ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण पूरे गांव की बिजली आपूर्ति ठप है। बिजली नहीं रहने से ग्रामीणों को भीषण गर्मी के बीच भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बकरीद जैसे महत्वपूर्ण पर्व के दौरान बिजली गुल रहने से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने से शाम होते ही पूरा गांव अंधेरे में डूब जाता है। वहीं पेयजल आपूर्ति, मोबाइल चार्जिंग समेत दैनिक जरूरतों के कई कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली नहीं रहने से बच्चों की पढ़ाई और घरेलू कामकाज पर भी असर पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, ट्रांसफार्मर खराब होने की सूचना संबंधित विद्युत विभाग को दे दी गई है, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत या बदलने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। इससे लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से अविलंब खराब ट्रांसफार्मर को बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है, ताकि गांव में जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति बहाल हो सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे विभाग के खिलाफ आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

पाकुड़ पुलिस को बड़ी सफलता, चोरी की कई घटनाओं का खुलासा, छह अपराधी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में पाकुड़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हाटपाड़ा रथ मेला मैदान स्थित दुकानों में चोरी, मेडिकल हॉल से एसी आउटडोर की चोरी समेत कई मामलों का खुलासा करते हुए पुलिस ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर चोरी गए सामान भी बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 27 मई की रात हाटपाड़ा रथ मेला मैदान स्थित पांच दुकानों में चोरी की घटना हुई थी, जिसमें एक बर्तन दुकान से कांसा के बर्तन चोरी कर लिए गए थे। इसके अलावा 20 मई की रात हाटपाड़ा स्थित नित्य काली मेडिकल हॉल से एसी का आउटडोर यूनिट चोरी हुआ था। वहीं 18 मई को पुलिस केंद्र के समीप एक मकान में चोरी तथा 28 दिसंबर 2025 को पाकुड़ रेलवे स्टेशन के पास नकदी एवं जेवर चोरी की घटना भी सामने आई थी।

लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। गठित टीम ने मानवीय एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर छापेमारी कर इन घटनाओं में संलिप्त छह अपराधियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बजीर शेख, हाजीबुल शेख, रोनी शेख, रहमान शेख, मुहर्रम शेख और अमन अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर चोरी हुए नौ पीस कांसा की थाली, एक गैस सिलेंडर तथा एसी आउटडोर यूनिट का स्टैंड बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार कई आरोपितों का आपराधिक इतिहास भी रहा है और उनके खिलाफ पूर्व में भी चोरी समेत अन्य मामलों में कांड दर्ज हैं। सभी गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव, नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता समेत नगर थाना व तकनीकी शाखा की टीम शामिल रही।

नाबालिग अपहरण कांड में पुलिस को मिली सफलता, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के तालझारी थाना पुलिस ने नाबालिग अपहरण मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड संख्या 79/26 के प्राथमिक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार तालझारी थाना कांड संख्या 79/26 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 87, 137(2), 352 एवं 3(5) के तहत दर्ज मामले के मुख्य आरोपी गुलाब खान, पिता लाल खान, निवासी मेहंदीपुर, थाना मनिहारी, जिला कटिहार (बिहार) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए लगातार छापेमारी और तकनीकी अनुसंधान किया जा रहा था। इसी क्रम में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। पुलिस का कहना है कि ऐसे मामलों में कानून के तहत सख्त कार्रवाई जारी रहेगी तथा पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। तालझारी थाना पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की तत्परता की सराहना करते हुए अपराध के विरुद्ध इसी तरह की कार्रवाई जारी रखने की मांग की है।

साहिबगंज में भीषण सड़क हादसा, झारखंड पुलिस जवान समेत तीन की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में बोरियो-तीनपहाड़ मुख्य पथ पर चतरा धोगड़ा के आगे क्रशर के पास दो बाइकों की सीधी टक्कर में दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद दो युवक घायल हो गए। इलाज के दौरान सदर अस्पताल में एक ने दम तोड़ दिया। मिली जानकारी के अनुसार उधवा निवासी एवं झारखंड पुलिस के जवान हृदय कुमार सरकार, जो गोड्डा कोर्ट में पदस्थापित थे, अपनी बुलेट बाइक से गोड्डा से अपने घर उधवा जा रहे थे। वहीं दूसरी ओर वृंदावन (तीनपहाड़) से तीन युवक सनाउल अंसारी, साहिल अंसारी और मिराज अंसारी एक ही बाइक पर सवार होकर वृंदावन से बोरियो आ रहे थे। इसी दौरान दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना में पुलिस जवान हृदय कुमार सरकार (35) एवं वृंदावन निवासी मिराज अंसारी (25) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दनवार निवासी करीम अंसारी ने बताया कि मृतक मिराज उनका भांजा था। वह अपने मामा के घर दनवार घूमने आ रहा था। इलाज के दौरान साहिल अंसारी ने दम तोड़ दिया। वहीं उधवा निवासी अभिषेक ने बताया कि हृदय कुमार सरकार उनके रिश्तेदार थे। हृदय की शादी बिहार के मनिहारी निवासी संगीता देवी से हुई थी। उनके एक पुत्र और एक पुत्री हैं। हृदय फायरिंग अभ्यास में भाग लेने के बाद घर लौट रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन साहिबगंज के लिए रवाना हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बोरियो थाना के एएसआई धर्मेंद्र कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन की। इसके बाद बोरियो सीएचसी पहुंचकर दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं एएसआई सुधीर कुमार तिवारी ने घटनास्थल से दोनों बाइकों को जब्त कर लिया। साथ ही घटनास्थल से हृदय कुमार सरकार का बैग भी बरामद किया गया। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

डोहरी संताली में स्कूल भवन निर्माण पर उठे सवाल, बिना प्लास्टर रंगाई-पुट्टी का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लिट्टीपाड़ा : पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत डोहरी संताली गांव में निमार्णाधीन स्कूल भवन को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की जा रही है, जिससे भवन की मजबूती और सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। साथ ही, कार्य की निगरानी कर रहे जेई (कनीय अभियंता) एवं सुपरवाइजर की भूमिका पर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, भवन निर्माण के दौरान दीवारों एवं छत की समुचित क्योरिंग (पानी देकर देखरेख) नहीं की गई, जिससे निर्माण की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका है। इसके अलावा निर्माण में घटिया किस्म की ईंट और बालू के उपयोग का भी आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं होने के कारण भविष्य में भवन की मजबूती प्रभावित हो सकती है। ग्रामीणों ने बताया कि सबसे हैरानी की बात यह है कि भवन के कई हिस्सों में अब तक प्लास्टर का कार्य पूरी तरह पूरा नहीं हुआ है, इसके बावजूद रंगाई-पुट्टी का काम शुरू कर दिया गया है। ग्रामीणों ने इसे निर्माण मानकों के विपरीत बताते हुए गंभीर लापरवाही करार दिया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है और संबंधित पदाधिकारियों द्वारा उचित निगरानी भी नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है, ताकि सरकारी राशि का दुरुपयोग रोका जा सके और गुणवत्तापूर्ण भवन का निर्माण सुनिश्चित हो सके।

एक ट्रांसफॉर्मर पर 120 उपभोक्ताओं का भार, तलबड़िया के ग्रामीणों में आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहेट प्रखंड क्षेत्र के तलबड़िया गांव के मोमिन टोला में एक ट्रांसफॉर्मर पर लगभग 120 उपभोक्ताओं का लोड और जर्जर तार से परेशान ग्रामीण आक्रोशित है। वहीं ग्रामीणों ने उक्त समस्या को लेकर कहा कि इससे विभाग को कई बार अवगत कराया गया है। एक ट्रांसफॉर्मर रहने के कारण हर एक दो दिन में ट्रांसफॉर्मर जल जाता है। 50 रुपया करके प्रति घर उठाकर मिस्त्री को देकर मरम्मत करवाते हैं। इधर जर्जर तार बार-बार टूटने से परेशानी होती है। भीषण गर्मी में लोग त्राहिमाम करते हैं। वहीं विभाग से उक्त समस्या को त्वरित समाधान करने का मांग किया है। इस संबन्ध में कनिय अभियंता सत्यम मरांडी ने बताया कि मामले की समाधान हेतु प्रक्रिया में है बहुत जल्द ये समस्या समाधान हो जाएगा। मौके पर करीम अंसारी,नसीम अंसारी, शौकत अंसारी, आलम अंसारी, सरफराज अंसारी, लतीफ अंसारी, सलीम अंसारी, सैफुद्दीन अंसारी, छोटा करीम अंसारी,जब्बार अंसारी, सेराजुद्दीन, अब्दुल अंसारी, हैदर अंसारी, राकेश साह , सुशील मुर्मू, भैरो मुर्मू, माताल, मुर्मू, बेटा मुर्मू, मुकेश साह, हरि नंदन साह, अताउर रहमान, जाकिर अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बरहेट प्रखंड में उर्वरक एवं कृषि आदान प्रतिष्ठानों का संयुक्त प्रवर्तन दल ने किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक एवं कृषि आदान की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उर्वरकों की कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से उपायुक्त साहिबगंज के निदेर्शानुसार गठित संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा बरहेट प्रखंड के विभिन्न उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान साह कृषि केन्द्र, राजकुमार डोकानिया एवं मोदी फर्टिलाइजर सहित तीन प्रतिष्ठानों में स्टॉक सूची, दर तालिका, उर्वरक स्टॉक पंजी, बिक्री पंजी, गोदाम तथा पीओएस मशीन में उपलब्ध अभिलेखों का गहन सत्यापन किया गया।

साथ ही गोदाम में उपलब्ध उर्वरकों का भौतिक सत्यापन कर अभिलेखों से मिलान किया गया। संयुक्त प्रवर्तन दल ने सभी दुकानदारों को प्रतिदिन अद्यतन दर सूची एवं उपलब्ध स्टॉक की जानकारी दुकान के बाहर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त केवल सरकार द्वारा अधिकृत थोक विक्रेताओं से उर्वरक क्रय करने तथा उर्वरकों का विक्रय केवल किसानों को ही सुनिश्चित करने को कहा गया। उर्वरकों की कालाबाजारी अथवा गैर-कृषि कार्यों में उपयोग पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। निरीक्षण के क्रम में प्रतिष्ठानों में उपलब्ध कीटनाशकों एवं अन्य कृषि रसायनों की भी जांच की गई तथा उनकी समाप्ति तिथि का सत्यापन किया गया। दुकानदारों को नाबालिग बच्चों एवं महिलाओं को किसी भी परिस्थिति में पेस्टिसाइड का विक्रय नहीं करने का सख्त निर्देश दिया गया। दल द्वारा बिक्री हेतु उपलब्ध विभिन्न प्रकार के बीजों का निरीक्षण कर गुणवत्ता परीक्षण के लिए नमूने संग्रहित किए गए। साथ ही उर्वरकों के नमूने भी जांच हेतु संकलित कर प्रयोगशाला भेजे जाने की कार्रवाई की गई। जांच प्रतिवेदन में किसी प्रकार की अनियमितता अथवा अमानक गुणवत्ता पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त प्रवर्तन दल में अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज, जिला कृषि पदाधिकारी तथा अंचल अधिकारी, बरहेट शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

साहिबगंज में मासिक लोक अदालत का सफल आयोजन, 7 मामलों का हुआ निष्पादन

साहिबगंज: झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में शनिवार को साहिबगंज न्यायालय एवं राजमहल अनुमंडल न्यायालय परिसर में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के मामलों की सुनवाई की गई, जिसमें पक्षकारों की आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर कुल 7 मामलों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया। इन मामलों के निष्पादन के दौरान कुल 2000 की समझौता सह जुमार्ना राशि प्राप्त हुई। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-सह-प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज सिंधु नाथ लामाये ने बताया कि लोक अदालत न्याय प्राप्ति का एक सरल, सुलभ एवं प्रभावी माध्यम है, जहां पक्षकार आपसी सहमति से अपने विवादों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील भी की। लोक अदालत के सफल आयोजन से लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण को बढ़ावा मिला तथा पक्षकारों को समय और धन की बचत के साथ त्वरित न्याय प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारीगण, अधिवक्तागण, बैंक प्रतिनिधि, न्यायालय कर्मी एवं संबंधित पक्षकार उपस्थित रहे।

राजमहल बोहरा इंटर महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था की हुई समीक्षा

साहिबगंज: जिले के राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा एवं अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने संयुक्त रूप से राजमहल बीएलएनएल बोहरा इंटर महाविद्यालय का निरीक्षण किया। कॉलेज की शैक्षणिक व्यवस्था एवं प्रशासनिक विधि व्यवस्था से अवगत हुए। विधायक ने कहा कि कई अनियमिताओं की लिखित शिकायत उन्हें प्राप्त हुई थी। उन्होंने शासी निकाय के अध्यक्ष सचिव सदस्य से संबंधित जानकारी प्राप्त किए उपरांत विषय वार प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष में पठन-पाठन कर रहे छात्र-छात्राओं की संख्या के साथ-साथ सभी विषय के प्रोफेसर से जुड़ी जानकारी प्राप्त की है। विधायक ने कहा कि बोहरा इंटर महाविद्यालय राजमहल की पहचान है और यहां से कई हस्ती अपने उत्कृष्ट शिक्षा से संस्थान और क्षेत्र को गौरवान्वित महसूस कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई बच्चा महाविद्यालय में अच्छा परिणाम लाता है तो महाविद्यालय के स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने से बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए उसे प्रोत्साहित करते हुए सम्मानित करें। कक्षा संचालन हो इस दिशा में महाविद्यालय प्रशासन रूप रेखा तैयार करें। महाविद्यालय के टूटे हुए चार दिवारी को अभिलंब निर्माण करने का भी निर्देश विधायक ने जारी कर दिया है।

स्कूल भवन निर्माण में अनियमितता का आरोप, घटिया सामग्री उपयोग की शिकायत

हिरणपुर : पाकुड़ जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत बड़तल्ला हाई स्कूल के समीप निमार्णाधीन स्कूल भवन में कथित अनियमितताओं को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी तथा घटिया सामग्री के उपयोग का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार भवन निर्माण में निर्धारित गुणवत्ता की ईंट के बजाय बंगला भट्ठा की निम्न गुणवत्ता वाली 3 नंबर ईंट का इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही बालू की गुणवत्ता पर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि भवन निर्माण में मानक के अनुरूप सामग्री का उपयोग नहीं होने से भवन की मजबूती और सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में निर्धारित ब्रांड के सरिया (छड़) का उपयोग नहीं कर दूसरे ब्रांड की कंपनी का छड़ लगाया जा रहा है, जो गंभीर जांच का विषय है। सबसे गंभीर बात यह बताई जा रही है कि निर्माण स्थल पर अब तक किसी प्रकार का सूचना पट्ट नहीं लगाया गया है। सूचना पट्ट के अभाव में स्थानीय लोगों को यह जानकारी नहीं मिल पा रही है कि निर्माण कार्य किस विभाग के तहत कराया जा रहा है, इसकी स्वीकृत लागत कितनी है तथा कार्य एजेंसी कौन है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि सरकारी राशि से बनने वाले भवनों में मानकों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाशत नहीं की जानी चाहिए। यदि जांच में अनियमितता की पुष्टि होती है तो संबंधित जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि, इस संबंध में संबंधित विभाग अथवा निर्माण एजेंसी का पक्ष समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हो सका था। पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

'चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो' अभियान के तहत माहवारी स्वच्छता जागरूकता अभियान का हुआ शुभारंभ

महेशपुर: ज़िले में 'चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो' अभियान के तहत महेशपुर प्रखंड कार्यालय सभागार में माहवारी स्वच्छता जागरूकता अभियान-2026 का शुभारंभ महेशपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. सिद्धार्थ शंकर यादव की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने एवं सामाजिक भ्रांतियों को दूर करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. सिद्धार्थ शंकर यादव ने कहा कि माहवारी महिलाओं एवं किशोरियों के जीवन की एक स्वाभाविक एवं प्राकृतिक प्रक्रिया है। इसे लेकर समाज में व्याप्त संकोच, भ्रांतियों एवं गलत धारणाओं को समाप्त करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जागरूकता, स्वच्छता एवं सही जानकारी के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ₹चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो₹ अभियान का उद्देश्य माहवारी जैसे महत्वपूर्ण विषय पर खुलकर संवाद स्थापित करना, किशोरियों एवं महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी उपलब्ध कराना तथा उन्हें आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार और सशक्त समाज की आधारशिला होती है। डॉ. यादव ने उपस्थित प्रतिभागियों से अपील किया कि वे माहवारी स्वच्छता के संबंध में जागरूकता का संदेश अपने परिवार, विद्यालय, गांव एवं समुदाय तक पहुंचाएं, ताकि इस विषय को लेकर फैली झिझक समाप्त हो और प्रत्येक महिला एवं किशोरी सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सके।

संक्षिप्त डायरी

वाराणसी में तेज रफ्तार आंधी और ओलावृष्टि की संभावना, रेड अलर्ट जारी

वाराणसी (एजेंसी) । वाराणसी में आगामी 24 घंटों के दौरान गरज-चमक के साथ तेज बारिश, 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली आंधी और ओलावृष्टि की संभावना को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अगले 24 घंटों तक अत्यधिक सतर्क और सुरक्षित रहें। अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें, पेड़ों, बिजली के खंभों तथा कच्चे या कमजोर निमार्णों से दूर रहें और मौसम विभाग व जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करें। तेज हवाएं और बारिश शुरू होते ही तुरंत किसी सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। किसी भी बड़े पेड़ के नीचे खड़े होने से बचें। लोगों को इस बारे में जागरूक करने के साथ ही बच्चों और बुजुर्गों को इस दौरान अनावश्यक घर से बाहर न निकलने दें।

दिव्यांग उत्पीड़न की शिकायतें थानों में दर्ज नहीं होतीं : वीरेन्द्र कुमार

कानपुर (एजेंसी) । पुलिस थानों में दिव्यांग उत्पीड़न के मामलों की रिपोर्ट दर्ज नहीं की जाती और कई थाना प्रभारियों को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 की पर्याप्त जानकारी नहीं है। इससे पीड़ित दिव्यांगों को न्याय पाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उत्पीड़न के मामलों को पुलिस आयुक्त के समक्ष उठाकर कार्रवाई की मांग की जाएगी। यह बातें शनिवार को राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने कहीं। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी की ओर से आयोजित उत्पीड़न निवारण शिविर में पीड़ित दिव्यांगों की शिकायतें दर्ज की गईं। वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि पार्टी लंबे समय से थाने स्तर पर दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग कर रही है। उन्होंने पीड़ित दिव्यांगों से राज्य आयुक्त, अपर आयुक्त और सहायक आयुक्त दिव्यांगजन के समक्ष भी अपनी शिकायतें दर्ज कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि धरना-प्रदर्शन और ज्ञापनों के माध्यम से पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को कई बार अधिनियम लागू कराने की मांग भेजी जा चुकी है, लेकिन निचले स्तर पर अभी तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। शिविर में प्राप्त शिकायतों को पुलिस आयुक्त को भेजकर कार्रवाई की मांग की जाएगी। वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि यदि मामलों में उचित कार्रवाई नहीं हुई तो नौ जून को कानपुर से मुख्यमंत्री आवास, लखनऊ तक शांति मार्च पदयात्रा निकाली जाएगी और सभी प्रकरण मुख्यमंत्री के समक्ष रखे जाएंगे।

शिविर में आसमां बानों, उमाशंकर, अमित कुमार कनौजिया, भगवान दास, वैभव दीक्षित समेत 14 दिव्यांगों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। इस दौरान जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष अल्पना कुमारी, गौरव कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

दालमंडी में चिन्हित भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पुनः आरंभ

वाराणसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में अपर जिलाधिकारी नगर डा. राजेश कुमार सिंह, लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता के.के. सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त दशाश्वमेध डा. अतुल अंजान शनिवार को दालमंडी पहुंचे और श्रमिकों की मदद से चिन्हित भवनों पर हथौड़ा चलवाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पुनः आरंभ कराई। लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता के.के. सिंह ने पत्रकारों से कहा कि दो दिनों में 18 मकान तोड़े जाने हैं। इन मकानों में दुकानें चला करती थी और इन्हें मुआवजा दे दिया गया है। मकान के खाली करने के लिए नोटिस दे दी गई थी। सायं काल तक क्रमशः चिन्हित मकान को श्रमिकों द्वारा तोड़ा जाएगा। मौके पर मौजूद लोगों को पुलिसकर्मियों ने हटाया है और उन्हें टूट रहे मकानों के आसपास नहीं आने की चेतावनी दी गई। इस दौरान कुछ दुकानदार वहां से अपने सामान ले जाते हुए भी मिले।

लाइसेंसी पिस्टल से चली गोली, महिला घायल

देवरिया (एजेंसी) । देवरिया जनपद में गौरीबाजार थाना क्षेत्र के ककवल चौराहे पर एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से घायल हो गई। पुलिस की जांच में प्रथम दृष्टया यह घटना लाइसेंसी पिस्टल के अचानक फायर हो जाने से हुई प्रतीत हो रही है। क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर सत्येन्द्र कुमार राय ने बताया कि ग्राम बड़हरा निवासी अशोक कुमार, जो पूर्व सैनिक (एक्स आर्मी मैन) हैं। वह ककवल चौराहे पर दुकान संचालित करते हैं और वहीं परिवार के साथ रहते हैं। 29 मई की शाम उनकी पत्नी कुसुमलता अलमारी से अशोक कुमार की लाइसेंसी पिस्टल निकाल रही थीं। इसी दौरान पिस्टल हाथ से छूटकर नीचे गिर गई, जिससे अचानक फायर हो गया। बताया गया कि चली हुई गोली पहले अलमारी में लगी और उसके बाद कुसुमलता के हाथ में जा लगी, जिससे वह घायल हो गईं। घटना के बाद परिजनों ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय देवरिया पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें गोरखपुर रेफर कर दिया। पुलिस के मुताबिक महिला का इलाज गोरखपुर में चल रहा है और उनकी स्थिति सामान्य है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि मामले की गहन जांच के लिए फॉरेंसिक टीम घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की पड़ताल कर रही है।

वाराणसी : फ्लैट निर्माण के नाम पर ठगी का मामला, आरोपी गया जेल

वाराणसी (एजेंसी)। बिल्डिंग एग्रीमेंट के माध्यम से जमीन लेकर फ्लैट निर्माण का भरोसा देने और बाद में कथित रूप से धोखाधड़ी करने के मामले में चितईपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। आरोपी के खिलाफ पीड़ित की शिकायत पर पहले से मुकदमा दर्ज था और मामले की जांच चल रही थी। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान भेलूपुर थाना क्षेत्र के नवाबगंज, दुगार्कुंड निवासी धनंजय कुमार के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने एक व्यक्ति से बिल्डिंग एग्रीमेंट के तहत जमीन लेकर उस पर फ्लैट निर्माण करने का वादा किया था। हालांकि बाद में समझौते की शर्तों का पालन नहीं किया गया, जिससे विवाद उत्पन्न हो गया। पीड़ित ने चितईपुर थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि फ्लैट निर्माण और निवेश के नाम पर उसे गुमराह किया गया तथा आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने दस्तावेजों, लेनदेन और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण किया। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार गौतम ने बताया कि विवेचना के दौरान आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त हुए। इसके आधार पर पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी से मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी जुटाई गई, जिसे विवेचना में शामिल किया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर रीलबाजी करने वाले पुलिसकर्मियों पर होगी कार्रवाई, पुलिसकर्मियों के सोशल मीडिया गतिविधियों पर रखी जा रही नजर

वाराणसी (एजेंसी) । सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच अब वर्दी पहनकर रील बनाना और फोटो-वीडियो साझा करना पुलिसकर्मियों के लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है। वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस ने ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए सोशल मीडिया पर सक्रिय पुलिसकर्मियों की निगरानी शुरू कर दी है। विभागीय नियमों का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ निलंबन समेत कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार कमिश्नरेट में तैनात महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। निगरानी के दायरे में महिला आरक्षी, उपनिरीक्षक, निरीक्षक और अन्य पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। खासकर नए रंगरूटों और युवा पुलिसकर्मियों को सोशल मीडिया के उपयोग में अतिरिक्त सतर्कता बरतने की हिदायत दी गई है। हाल ही में आयोजित क्राइम मीटिंग में वरिष्ठ अधिकारियों ने सोशल मीडिया से संबंधित नियमों और दिशा-निदेर्शों की विस्तार से जानकारी दी थी। बैठक में स्पष्ट रूप से कहा गया कि कोई भी पुलिसकर्मी वर्दी में रहते हुए, थाने या चौकी परिसर में, ड्यूटी के दौरान अथवा सरकारी हथियारों के साथ फोटो, वीडियो या रील बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा नहीं करेगा। विभाग का मानना है कि इस प्रकार की गतिविधियां पुलिस सेवा की गरिमा और अनुशासन के विपरीत हैं। पिछले कुछ महीनों में काशी और वरुणा जोन में तैनात कई महिला पुलिसकर्मियों की वर्दी में बनाई गई रील्स सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई थीं। इन वीडियो को बड़ी संख्या में लोगों ने देखा और साझा किया, जिसके बाद पुलिस विभाग ने मामले का संज्ञान लिया। अधिकारियों का कहना है कि पुलिस मुख्यालय की ओर से भी वर्दी की गरिमा और सेवा अनुशासन बनाए रखने के संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक अब ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट्स की पहचान की जा रही है, जहां पुलिसकर्मी वर्दी में या ड्यूटी के दौरान वीडियो और रील्स पोस्ट कर रहे हैं। विभागीय स्तर पर इन अकाउंट्स की निगरानी की जा रही है और संबंधित कर्मियों का विवरण एकत्र किया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर विभागीय जांच के साथ कठोर कार्रवाई की जाएगी। अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था शिवहरी मीणा ने कहा कि सोशल मीडिया पर वर्दी में रील बनाने वाले पुलिसकर्मियों की पहचान कराई जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय नियमों की अवहेलना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी पुलिसकर्मियों को निर्देश दिया गया है कि वे वर्दी और ड्यूटी की मयार्दा का पालन करें तथा सोशल मीडिया पर अनावश्यक फोटो, वीडियो और रील्स साझा करने से बचें।

मारपीट के बाद युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया चचेरे भाइयों पर आरोप

कानपुर (एजेंसी) । सचेंडी थाना क्षेत्र में चचेरे भाइयों द्वारा मारपीट किए जाने से आहत युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करने की बात कह रही है। कानपुर में सचेंडी थाना क्षेत्र के भैरमपुर गांव निवासी युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने चचेरे भाइयों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए घटना को उसकी मौत का कारण बताया है। पुलिस ने मामले में तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की बात कही है। भैरमपुर निवासी किसान रामचंद्र उर्फ नंदू के परिवार में पत्नी सुमन, दो बेटे और चार बेटियां हैं। बड़ा बेटा सोनू पनकी क्षेत्र के बहेड़ा गांव में किराये के कमरे में रहकर एक फैक्टरी में काम करता है। कानपुर डबल मर्डरः ह्यचाकू से गोदा, सीना छलनी कियाह्ल, पिता-पुत्र के शरीर पर 11 गहरे जख्म, पोस्टमार्टम में खुलासा सोनू के अनुसार, 26 मई को उसका छोटा भाई शिवम (22) गांव की एक परचून की दुकान पर गया था। वहां पहले से मौजूद चचेरे भाई समेत तीन-चार लोगों से किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान शिवम के साथ गालीगलौज और मारपीट की गई। परिजनों का कहना है कि बीच-बचाव के बाद शिवम घर लौट आया, लेकिन आरोपी पक्ष के लोग उसके घर पहुंच गए और फिर से विवाद करने लगे। इससे आहत होकर शिवम अपने बड़े भाई सोनू के पास पनकी चला गया। अभी तक नहीं मिली है तहरीर वहां उसकी तबीयत लगातार खराब रहने लगी और वह बिस्तर से उठ भी नहीं पा रहा था। शुक्रवार को शिवम की हालत अचानक बिगड़ गई और वह दर्द से कराहने लगा। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सचेंडी थाना प्रभारी दीनानाथ मिश्रा ने बताया कि अभी तक तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच की जा रही है।

वाराणसी : बहन ने भाई पर धमकी देने का दर्ज कराया मुकदमा, संपत्ति विवाद से जुड़ा है मामला

वाराणसी (एजेंसी) । पैतृक संपत्ति को लेकर चल रहे पारिवारिक विवाद ने अब कानूनी रूप ले लिया है। भाई-बहन के बीच लंबे समय से चल रहे मतभेद के बीच एक महिला ने अपने भाई पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए भेलूपुर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र के नखास लोहटिया निवासी रीमा गुप्ता ने भेलूपुर थाने में लिखित तहरीर देकर अपने भाई बाल गोविंद गुप्ता के खिलाफ शिकायत की है। रीमा गुप्ता का मायका भेलूपुर क्षेत्र के खोजवा स्थित शंकुलधारा मोहल्ले में है। शिकायत में उन्होंने बताया कि उनकी मां और भाई के बीच पैतृक संपत्ति को लेकर लंबे समय से न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन है। महिला का आरोप है कि संपत्ति विवाद को लेकर आरोपी भाई लगातार परिवार पर अदालत में चल रहे मुकदमे को वापस लेने का दबाव बना रहा था। जब उनकी मां और परिवार के अन्य सदस्यों ने मुकदमा वापस लेने से इनकार कर दिया, तो आरोपी ने कथित रूप से फोन कर धमकी देना शुरू कर दिया। पीड़िता का कहना है कि फोन पर उन्हें और उनकी मां को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई तथा जान से मारने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का प्रयास किया गया। घटना के बाद रीमा गुप्ता ने भेलूपुर थाने पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी और सुरक्षा की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी दुर्गा सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। पुलिस कॉल डिटेल, फोन रिकॉर्डिंग और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की भी जांच करेगी, ताकि आरोपों की सत्यता का पता लगाया जा सके।

ट्रक लूटने वाले मास्टरमाइंड को उन्नाव पुलिस ने मुठभेड़ के बाद किया गिरफ्तार

उन्नाव (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में शुक्रवार देर रात पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस की गिरफ्त में आए बदमाश ने हाल ही में लूट की वारदात को अंजाम दिया था। क्षेत्राधिकारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि 26 मई को कानपुर निवासी राजेश कुमार गुप्ता द्वारा थाना अजगैन पर सूचना दी गई कि 25 मई की रात 11 बजे बजे ट्रक चालक नीरज कुमार निवासी फतेहपुर मेरे ट्रक में सामान लोड करके आशाखेड़ा थाना सोहरामऊ से कानपुर के लिए निकला था। ड्राइवर रात 12.30 बजे टोल प्लाजा से निकला, जिसे मैं ट्रक में लगे जीपीएस से ट्रैक कर रहा था। करीब 1 घंटे बाद ट्रक जीपीएस द्वारा लखनऊ की तरफ वापस जाते दिखाई दिया। इसके बाद मैं अपनी

कार से ट्रक की तलाश में निकला। वापस जाते हुए ट्रक की लोकेशन टोल प्लाजा के पास तक की ही मिली। लोकेशन पर जाकर देखा तो वहां ट्रक चालक नीरज पड़ा हुआ था और ट्रक मौके पर नहीं था। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर थाना अजगैन में मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। घटना के शीघ्र अनावरण के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह द्वारा टीमों का गठन कर सक्रिय किया गया। इस टीम ने कुशीनगर के कसया से लूटा हुआ माल और कंटेनर बरामद कर लिया। इसके साथ ही चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार आरोपी विकास ने बताया कि उसका साथी और इस लूट का मास्टरमाइंड बिहार के मोतिहारी निवासी छुट्टन दोबारा गोदरेज के वेयरहाउस लूट करने के इरादे से गया था। 29-30 मई की देर रात तीन बजे एसओजी थाना अजगैन व सर्विलांस की संयुक्त टीम को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के सामने गुरुद्वारा रोड नवाबगंज में एक संदिग्ध व्यक्ति घटना करने की फिराक में बैठा है। सूचना पर स्वॉट, सर्विलांस टीम व पुलिस टीम द्वारा उक्त व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ने का प्रयास किया गया। इस पर बदमाश ने पुलिस पर फायर कर दिया। आत्मरक्षार्थ में पुलिस द्वारा की गयी फायरिंग में बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी है, जिससे वह घायल हो गया। पूछताछ में उक्त बदमाश ने अपना नाम छुट्टन चौधरी बताया। बदमाश द्वारा थाना अजगैन में दर्ज मुकदमे से संबंधित लूट की घटना करना स्वीकार किया गया है। पुलिस द्वारा बदमाश के पास से एक तमंचा 315 बोर व दो कारतूस बरामद किए हैं। घायल बदमाश को उपचार के लिए सीएचसी नवाबगंज भेजा गया है।

औरैया : 31 मई 1857 के 'पूर्ण स्वतंत्रता दिवस' की 169वीं वर्षगांठ पर चकरनगर राजगढ़ी में होगा आयोजन

औरैया (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के जनपद औरैया/इटावा में 1857 को भारतवर्ष की पूर्ण स्वतंत्रता के उद्घोष 'ऐलान-ए-मुकम्मल आजादी' की 169वीं वर्षगांठ के अवसर पर चंबल फाउंडेशन परिवार द्वारा चकरनगर स्थित क्रांतिकारी राजा निरंजन सिंह चौहान की ऐतिहासिक राजगढ़ी में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। चंबल फाउंडेशन के अध्यक्ष शाह आलम के अनुसार, 31 मई 1857 का दिन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। किसानों, राजाओं और आम जनता के सामूहिक संघर्ष के परिणामस्वरूप ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन को चुनौती देते हुए पूर्ण स्वतंत्रता का उद्घोष किया गया था। 1857 की जनक्रांति में पूरा चंबल अंचल क्रांतिकारी राजा निरंजन सिंह चौहान के नेतृत्व में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ एकजुट हुआ था। उन्होंने पदाधिकारियों के साथ शनिवार को बताया कि 'पूर्ण स्वतंत्रता दिवस' की वर्षगांठ पर आयोजित होने वाला 'चंबल मिशन' कार्यक्रम रविवार प्रातः 10 बजे से

चकरनगर स्थित राजगढ़ी परिसर में शुरू होगा। कार्यक्रम में 1857 के ज्ञात-अज्ञात शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस अवसर पर चंबल फाउंडेशन परिवार सरकार के समक्ष अपनी 14 सूत्रीय मांगों को भी प्रमुखता से रखेगा। इनमें चंबल शौर्य स्मारक का निर्माण, चंबल केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना, स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर संस्थानों का नामकरण, क्रांतिवीरों पर पुस्तक एवं डॉक्यूमेंट्री निर्माण, शैक्षिक पाठ्यक्रम में शामिल करना, पर्यटन विकास, स्मारक डाक टिकट जारी करना, सेनानी परिवारों को सम्मान एवं सुविधाएं प्रदान करना तथा चंबल क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़ी मांगें शामिल हैं। चंबल फाउंडेशन ने प्रदेश एवं केंद्र सरकार से मांग की है कि चंबल के गुमनाम क्रांतिकारियों के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर उचित सम्मान दिया जाए तथा चंबल को अपराध की नहीं बल्कि क्रांति, बलिदान और शौर्य की धरती के रूप में स्थापित किया जाए। संगठन ने क्षेत्र के नागरिकों, इतिहासकारों, सामाजिक कार्यकताओं, युवाओं एवं जनप्रतिनिधियों से कार्यक्रम में सहभागिता कर 1857 के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है।

श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर रामलीला का आयोजन

औरैया (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के सदर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम असेवा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन शनिवार को भव्य रामलीला का आयोजन किया गया। सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलने वाले इस धार्मिक कार्यक्रम में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ग्रामीण शामिल हुए। रामलीला मंचन के दौरान धार्मिक वातावरण से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। रामलीला के कलाकार जनपद जालौन से विशेष रूप से आमंत्रित किए गए थे। कलाकारों ने भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का सजीव मंचन किया, जिसे उपस्थित श्रद्धालुओं ने अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ देखा। कार्यक्रम में विशेष रूप से मिथिला में भगवान राम और माता सीता के विवाह के उपरांत धनुष भंग प्रसंग का प्रभावशाली मंचन किया गया। कलाकारों की भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जालौन जनपद स्थित करण खेड़ा मंदिर के महंत लला महाराज ने फीता काटकर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में नैतिक मूल्यों, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से भारतीय संस्कृति और

धार्मिक परंपराओं से जुड़ने का आह्वान किया। रामलीला के दौरान सुरक्षा और व्यवस्थाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया। आयोजकों ने श्रद्धालुओं के बैठने और पेयजल की समुचित व्यवस्था की थी। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए ऐसे धार्मिक आयोजनों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह सेंगर, शकर सिंह सेंगर, अरुण सेंगर,पप्पू सेंगर, बिमल सेंगर, मुरादगंज से पधारे सर्वेश सविता, ओमकार शर्मा, रामपुर के प्रताप सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा असेवटा, बबाइन, कथौली, सेंगनपुर तथा आसपास के कई गांवों से आए श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

अकीदतमंदों ने मौलाना कल्बे जवाद , चेयरमैन अली जैदी व मौलाना शबाब नकवी का किया शुक्रिया अदा

नजीबाबाद। दरगाह-ए-आलिया नजफ-ए-हिन्द,जोगीपुरा (बिजनौर) में 21 मई से 24 मई तक आयोजित सालाना धार्मिक कार्यक्रम एवं मजलिसें इस वर्ष अत्यंत भव्य, अनुशासित और रूहानी माहौल में सम्पन्न हुईं। चार दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों और दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान जायरीन के लिए की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सभी ने खुलकर प्रशंसा की। यह धार्मिक आयोजन शिया

सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी एवं शिया धर्मगुरु सैयद मौलाना कल्बे जव्वाद नकवी की सरपरस्ती में सम्पन्न हुआ। उनकी रहनुमाई और सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। दरगाह के एडमिनिस्ट्रेटर मौलाना सैयद शबाब नकवी सिरसिवी की देखरेख में साफ-सफाई, रोशनी, पेयजल, सुरक्षा व्यवस्था, लंगर तथा जायरीन के ठहरने सहित सभी आवश्यक सुविधाओं का बेहतरीन प्रबंध किया गया। देश और विदेश से ऑनलाइन कार्यक्रम देखने वाले मोमेनीन ने भी मौलाना शबाब नकवी सिरसिवी के समर्पण, मेहनत और कुशल प्रबंधन की सराहना की। लोगों का कहना है कि उनके नेतृत्व में दरगाह के सालाना कार्यक्रमों की व्यवस्थाएं लगातार बेहतर हो रही हैं, जिसके कारण हर वर्ष अकीदतमंदों की संख्या में वृद्धि हो रही है। स्थानीय लोगों ने मौलाना शबाब नकवी की सादगी, अच्छे अखलाक और खिदमत के जज्बे की प्रशंसा करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के समापन पर अकीदतमंदों ने दरगाह की तरक्की, अमन-ओ-अमान और खुशहाली के लिए दुआएं कीं तथा सभी जिम्मेदार लोगों का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में लगेंगी 19 नई फैक्ट्रियां, हजारों लोगों को मिलेगा रोजगार

पटना (एजेंसी) बिहार में अल्ट्राटेक सीमेंट समेत 19 नई फैक्ट्रियां लगाने को मंजूरी मिली है. इन परियोजनाओं पर 928 करोड़ रुपए का निवेश होगा, जिससे करीब 2200 लोगों को रोजगार मिलेगा. वहीं दरभंगा में मखाना प्रोसेसिंग यूनिट भी स्थापित की जाएगी. बिहार में उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में बड़ी पहल होने जा रही है. राज्य में अल्ट्राटेक सीमेंट, सोमायन रेमेडीज समेत 19 नई फैक्ट्रियां स्थापित की जाएंगी. इन परियोजनाओं पर करीब 928 करोड़ रुपए का निवेश होगा, जिससे लगभग 2200 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है. उद्योग विभाग की बैठक में मिली मंजूरी शुक्रवार को उद्योग विभाग में राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड की अहम बैठक आयोजित की गई. करीब तीन घंटे तक चली इस बैठक में 17 औद्योगिक योजनाओं को स्टेज-1 और स्टेज-2 की स्वीकृति दी गई. बैठक की अध्यक्षता उद्योग निदेशक मुकुल कुमार गुप्ता ने की. कई बड़ी कंपनियां करेंगी निवेश बैठक में जिन कंपनियों की परियोजनाओं को मंजूरी मिली, उनमें अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड (बांका सीमेंट वर्क्स यूनिट), ग्रीन एक्सेल प्राइवेट लिमिटेड, सोमायन रेमेडीज प्राइवेट लिमिटेड, बजरंगबली पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड, बीकेएसएस एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, अशर्फी देवी कोल्ड स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड और टॉप टेन एंटरप्राइजेज सहित कई अन्य कंपनियां शामिल हैं. दरभंगा में लगेगी मखाना प्रोसेसिंग यूनिट दरभंगा के डोनार इलाके में मखाना प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित की जाएगी. यह यूनिट मखायो फूड्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगाई जाएगी. इसके निर्माण पर 27.44 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे और करीब 300 लोगों को रोजगार मिलेगा. 5 हजार किसानों को होगा फायदा करीब 2.20 एकड़ जमीन में बनने वाली इस यूनिट में आधुनिक तरीके से मखाना प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और वैल्यू एडिशन का काम होगा. इससे लगभग 5 हजार किसानों को सीधा लाभ मिलने की संभावना है. साथ ही मखाना उत्पादन और इसके कारोबार को भी बढ़ावा मिलेगा. निवेशकों के लिए बेहतर माहौल बना रही सरकार उद्योग सचिव कुंदन कुमार ने कहा कि बिहार सरकार निवेशकों को बेहतर सुविधाएं और अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है. सरकार का उद्देश्य राज्य में अधिक से अधिक उद्योग स्थापित कर रोजगार के नए अवसर पैदा करना है. बिहार में बढ़ेगा उद्योग, युवाओं को मिलेगा रोजगार नई फैक्ट्रियों के शुरू होने से बिहार में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी. इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे और राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी. खासकर युवाओं के लिए यह निवेश नई संभावनाओं के दरवाजे खोल सकता है.

डाक विभाग ने लॉन्च किया माई एम्प्लॉयी ऐप, अब मोबाइल से होंगे HR के सभी डिजिटल काम

पटना (एजेंसी) डाक विभाग ने अपने कर्मचारियों और ग्रामीण डाक सेवकों के लिए माई एम्प्लॉयी ऐप लॉन्च किया है. इस ऐप के जरिए अब एचआर से जुड़े कई काम जैसे उपस्थिति, छुट्टी और वेतन पर्ची मोबाइल से ही किए जा सकेंगे. (सुबोध कुमार नंदन की रिपोर्ट) डाक विभाग ने अपने कर्मचारियों और ग्रामीण डाक सेवकों के लिए एक बड़ा डिजिटल कदम उठाते हुए माई एम्प्लॉयी ऐप लॉन्च किया है. इस ऐप के जरिए अब एचआर से जुड़े अधिकांश काम मोबाइल से ही किए जा सकेंगे. यह ऐप सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन पोस्टल टेक्नोलॉजी द्वारा विकसित किया गया है. इसे कर्मचारियों को सेल्फ सर्विस मोड में विभिन्न मानव संसाधन सेवाओं को आसानी से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है. एंड्रॉयड पर पर जल्द होगा लॉन्च डाक विभाग के अनुसार, ऐप को प्रोडक्शन मोड में लागू कर दिया गया है. यह फिलहाल गूगल प्ले स्टोर पर एंड्रॉयड उपयोगकताओं के लिए उपलब्ध है, जबकि डर यूजर्स के लिए यह 8 जून 2026 से ऐपल स्टोर पर उपलब्ध होगा. कई सुविधाएं अब एक क्लिक पर इस ऐप के माध्यम से कर्मचारी उपस्थिति दर्ज करने, अवकाश प्रबंधन, प्रोफाइल अपडेट, वेतन पर्ची, स्थानांतरण अनुरोध, आयकर घोषणा, प्रतिपूर्ति दावे और शिकायत निवारण जैसी सेवाओं का लाभ ले सकेंगे. प्रदर्शन और प्रशिक्षण से जुड़ी सुविधाएं भी शामिल ऐप में जीपीएफ प्रबंधन, प्रदर्शन मूल्यांकन, प्रशिक्षण और विकास तथा रियल-टाइम नोटिफिकेशन जैसी आधुनिक सुविधाएं भी शामिल की गई हैं, जिससे कार्य प्रणाली और अधिक सरल होगी. की दिशा में बड़ा कदम डाक विभाग का कहना है कि यह ऐप पारंपरिक कागजी प्रक्रियाओं को खत्म कर डिजिटल और पारदर्शी व्यवस्था को बढ़ावा देगा. इसके साथ एक भी तैयार किया गया है जिससे कर्मचारियों के कार्य निष्पादन की निगरानी और बेहतर तरीके से की जा सकेगी. अधिकारियों ने प्रशिक्षण पर दिया जोर वरिष्ठ अधिकारी सुप्रियो घोष ने सभी अधिकारियों से कर्मचारियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर ध्यान देने की अपील की है ताकि अधिक से अधिक लोग इस डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर सकें.

बिहार से होकर गुजरेगा 610 किलोमीटर का एक्सप्रेसवे, 12 घंटे का सफर होगा 6 घंटे में

पटना (एजेंसी) वाराणसी-कोलकाता ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बिहार के लिए बड़ी सौगात साबित हो सकता है. 610 किलोमीटर लंबी इस परियोजना से राज्य के कई जिलों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी. यात्रा का समय घटेगा, कारोबार को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे. परियोजना को 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है. बिहार को जल्द ही एक बड़ी सड़क परियोजना की सौगात मिलने वाली है. वाराणसी से कोलकाता तक बनने वाले 610 किलोमीटर लंबे ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का सबसे बड़ा लाभ बिहार को मिलने की उम्मीद है. यह हाईस्पीड कॉरिडोर राज्य के 9 महत्वपूर्ण जिलों को उत्तर प्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल से बेहतर तरीके से जोड़ेगा. इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद दक्षिण बिहार के कई जिलों की तस्वीर बदल सकती है. कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद और गया जैसे जिलों से वाराणसी और कोलकाता तक की यात्रा पहले के मुकाबले काफी आसान और तेज हो जाएगी. रोजगार और निवेश को मिलेगा बढ़ावा करीब 35 हजार करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा यह एक्सप्रेसवे सिर्फ एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि बिहार के लिए बड़ा आर्थिक गलियारा साबित हो सकता है. जिन इलाकों से यह सड़क गुजरेगी, वहां उद्योग, वेयरहाउस, होटल, ट्रांसपोर्ट और अन्य व्यवसायों के बढ़ने की संभावना है. विशेषज्ञों का मानना है कि इस परियोजना से दक्षिण बिहार में निवेश के नए अवसर पैदा होंगे. साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुल सकते हैं. गया और औरंगाबाद जैसे जिले भविष्य में लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित हो सकते हैं. आधे समय में पूरा होगा सफर वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे बनने के बाद यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा. फिलहाल वाराणसी से कोलकाता पहुंचने में करीब 12 से 14 घंटे लगते हैं. एक्सप्रेसवे चालू होने के बाद यही दूरी लगभग 6 घंटे में तय की जा सकेगी. इसका सीधा फायदा व्यापारियों, ट्रांसपोर्ट कंपनियों और आम यात्रियों को मिलेगा. माल ढुलाई तेज होगी और परिवहन लागत में भी कमी आने की संभावना है. बिहार के इन जिलों से गुजरेगा एक्सप्रेसवे यह एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के वाराणसी रिंग रोड के पास बरहौली गांव से शुरू होगा. इसके बाद यह बिहार के कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद और गया जिलों से होकर आगे बढ़ेगा और झारखंड में प्रवेश करेगा. झारखंड में यह चतरा, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो और पीटरबार क्षेत्रों को जोड़ेगा. इसके बाद सड़क पश्चिम बंगाल के पुरुलिया, बांकुड़ा, हुगली और हावड़ा से होते हुए कोलकाता तक पहुंचेगी. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें पर्यावरण मंजूरी के बाद बढ़ेगी रफ्तार इस परियोजना के झारखंड और पश्चिम बंगाल वाले हिस्से में पर्यावरण संबंधी मंजूरी नहीं मिलने के कारण काम धीमा था.

बिहार की नई MSME नीति: छोटे उद्योगों को मिलेगा लोन, अनुदान और रोजगार का बड़ा मौका

पटना (एजेंसी) बिहार में छोटे उद्योगों के लिए अच्छी खबर है. राज्य सरकार नई टरटए नीति लाने जा रही है, जिससे लघु इकाइयों को लोन, अनुदान, तकनीकी सहायता और बाजार तक पहुंच मिलेगी, वहीं रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे. बिहार में कम पूंजी लगाकर उद्योग शुरू करने वालों के लिए अच्छी खबर है. राज्य सरकार जल्द ही नई टरटए (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) नीति लाने जा रही है. इस नीति का मकसद छोटे उद्योगों को आर्थिक और तकनीकी मदद देकर उन्हें मजबूत बनाना है. नई नीति लागू होने के बाद छोटी औद्योगिक इकाइयों को वित्तीय सहायता, आसान लोन और बाजार तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी. आठ लाख से ज्यादा इकाइयों को होगा फायदा राज्य में फिलहाल करीब आठ लाख सूक्ष्म, लघु और मध्यम औद्योगिक इकाइयां काम कर रही हैं. वहीं मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत हर साल नौ

हजार से अधिक नए उद्यमी भी तैयार किए जा रहे हैं. बिहार में कृषि आधारित उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र, हस्तकरघा और डेयरी क्षेत्र की इकाइयों की संख्या सबसे ज्यादा है. क्यों महसूस हुई नई नीति की जरूरत अब तक कुछ चुनिंदा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग नीतियां बनी हुई हैं, लेकिन बड़ी संख्या में छोटे उद्योगों को पर्याप्त सरकारी सहायता नहीं मिल पाती है. पूंजी की कमी, तकनीकी पिछड़ापन और बाजार में प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के कारण कई इकाइयां आगे नहीं बढ़ पातीं. यही वजह है कि उद्योग विभाग ने नई MSME नीति तैयार करने का फैसला लिया है. केंद्र की योजनाओं का भी मिलेगा लाभ उद्योग विभाग का उद्देश्य केंद्र सरकार की टरटए योजनाओं का अधिकतम फायदा राज्य की इकाइयों तक पहुंचाना है. केंद्र सरकार की ओर से पूंजीगत अनुदान और रियायती ब्याज दरों पर लोन दिए जा रहे हैं. कई राज्यों ने अपनी नीति बनाकर इसका लाभ उठाया है. अब बिहार भी इसी दिशा में कदम बढ़ा रहा है. किन क्षेत्रों को मिलेगी मदद? नई नीति के तहत खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, आटा-बेसन और सत्तू मिल, मसाला उद्योग, बेकरी, पशु आहार, मुर्गी दाना, हस्तशिल्प, वस्त्र एवं रेडिमेड परिधान, हस्तकरघा, चप्पल-जूता निर्माण, खिलौना उद्योग, फर्नीचर और सेवा क्षेत्र की इकाइयों को प्रोत्साहन मिलेगा. क्या होंगे बड़े फायदे? नई नीति के तहत उद्योगों को पूंजीगत अनुदान, तकनीकी सहायता, रियायती लोन, ऊर्जा और अन्य शुल्कों में राहत मिल सकती है. साथ ही उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने में भी मदद दी जाएगी. सरकार का मानना है कि इससे छोटे उद्योग मजबूत होंगे और राज्य में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे.

पटना के 42 मोहल्लों में रविवार को चार घंटे बिजली गुल, पानी आपूर्ति भी होगी प्रभावित

पटना (एजेंसी) पटना में रविवार सुबह 5 बजे से 9 बजे तक गायघाट एवं कटरा ग्रिड की ट्रांसमिशन लाइन में मेंटेनेंस कार्य के कारण 42 मोहल्लों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी. बिजली नहीं रहने से जलापूर्ति व्यवस्था भी प्रभावित होगी और कई इलाकों में पानी की किल्लत हो सकती है. लोगों को सलाह दी गई है कि वे पहले से अपनी पानी की टंकियां भरकर आवश्यक तैयारी कर लें. पटना राजधानी पटना के लोगों को रविवार सुबह चार घंटे तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा. गायघाट एवं कटरा ग्रिड की 220/132 केवी ट्रांसमिशन लाइन में निर्धारित मेंटेनेंस कार्य के कारण रविवार सुबह जिससे कई इलाकों में पानी की सप्लाई प्रभावित हो सकती है. जिन घरों में निजी बोरिंग की सुविधा है, वहां भी बिजली नहीं होने के कारण मोटर नहीं चल पाएगी. लोगों को पहले से पानी संग्रह करने की सलाह बिजली विभाग और जलापूर्ति व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों ने लोगों को सलाह दी है कि वे शनिवार रात या रविवार सुबह पहले से अपनी पानी की टंकियां भर लें. विशेष रूप से अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है, क्योंकि अधिकांश अपार्टमेंट की पानी की टंकियां सीमित क्षमता की होती हैं और चार घंटे तक की जरूरत पूरी करने में सक्षम नहीं होतीं. ऐसे में पानी की किल्लत से बचने के लिए पहले से पर्याप्त मात्रा में पानी संग्रह कर लेना बेहतर होगा. इन मोहल्लों में रहेगी बिजली आपूर्ति बाधित मेंटेनेंस कार्य के दौरान गायघाट, राजाघाट, त्रिपोलिया, सुल्तानगंज, आलमगंज, गुड़ की मंडी, शेरशाह रोड, बड़ी पटन देवी, महाराजगंज, पश्चिम दरवाजा, सिटी चौक, मीना बाजार, महेशपुर, राजकीय कन्या विद्यालय क्षेत्र, सेल टैक्स कार्यालय क्षेत्र, पत्थर की मस्जिद, बिस्कोमान कॉलोनी, वाचस्पति नगर, जय महावीर कॉलोनी, संदलपुर, अजीमाबाद कॉलोनी, आदिवासी कॉलोनी, मछुआ टोली, सैदपुर, मुसल्लहपुर हाट, बाजार समिति, भिखना पहाड़ी, रामपुर नहर रोड, गुरहट्टा, नून का चौराहा, झाऊगंज, पादरी की हवेली, खाजेकलां, काली स्थान सिटी, स्टेशन रोड, पटना सिटी, कटरा, मालसलामी, मारूफगंज और मंगल तालाब समेत कुल 42 मोहल्लों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी.

पटना के दानापुर स्टेशन पर मची अफरा-तफरी, पुणे एक्सप्रेस में यात्री ने की खुदखुशी

पटना (एजेंसी) पटना के दानापुर रेलवे स्टेशन पर डाउन दानापुर-पुणे एक्सप्रेस में एक यात्री का शव मिलने से हड़कंप मच गया. प्रारंभिक आशंका है कि यात्री ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है. सूचना मिलते ही आरपीएफ और जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी. पटना राजधानी पटना के दानापुर रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को उस समय अफरातफरी का माहौल बन गया, जब डाउन दानापुर-पुणे एक्सप्रेस में एक यात्री का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यात्री ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी. ट्रेन के दानापुर पहुंचते ही मिली जानकारी बताया जा रहा है कि डाउन दानापुर-पुणे एक्सप्रेस जैसे ही दानापुर स्टेशन पहुंची, ट्रेन में मौजूद यात्रियों और रेलकर्मियों ने एक यात्री को फांसी के फंदे से लटका देखा. इसकी सूचना तत्काल रेलवे अधिकारियों को दी गई. सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी. युवक ने ट्रेन में किया सुसाइड पुणे स्पेशल ट्रेन के जेनरल बोगी में युवक ने अपने बेल्ट से ऊपर वाले सीट में फंसा कर सुसाइड कर लिया है. घटना की जानकारी तब हुई जब सुबह में आरपीएफ की टीम चेकिंग कर रही थी. इसी दौरान गार्ड बोगी के बगल वाले जेनरल डब्बे का गेट अंदर से बंद था. आरपीएफ की टीम जब दूसरे गेट से जाकर अंदर देखा तो 35 वर्षीय युवक अपने ही बेल्ट से ऊपर वाले सीट में फंसाकर लटका हुआ है. दानापुर के आरपीएफ सीनियर कमांडेंट ने बताया कि यह स्पेशल ट्रेन है. सुबह तीन बजे दानापुर पहुंचनी थी, लेकिन लेट होने के कारण 11 बजे पहुंची और फिर से साफ-सफाई होने के बाद जानी थी. इसी दौरान जब आरपीएफ व अन्य कर्मचारियों ने जांच की तो युवक का शव फंदे से लटका हुआ मिला है

बिहार में रोड सेफ्टी को लेकर बड़ा फैसला, हर सड़क पर लगेंगे साइनेज और गाइड पोस्ट, जानिए क्या है सरकार की नई पॉलिसी

पटना (एजेंसी) बिहार में सड़कों की मरम्मत के साथ अब सुरक्षा पर भी खास जोर दिया जाएगा. नई रोड मेंटेनेंस पॉलिसी के तहत सड़कों पर साइनेज, गाइड पोस्ट, चेतावनी बोर्ड और अन्य सुरक्षा सुविधाएं अनिवार्य रूप से लगाई जाएंगी. बिहार में अब सड़कों की सिर्फ मरम्मत ही नहीं होगी, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी जाएगी. पथ निर्माण विभाग ने सड़क रखरखाव के लिए नया बिडिंग डॉक्यूमेंट जारी किया है, जिसमें सड़क सुरक्षा से जुड़े कई अहम प्रावधान शामिल किए गए हैं. नई व्यवस्था के तहत सड़कों की देखरेख करने वाली एजेंसियों को सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा. सड़क किनारे लगेंगे रिफ्लेक्टिव साइनेज नई नीति के अनुसार सड़क मेंटेनेंस का काम करने वाली एजेंसी को सड़क किनारे

रिफ्लेक्टिव साइनेज लगाने होंगे. ये ऐसे संकेतक होंगे जो रात में भी साफ दिखाई देंगे और वाहन चालकों को दिशा व जरूरी जानकारी देंगे. सिर्फ नए साइनेज लगाना ही नहीं, बल्कि पहले से लगे साइनेज की देखभाल और उनकी गुणवत्ता बनाए रखने की जिम्मेदारी भी एजेंसी की होगी. माइल स्टोन भी होंगे बेहतर सड़कों पर दूरी बताने वाले किलोमीटर माइल स्टोन को लेकर भी नए निर्देश जारी किए गए हैं. जहां जरूरत होगी वहां नए माइल स्टोन लगाए जाएंगे और पुराने माइल स्टोन की मरम्मत की जाएगी. इन सभी माइल स्टोन को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के तय मानकों के अनुसार तैयार किया जाएगा, ताकि यात्रियों को सही दूरी की जानकारी मिल सके. खतरनाक जगहों पर लगेगा चेतावनी बोर्ड सड़क हादसों को कम करने के लिए विभाग ने खतरनाक स्थानों पर चेतावनी संकेतक लगाना अनिवार्य किया है. पुल, पुलिया, तीखे मोड़, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर पहले से ही खतरे की जानकारी देने वाले बोर्ड लगाए जाएंगे. जहां जरूरत होगी वहां स्पीड ब्रेकर और उससे जुड़े चेतावनी संकेत भी लगाए जाएंगे. चौराहों पर मिलेंगे दिशा बताने वाले गाइड पोस्ट नई व्यवस्था के तहत चौराहों और जंक्शन पर गाइड पोस्ट लगाना भी जरूरी होगा. इन गाइड पोस्ट के जरिए यात्रियों को यह जानकारी मिलेगी कि किस दिशा में कौन-सा शहर, कस्बा या गांव स्थित है और उसकी दूरी कितनी है. इससे लोगों को रास्ता ढूंढने में आसानी होगी और भ्रम की स्थिति कम होगी. एजेंसियों की बढ़ेगी जवाबदेही पथ निर्माण विभाग ने साफ कर दिया है

पुणे स्पेशल ट्रेन की जनरल बोगी में युवक का शव मिलने से सनसनी, बेल्ट के सहारे लटका मिला शव

पटना (एजेंसी) पटना के दानापुर स्टेशन पर पुणे स्पेशल ट्रेन की जनरल बोगी में 35 वर्षीय युवक का शव बेल्ट से लटका मिला. पहचान नहीं हो सकी है. जीआरपी, आरपीएफ और एफएसएल जांच में जुटी हैं. (शुभम कुमार की रिपोर्ट) दानापुर रेलवे स्टेशन पर खड़ी पुणे स्पेशल ट्रेन की जनरल बोगी में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई. युवक का शव उसकी ही बेल्ट के सहारे ऊपरी सीट से लटका हुआ मिला. घटना की जानकारी उस समय हुई जब शनिवार सुबह आरपीएफ की टीम ट्रेन की नियमित जांच कर रही थी. जानकारी के अनुसार, गार्ड बोगी से सटे जनरल डिब्बे का एक दरवाजा अंदर से बंद था. संदेह होने पर आरपीएफ जवान दूसरे दरवाजे से बोगी के अंदर पहुंचे. वहां करीब 35 वर्षीय युवक बेल्ट के सहारे ऊपरी बर्थ से लटका हुआ मिला. इसके बाद

रेलवे अधिकारियों और पुलिस को सूचना दी गई. दानापुर आरपीएफ के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त ने बताया कि यह पुणे स्पेशल ट्रेन निर्धारित समय से काफी विलंब से दानापुर पहुंची थी. ट्रेन सुबह तीन बजे पहुंचने वाली थी, लेकिन करीब 11 बजे स्टेशन पहुंची. इसके बाद ट्रेन की सफाई और जांच की प्रक्रिया चल रही थी, तभी यह मामला सामने आया. एफएसएल टीम जुटी जांच में घटना की सूचना मिलने के बाद एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम मौके पर पहुंची और बोगी की गहन जांच शुरू कर दी. अधिकारियों के अनुसार युवक के पास से कोई पहचान पत्र या ऐसा दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे उसकी पहचान की जा सके। शव की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है. वहीं, दानापुर जीआरपी थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है. पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है. रेल एसपी ने क्या कहा? रेल एसपी अनंत कुमार राय ने बताया कि पुणे स्पेशल ट्रेन की जनरल बोगी में एक युवक का शव बेल्ट के सहारे लटका हुआ मिला है. अभी तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है. जीआरपी, आरपीएफ और एफएसएल की टीमें मामले की जांच कर रही हैं. जांच के बाद ही घटना के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा.

जमीन के पुराने कागजात खोजने की टेंशन खत्म, बिहार सरकार का बड़ा फैसला, अब ऑनलाइन मिलेगी स्कैन कॉपी

पटना (एजेंसी) बिहार में जमीन के पुराने दस्तावेज हासिल करना अब आसान होगा. भू-अभिलेख पोर्टल पर उपलब्ध नहीं होने वाले रिकॉर्ड की स्कैन कॉपी भी अब ऑनलाइन मिलेगी, जिससे लोगों को दफ्तरों और दलालों के चक्कर से राहत मिलेगी. बिहार में जमीन से जुड़े पुराने और जरूरी दस्तावेजों के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने वाले लोगों को अब बड़ी राहत मिलने वाली है. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने ऐसी व्यवस्था शुरू करने का फैसला लिया है, जिसके तहत पोर्टल पर उपलब्ध नहीं होने वाले पुराने दस्तावेजों की स्कैन कॉपी भी ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएगी. सभी जिलाधिकारियों को जारी हुआ निर्देश राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की उप निदेशक मोना झा ने इस संबंध में राज्य के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं. साथ ही पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) भी लागू की गई है. जनवरी से बंद थी दस्तावेज देने की व्यवस्था जानकारी के अनुसार, जनवरी 2026 से जिला अभिलेखागार (रिकॉर्ड रूम) से जमीन के दस्तावेजों की फिजिकल और स्कैन कॉपी देने पर रोक लगा दी गई थी. सरकार चाहती थी कि सभी रिकॉर्ड एक केंद्रीकृत ऑनलाइन प्रणाली के जरिए उपलब्ध कराए जाएं. हालांकि, बाद में यह समस्या सामने आई कि कई पुराने और महत्वपूर्ण दस्तावेज भू-अभिलेख पोर्टल पर सर्च करने के बावजूद उपलब्ध नहीं हो रहे थे. इससे जमीन मालिकों और आवेदकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. अब पोर्टल पर जोड़ा जाएगा नया फीचर लोगों की परेशानी को देखते हुए सरकार ने व्यवस्था में बदलाव किया है. अब ह्यभू-अभिलेख पोर्टलह्न पर एक नया फीचर जोड़ा जाएगा, जिसके माध्यम से आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे. इसके लिए किसी कार्यालय में जाने की जरूरत नहीं होगी. पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से पूरी की जाएगी. आवेदन मिलते ही अधिकारी करेंगे कार्रवाई आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित क्षेत्र के अभिलेख प्रभारी या अंचल अधिकारी रिकॉर्ड रूम से संबंधित दस्तावेज निकालेंगे. इसके बाद दस्तावेज को स्कैन कर पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा. दस्तावेज अपलोड होते ही आवेदक को उसके डैशबोर्ड पर डिजिटल सर्टिफाइड कॉपी उपलब्ध करा दी जाएगी. डिजिटाइज बता दें कि पिछले वर्ष बिहार के सभी जिला अभिलेखागारों में करोड़ों पुराने राजस्व दस्तावेजों को स्कैन कर डिजिटल रूप में सुरक्षित करने का अभियान चलाया गया था. हालांकि रिकॉर्ड की बड़ी संख्या और तकनीकी कारणों से कई दस्तावेज अब तक ऑनलाइन सिस्टम में शामिल नहीं हो पाए थे. दलालों से मिलेगी राहत, घर बैठे मिलेगा रिकॉर्ड सरकार के इस नए फैसले से लोगों को बिचौलियों और दलालों के चक्कर से मुक्ति मिलेगी. साथ ही जमीन से जुड़े पुराने रिकॉर्ड हासिल करने की प्रक्रिया पहले से अधिक आसान और पारदर्शी हो जाएगी.

अगर आवास खाली नहीं करेंगी राबड़ी देवी तो सम्राट सरकार के पास और क्या-क्या उपाय है, जानिए

पटना (एजेंसी) बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी को पटना स्थित 10 सर्कुलर रोड वाला आवास खाली करने का आदेश जारी किया गया है. इस आदेश के जारी होने के बाद राबड़ी देवी ने कहा कि सम्राट सरकार चाहे तो फोर्स बुला ले. बिहार में 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है. पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के इस बयान के बाद कि वह किसी भी कीमत पर आवास खाली नहीं करेंगी और जरूरत पड़े तो सरकार फोर्स बुला ले वाला मामला अब सिर्फ सरकारी नोटिस तक सीमित नहीं रह गया है. आवास खाली कराने को लेकर सरकार के पास क्या हैं विकल्प? सरकारी नियमों के मुताबिक किसी भी

सरकारी आवास का आवंटन समाप्त होने या नए आवंटन की स्थिति में उसे खाली कराना एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया होती है. यदि तय समय के बाद भी आवास खाली नहीं किया जाता है तो संबंधित व्यक्ति को अनधिकृत कब्जा करने वाला माना जा सकता है. इसके बाद विभागीय स्तर पर आगे की कार्रवाई शुरू होती है. आमतौर पर पहले नोटिस जारी किया जाता है. इसके बाद जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर बेदखली और जुर्माने जैसी कार्रवाई की जा सकती है. हालांकि 10 सर्कुलर रोड का मामला अब सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया से कहीं आगे निकल चुका है, क्योंकि इसमें राज्य की दो प्रमुख पार्टी आमने-सामने है. बेदखली कानून के तहत हो सकती है कार्रवाई जानकारों के अनुसार यदि सरकार कानूनी रास्ता अपनाती है तो बिहार सरकारी परिसरों से जुड़े नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकती है. सबसे पहले संबंधित व्यक्ति को कारण बताओ नोटिस दिया जाता है और पूछा जाता है कि उन्हें आवास से बेदखल क्यों न किया जाए. यदि जवाब संतोषजनक नहीं होता है तो सक्षम प्राधिकारी जिला प्रशासन की मदद से आवास खाली कराने का आदेश जारी कर सकता है. इसके अलावा तय समय के बाद सरकारी आवास में रहने की अवधि के लिए जुमार्ना भी लगाया जा सकता है. यह राशि बाजार दर के आधार पर तय की जा सकती है. सरकार के सामने क्या चुनौती कानूनी पहलू के साथ-साथ इस मामले का राजनीतिक पक्ष भी काफी अहम माना जा रहा है. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सरकार को हर कदम बहुत सोच-समझकर उठाना होगा. अगर सरकार तुरंत सख्त कार्रवाई करती है तो विपक्ष इसे राजनीतिक प्रताड़ना का मुद्दा बना सकता है. ऐसी स्थिति में राबड़ी देवी को सहानुभूति मिलने की संभावना भी जताई जा रही है. दूसरी ओर यदि सरकार लंबे समय तक कोई ठोस कदम नहीं उठाती है तो विपक्ष इसे सरकार की कमजोरी बताने की कोशिश कर सकता है. ऐसे में सरकार के लिए संतुलन बनाना आसान नहीं होगा. बातचीत का रास्ता भी खुला राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सरकार चाहे तो बातचीत के जरिए भी समाधान निकालने की कोशिश कर सकती है. किसी वैकल्पिक व्यवस्था या आपसी सहमति के आधार पर विवाद को खत्म करने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है. अब तक दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर कायम नजर आ रहे हैं. कोर्ट तक पहुंच सकता है मामला माना जा रहा है कि यदि विवाद और बढ़ता है तो मामला अदालत तक भी पहुंच सकता है. आरजेडी इस मुद्दे पर कानूनी राहत लेने की कोशिश कर सकती है. यदि अदालत से किसी तरह की राहत मिलती है तो राबड़ी देवी को कुछ समय की मोहलत मिल सकती है.

आजकल के आधुनिक युग में बच्चों पर भी पढ़ाई का बोझ बढ़ता जा रहा है जिससे वे भी मानसिक तनाव का शिकार हो रहे हैं। बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। वे अपनी भावनाओं और अनुभवों को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते। खासकर जब वे दुख, डर या असहज महसूस करते हैं तो वे इसे साफ शब्दों में नहीं बता पाते। इसका कारण यह है कि कई बार बच्चे मानसिक तनाव या डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

पढ़ाई के बोझ के कारण बच्चों को हो रहा मानसिक तनाव

लक्षण

मानसिक तनाव के कारण बच्चों के व्यवहार में कई तरह के बदलाव दिखाई देते हैं। जब बच्चे परेशान होते हैं तो वे चिड़चिड़े हो सकते हैं या चुप्पी साध सकते हैं। यह बदलाव अचानक आ सकता है। एक बच्चा जो हमेशा समय पर खाना खाता था, अचानक खाना खाने से मना कर सकता है। या वह खेल जिसमें वह रुचि रखता था, उसमें अब उसका मन नहीं लगेगा। ऐसे व्यवहार को केवल नखरे समझना सही नहीं है। यह मानसिक तनाव का संकेत हो सकता है।

स्वभाव में बदलाव

अगर कोई बच्चा पहले बहुत मिलनसार था और हर किसी से बात करता था, लेकिन अचानक वह चुप हो जाए या किसी से बात करना बंद कर दे, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। इसके विपरीत, यदि कोई बच्चा जो पहले शांत रहता था, अचानक बहुत ज़्यादा बोलने लगे, तो यह भी मानसिक दबाव का संकेत हो सकता है।

इस प्रकार करें सहायता

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों की भावनाओं और मानसिक स्थिति पर ध्यान दें। बच्चों के दोस्तों को जानना जरूरी है। न तो बच्चों के दोस्तों को लेकर ज़्यादा टोकाटाकी करें और न ही हर बात में हस्तक्षेप। बस यह जानने की कोशिश करें कि आपके बच्चे किन दोस्तों के साथ समय बिताते हैं। समय-समय पर बच्चों के दोस्तों को घर बुलाएं। इससे आपको पता चलेगा कि वे किस प्रकार के प्रभाव में हैं और क्या उनके दोस्त उनके लिए सकारात्मक हैं।

बच्चों से बात करें

घर पर खाली समय में, खासकर डिनर के दौरान बच्चों से बात करें। यह समय बहुत उपयोगी होता है जब माता-पिता अपने दिन की बातें बच्चों से साझा करते हैं। इससे बच्चे सीखते हैं कि अपनी बातें कैसे बताई जाती हैं और भावनाओं को कैसे व्यक्त किया जाता है।

बच्चों की बात ध्यान से सुनें

जब बच्चा अपनी कोई बात बताने आए, तो उसे पूरा ध्यान देकर सुनें। तुरंत प्रतिक्रिया न दें। यदि उसने कोई गलती की है, तो उस पर चिल्लाने की बजाय शांत और समझदार भाषा में बात करें। आवाज का स्वर नरम और सहयोगी होना चाहिए। इससे बच्चे को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का मौका मिलता है, जिससे वह मानसिक रूप से मजबूत बनता है।

बच्चे में तनाव का क्या कारण है?

मां-बाप का बच्चों को समय ना दे पाना : नौकरी तथा अन्य कार्यों के चलते मां बाप बच्चों पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। इसीलिए अपने बच्चे के लिए हमेशा समय निकालें उसे पिकनिक डिनर या फिल्म दिखाने ले जाएं।

पढ़ाई का तनाव

आजकल की पढ़ाई लिखाई का बोझ बच्चों के मन पर तनाव पैदा कर रही है। उनका होमवर्क ना होना पढ़ाई में कम नंबर आना तथा क्लास में पीछे रह जाना इन सभी कारणों से मां-बाप तथा स्कूल में टीचर बच्चों को डांटते हैं।

इससे बच्चों पर भावनात्मक दबाव पड़ता है। माता पिता तथा अध्यापक हमेशा ही बच्चों पर अधिक नंबर लाने तथा कक्षा में प्रथम आने को कहते हैं हैं जिससे उनका कॉन्फिडेंस लेवल बहुत कम हो जाता है।

खेलकूद ना करना

भविष्य की चिंता या पढ़ाई का तनाव बच्चों में इतना रहता है कि उनके पास खेलना तो दूर खाने-पीने का भी समय नहीं होता है। आपको उसको मोबाइल कंप्यूटर की बजाय आउटडोर गेम्स खेलने के लिए प्रेरित करना चाहिए उसके साथ समय बिताएं।

माँ बाप का तनाव में रहना

अगर आपके चेहरे पर बहुत ज्यादा तनाव है तो इसका असर आपके बच्चों के दिमाग पर भी पड़ सकता है। आजकल बच्चों में यह समस्या बहुत बड़े पैमाने पर देखने को मिल रही है। बच्चों में तनाव का सबसे बड़ा कारण हायर स्टडीज, सोशल साइट्स और खुद आप पर बोझ है।

अच्छा

डिप्रेशन क्या है

यह एक प्रकार का साइकॉटिक डिसऑर्डर है जिसमें 2 सप्ताह या उससे अधिक समय तक के लिए उदासी रहती है। बच्चे को हमेशा नकारात्मक विचार आते हैं और उसका मन किसी भी काम में नहीं लगता है। उसकी रोजमर्रा की जिंदगी अस्त व्यस्त हो जाती है।

वातावरण ना होना

बच्चों के मन पर घर के वातावरण का प्रभाव हमेशा रहता है और उनके विचारों को प्रभावित करता है। जहां पति-पत्नी काम करते हैं, वे अपने बच्चों को बहुत कम समय समर्पित कर सकते हैं। जो आपके बेटे में अलगाव लाता है और उसे तनाव में रखता है। अक्सर तनावग्रस्त बच्चे दोस्तों से दूर बैठे नजर आएंगे। कुछ बच्चे डर के मारे अपने नाखून चबाने लगते हैं। इसलिए आपको विशेष ध्यान देना चाहिए।

माँ बाप की लडाई

माता-पिता इस बात को भूल जाते हैं कि बहस करने और गाली देने की उनकी गलती बच्चों के लिए जीवन भर दुख बन जाती है। इन्हीं बातों की वजह से बच्चों में डर बस जाता है। ऐसे माहौल में आपके बच्चे का बचपन खत्म हो जाता है। कभी भी अपने बच्चे को ऐसा माहौल न दें।

बच्चे को हतोत्साहित करना

यदि आप बच्चे को किसी भी परीक्षा में सफलता नहीं मिलती है, तो कभी उसे डांटें या उस पर दबाव न डालें। इससे आपका बच्चा तनाव में आ जाएगा। आपको अपने बच्चे को यह समझने की जरूरत है कि यह जीवन का अंत नहीं है, यह एक नई शुरुआत है। कभी कभी बच्चा मानसिक तनाव से इतना घिरा जाता है कि उसे कुछ भी महसूस नहीं होता। वह धीरे-धीरे पढ़ाई में कमजोर हो जाता है। यह बात उसके दिमाग में बैठ जाती है कि वह अब कुछ नहीं कर सकता। अक्सर बच्चे दूसरे लोगों की तारीफें सुनकर चिढ़ जाते हैं। उनकी आत्म प्रशंसा से उनको ठेस पहुंचती है। अगर कोई उनका हौसला नहीं बढ़ाता तो वे हमेशा के लिए निराश हो जाते हैं। इसलिए आपको समय-समय पर अपने बच्चे की प्रशंसा और उसे प्रोत्साहित करना चाहिए।

बच्चे में तनाव के क्या लक्षण है

व्यवहार में परिवर्तन

जब शिशु तनाव में होता है, तो सबसे पहले जो चीज प्रभावित होती है, वह है उसका व्यवहार। बार-बार परेशान होना, अक्सर दुखी रहना, घंटों रोना, ये बच्चों में पाए जाने वाले तनाव के लक्षण हैं।

बिस्तर गीला करना

छोटे बच्चे कभी-कभी अपनी नींद में बिस्तर गीला कर देते हैं, लेकिन वे 3-4 साल की उम्र से ऐसा करना बंद कर देते हैं।

पसंदीदा सामान से दूरी

यदि आपका बच्चा अपने पसंदीदा खिलौने से नहीं खेलता है और अपनी पसंदीदा डिश नहीं खाता है, तो वह तनाव में हो सकता है।

स्कूल से लगातार शिकायत

स्कूल से शिकायतें मिलना सामान्य बात है। लेकिन अगर यह हर दूसरे दिन आपके पास आता है, तो कुछ गलत हो सकता है।

नाखून चबाना

बच्चे अपने नाखूनों को तब चबाते हैं जब वे बहुत अधिक चिंता करते हैं या गुस्सा करते हैं।

खाने और सोने में बदलाव

यदि बच्चा चिंतित है, तो उसके खाने की आदतों में परिवर्तन होता है। अक्सर उदास बच्चे बहुत ज्यादा खाने या सपने देखने लगते हैं।

बच्चो को तनावमुक्त कैसे रखे

डॉक्टर आपके बच्चे के साथ समय बिताने की सलाह देते हैं। उनकी अच्छी दिनचर्या बनाएं और उन्हें व्यस्त रखें। अपने बच्चों को हर शाम व्यायाम करवाएं। सूर्यास्त के समय अपने घर के बगीचे या छत पर टहलें। यदि आप गर्म क्षेत्रों में हैं, तो सोने से पहले स्नान करें। इससे नींद अच्छी आएगी।

अपने बच्चे के व्यवहार पर ध्यान दें। यदि आपको लगता है कि आपका बच्चा इन दिनों अलग तरह से काम करता है, तो उसकी भावनाओं पर विचार करें, और उसके साथ अधिक समय बिताएं। अगर आपका बच्चा इन सब के बाद भी दुखी है, तो बाल रोग विशेषज्ञ को बुलाएं।

घंटों पीछे भागने के बाद भी नहीं खाता बच्चा? काम आएंगे ये स्मार्ट पैरेंटिंग टिप्स

खाने के समय नखरे करना बच्चों की आम समस्या है. कई माता-पिता इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि उनका बच्चा ठीक से नहीं खाता तो उसे जरूरी पोषक तत्व कैसे मिलेंगे. भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चे का खान-पान सही रखना चुनौती भरा काम है लेकिन चिंता करने की जरूरत नहीं है. विशेषज्ञों के अनुसार सही तरीके और धैर्य से इस समस्या को आसानी से सुलझाया जा सकता है.

यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) बताता है कि छोटे बच्चों का स्वाद और पसंद हर दिन बदलती रहती है. दुनियाभर के माता-पिता इस समस्या से जूझ रहे हैं. अगर आपका बच्चा भी खाने में नखरे करता है तो सात आसान और प्रभावी टिप्स को अपनाकर आप उसे स्वस्थ और पौष्टिक भोजन की ओर प्रेरित कर सकते हैं. ये टिप्स अपनाकर माता-पिता अपने बच्चे को स्वस्थ खान-पान की आदत डाल सकते हैं. धैर्य और सकारात्मक रवैया सबसे जरूरी है.

बार-बार कोशिश करें

नया खाना बच्चे को तुरंत पसंद नहीं आता. किसी नए खाद्य पदार्थ को पसंद करने में उसे 10 बार से ज्यादा चखना पड़ सकता है. हार न मानें, थोड़ी मात्रा में नए खाने को बार-बार दें. जिस चीज को बच्चा नहीं खाता, उसे पसंद की चीज के साथ मिलाकर दें.

अलग-अलग तरह का पौष्टिक खाना दें

बच्चे को रोजाना फल, सब्जियां, अनाज, दालें, डेयरी उत्पाद, मेवे और बीज खिलाएं. अलग-अलग रंग, स्वाद और बनावट वाले खाने दें. एक ही सब्जी को कच्चा और पका दोनों रूप में ट्राई करें. विविधता बच्चे को आकर्षित करती है.

बच्चे को टीम का हिस्सा बनाएं

बच्चे को बाजार ले जाएं और उन्हें फल-सब्जी चुनने दें. घर पर उनकी उम्र के अनुसार छोटा काम सौंपें जैसे सामग्री मिलाना या प्लेट सजाना. जब बच्चा खुद खाना बनाने में शामिल होता है तो उसे खाने का ज्यादा उत्साह होता है.

उनकी भूख पर भरोसा करें

बच्चे को खाने के लिए मजबूर न करें. अगर वह कम खा रहा है तो दबाव न डालें. जब तक बच्चा स्वस्थ है, फुर्तीला है और वजन ठीक बढ़ रहा है, तो चिंता न करें. बच्चे को अपनी भूख-तृप्ति के संकेत समझने दें.

कम मात्रा में खाना दें

छोटे बच्चों का पेट बहुत छोटा होता है. उन्हें बड़ी मात्रा में खाना न दें. उनकी उम्र के हिसाब से छोटी-छोटी सर्विंग दें और थोड़ा खाने पर भी तारीफ करें.

खाने को इनाम या सजा न बनाएं

अच्छे व्यवहार के लिए मिठाई या जंक फूड का लालच न दें. इससे बच्चे अच्छे-बुरे खाने की गलत सोच विकसित करते हैं. इसके बजाय खेलने या घुमने का वादा करें.

खुद रोल मॉडल बनें

बच्चे अपने माता-पिता की नकल करते हैं. परिवार के साथ बैठकर पौष्टिक भोजन करें और उसे स्वादिष्ट बताएं. जब बच्चा देखेगा कि आप भी वही खा रहे हैं तो वह खुद इसे ट्राई करना चाहेगा.

बच्चों को इस प्रकार बतायें अक्षर का देश से संबंध

अभिभावक अपने बच्चों को इस बात की जानकारी दें कि ए से जेड तक हर अंग्रेजी अक्षर से कोई न कोई देश शुरू होता हैं। दुनिया में कुल मिलाकर लगभग 195 देश हैं। हर देश का नाम अपने इतिहास, संस्कृति और भौगोलिक पहचान से जुड़ा होता है।

ए- ऑस्ट्रेलिया : यह कंगारुओं, क्रिकेट और खूबसूरत बीचों का देश है। यहां का सिडनी ओपेरा हाउस और ग्रेट बैरियर रीफ दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं।

बी - ब्राजील : यह देश फुटबॉल के जुनून, अमेजन जंगल और रियो डी जनेरियो के कार्निवल के लिए जाना जाता है।

सी- कनाडा : यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है, जो अपनी बर्फीली झीलों और शांत जीवनशैली के लिए मशहूर है।

डी - डेनमार्क : यह यूरोप के सबसे खुशहाल देशों में से एक है, जहां स्वच्छता और जीवन की गुणवत्ता सबसे बेहतरीन मानी जाती है।

ई - मिस्र : यह देश पिरामिड, दुनिया की सबसे लंबी नील नदी और फैरोस की रहस्यमयी सभ्यता का प्रतीक है.

एफ - (फ्रांस) : यह प्यार, फैशन और एफिल टॉवर का देश है, जहां हर साल लाखों पर्यटक आते हैं।

जी - जर्मनी : यह देश इंजीनियरिंग और ऑटोमोबाइल के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है. वहीं, बर्लिन की ऐतिहासिक दीवार इसकी पहचान है.

एच - हंगरी हंगरी : यह यूरोप का एक सुंदर देश है, जिसकी राजधानी बुडापेस्ट अपनी नदी और पुलों के लिए जानी जाती है।

आई -भारत : भारतअपनी संस्कृति, परंपरा और विविधता से भरा है, जहां हर 100 किलोमीटर पर भाषा और खानपान बदल जाता है।

जे - (जापान यह देश टेक्नोलॉजी, अनुशासन और सुशी के लिए मशहूर है। यहां की 'बुलेट ट्रेन' और 'चेरी ब्लॉसम' दुनिया में प्रसिद्ध हैं।

के - केन्या अफ्रीका का यह देश, अपनी वाइल्डलाइफ सफारी और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है.

एल - लाओस यह देश शांत, आध्यात्मिक और हरियाली से भरपूर दक्षिण-पूर्व एशिया का काफी सुंदर देश है।

एम - मेक्सिको इसे टाकोस, म्यूजिक और रंगीन त्योहारों का देश कहा जाता है, जिसकी संस्कृति बेहद जीवंत है.

एन (नेपाल) दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत 'माउंट एवरेस्ट' यहीं मौजूद है। यहां की शांति और हिमालयी सौंदर्य दुनिया को आकर्षित करती है.

ओ - ओमान : यह अरब देशों में सबसे शांतिपूर्ण और विकसित देश है, जिसकी परंपरा और अतिथि सत्कार अद्भुत है.

पी (पुर्तगाल) : यह देश अपने समुद्र तटों, ऐतिहासिक इमारतों और फुटबॉल के लिए मशहूर है.

क्यू - कतर यह काफी तेजी से विकसित होता देश है, जिसने 2022 का फीफा वर्ल्ड कप भी आयोजित किया था।

आ - रूस : यह दुनिया का सबसे बड़ा देश है, जो यूरोप और एशिया महाद्वीप - दोनों में फैला हुआ है है.

एस -स्पेन यह देश फ्लैमिंगो डांस, टोमाटीना फेस्टिवल, बुल फाइटिंग, स्वादिष्ट खाना और फुटबॉल के जुनून के लिए जाना जाता है।

टी- तुर्की यह देश एशिया और यूरोप के संगम पर स्थित है। यह देश अपनी मस्जिदों और ऐतिहासिक बाजारों के लिए भी जाना जाता है।

यू- युगांडा : इसे अफ्रीका का 'मोती' कहा जाता है, जहां प्राकृतिक सुंदरता और जीव-जंतुओं की विविधता देखने लायक है।

वी - यह देश युद्ध के इतिहास और हरे-भरे नजारों वाला देश है, जो अब पर्यटन के लिए तेजी से विकसित हो रहा है।

डब्लयू - वेल्स (वेल्स) : यह देश यूनाइटेड किंगडम का हिस्सा है, जहां किले, पहाड़ और संगीत संस्कृति का अहम स्थान है।

एक्स - इस अक्षर से कोई देश नहीं है।

वाय - यमन : यह देश दुनिया के नक्शे में मिडिल ईस्ट में मौजूद है, जिसकी ऐतिहासिक इमारतें और पुरानी सभ्यता बहुत प्रसिद्ध हैं.

जेड - जाम्बियायह भी अफ्रीका महाद्वीप का एक सुंदर देश है, जहां का शानदार विक्टोरिया फॉल्स दुनिया भर के टूरिस्ट्स को आकर्षित करता है।

आईपीएल 2026 : आरसीबी और टाइटंस के बीच आज होगा खिताबी मुकाबला

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। अहमदाबाद (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, जिसके चलते करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस महामुकाबले पर टिकी हुई हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार का फाइनल हाल के वर्षों के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक साबित हो सकता है।

आरसीबी लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में पहुंची है और उसके पास लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का अच्छा अवसर है। कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में टीम ने पूरे सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। आरसीबी ने पहले क्वालिफायर में गुजरात टाइटंस को 92 रन के बड़े अंतर से हराकर सीधे फाइनल का टिकट हासिल किया था। उस मुकाबले में रजत पाटीदार की आक्रामक बल्लेबाजी और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से टीम का मनोबल काफी बढ़ा है। आरसीबी के पास विराट कोहली, फिल सॉल्ट, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा और टिम डेविड जैसे बल्लेबाज हैं किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं। वहीं ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या और रोमारियो शेफर्ड टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड का अनुभव आरसीबी की सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है, जबकि युवा स्पिनर सुयश शर्मा मध्य ओवरों में विकेट निकालने की क्षमता रखते हैं। जिससे टीम खिताब जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस भी किसी मायने में कम नहीं है। कप्तान शुभमन गिल शानदार फॉर्म में हैं और दूसरे क्वालिफायर में उनके शतक ने टीम आसानी से फाइनल में पहुंच गीय। उनके साथ साई सुदर्शन ने भी बेहतरीन बल्लेबाी की है। उसे पास जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स जैसे बल्लेबाज मध्यक्रम को मजबूती देते हैं, जबकि राहुल तेवतिया मैच फिनिशर के तौर पर सफल रहे हैं। स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और राशिद खान टीम को अतिरिक्त मजबूती प्रदान करते हैं।

गुजरात की सबसे बड़ी ताकत उसकी गेंदबाजी मानी जा रही है। मोहम्मद सिराज, कगिसो रबाडा और प्रसिद्ध कृष्णा की तेज गेंदबाजी तिकड़ी किसी भी बल्लेबाजी क्रम के लिए परेशान खड़ी कर सकती है। वहीं राशिद खान अपनी फिरकी से मैच का रुख पलटने में सक्षम हैं। अहमदाबाद का मैदान गुजरात का घरेलू मैदान है और यहां टीम का रिकॉर्ड भी शानदार रहा है, जिससे भी उसे हालातों का लाभ मिलेगा।

हालांकि आरसीबी की बल्लेबाजी अधिक अनुभवी और आक्रामक नजर आती है। विराट कोहली का अनुभव, फिल सॉल्ट की तेज शुरुआत और रजत पाटीदार की शानदार फॉर्म टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। दूसरी ओर गुजरात की उम्मीदें शुभमन गिल, जोस बटलर, राशिद खान और मोहम्मद सिराज पर टिकी होंगी।

विशेषज्ञों के अनुसार मुकाबले का परिणाम पावरप्ले और डेथ ओवरों के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर करेगा। यदि आरसीबी के शीर्ष क्रम ने मजबूत शुरुआत दी तो टीम बड़ा स्कोर खड़ा कर सकती है, जबकि गुजरात के गेंदबाज शुरुआती झटके देकर मैच पर पकड़ बनाने की कोशिश करेंगे। वहीं अगर शुभमन गिल और साई सुदर्शन की जोड़ी लंबी साझेदारी करने में सफल रही तो गुजरात टाइटंस का पलड़ा भारी हो सकता है। कुल मिलाकर दोनों ही टीमें काफी संतुलित दिखाई दे रहा है ऐसे में प्रशंसकों को एक यादगार फाइनल देखने को मिलेगा । आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बची 8 मुकाबले हुए हैं। जिसमें दोनो ने ही 4-4 मेच खेले हैं।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी: रजत पाटीदार (कप्तान), फिल सॉल्ट (विकेटकीपर), विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प - स्वप्निल सिंह, वेंकटेश अय्यर, रसिख सलाम डार, रिचर्ड ग्लीसन

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प - साई किशोर, जेसन होल्डर, निशांत सिंधु, अरशद खान।

विनेश फोगाट का एशियन गेम्स 2026 में खेलने का सपना टूटा

–ट्रायल्स के सेमीफाइनल में थमा सफर, मीनाक्षी से हारीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट का एशियाई खेल 2026 में जगह बनाने का सपना चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में टूट गया। शनिवार को आयोजित ट्रायल्स में 53 किलोग्राम भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें युवा पहलवान मीनाक्षी गोयत ने 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ 31 वर्षीय विनेश एशियाई खेलों की भारतीय टीम में जगह बनाने से चूक गईं। हालांकि, मुकाबले के बाद उन्होंने हार मानने से इनकार करते हुए वापसी का संकल्प जताया।

ट्रायल्स के दौरान विनेश ने शुरुआती मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले ज्योति को 7-1 से हराया। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में निशु के खिलाफ मुकाबला काफी रोमांचक और विवादों से भरा रहा। मुकाबले की शुरुआत में निशु ने 5-0 की बढ़त बना ली थी और एक समय विनेश लगभग फॉल होने की स्थिति में पहुंच गई थीं। हालांकि, अनुभवी विनेश ने शानदार वापसी की। तकनीकी फैसलों, वीडियो स्क्रीन की तकनीकी दिक्कतों और कोचों की आपत्तियों के बीच मुकाबला बेहद तनावपूर्ण हो गया। स्कोर 6-6 की बराबरी पर पहुंचा तो निशु के एक टेकडाउन प्रयास को अंक नहीं दिए गए। इसके बाद निशु के कोच ने फैसले को चुनौती दी, लेकिन चुनौती असफल रही और विनेश मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गईं। हार के बाद भावुक निशु ने रेफरी और विनेश से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया था।

आईपीएल 2026 : वैभव ऑरेंज कैप , रबाडा पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे

मोहाली ।आईपीएल के 19 वें सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को होने वाला है।इसमें गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटंस (जीटी) से होगा।अब तक इस सत्र में सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी सबसे आगे हैं। वैभव की टीम रॉयल्स भले ही टर्नामेंट से बाहर हो गयी है पर दूसरे क्वालीफार में बनाये 96 रनों के साथ ही उनक अब तक इस सत्र में सबसे अधिक 776 रन हो गये हैं। वैभव के पीछे ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। आरआर के खिलाफ 53 गेंदों में 104 रनों की लाजवाब शतकीय पारी खेलकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई और अब 15 मुकाबलों में 722 रनों के साथ दूसरे पायदान पर हैं। गिल के सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन भी कम नहीं रहे, जिन्होंने 16 मुकाबलों में 710 रन बनाकर तीसरे स्थान पर अपना कब्जा जमाया है। सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 15 मुकाबलों में 624 रनों के साथ चौथे और मुंबई इंडियंस के ईशान किशन 602 रनों के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं, जो इस सीजन की बल्लेबाजी की गहराई को दर्शाता है। दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा नंबर एक पर पहुंच गये हैं। रबाडा ने दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार को दूसरे नंबर पर धकेल दिया। रबाडा अब कुल 28 विकेटों के साथ शीर्ष पर काबिज हैं। भुवनेश्वर कुमार 15 मुकाबलों में 26 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि राजस्थान रॉयल्स के घातक तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर 25 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 14 मुकाबलों में 21 विकेट के साथ चौथे और सनराइजर्स हैदराबाद के युवा गेंदबाज ईशान मलिंगा 20 विकेट लेकर पांचवें पायदान पर हैं।

हार्दिक पांड्या सहित कई बड़े खिलाड़ियों को बाहर कर सकती है मुम्बई इंडियंस : रिपोर्ट

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। टीम की हार के बाद उनका अपना प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले सत्र में मुम्बई टीम उन्हें शायद ही रिटेन करे। इस सत्र में मुम्बई केवल चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल करने में सफल रही है। इससे टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर रहे। पिछले सत्र में भी उनकी कप्तानी में टीम असफल रही थी। ऐसे में मुंबई इंडियंस अब अगले सत्र के लिए बड़े बदलाव कर सकती है। इसके तहत कप्तान सहित कई स्टार खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, मुंबई इंडियंस के करीबी सूत्रों का भी मानना है कि हार्दिक से कप्तानी छीनी जा सकती है। टीम में उनकी केवल एक खिलाड़ी के रूप में भूमिका पर भी चर्चा हो सकती है। टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ इस असफलता के बाद गहन विचार विमर्श के दौर से गुजर रहा है। मुंबई इंडियंस के आखिरी लीग मैच के बाद हुई कोचिंग स्टाफ की बैठक में भी सीनियर खिलाड़ियों से साफ कह दिया गया कि उन्हें मैदान पर दिए गए कोचिंग निर्देशों और डेटा-आधारित रणनीतियों का पालन करना चाहिए। कई बार खिलाड़ियों ने कोचिंग स्टाफ के सुझावों को नजरअंदाज किया, जिससे टीम को नुकसान हुआ है। टीम की परेशानी केवल कप्तानी तक सीमित नहीं है। टीम इस आईपीएल में पावरप्ले का भी टीम सही इस्तेमाल नहीं कर पाई, जैसा कि प्लेऑफ में पहुंची कई सफल टीमों ने किया।

शुभमन आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

मोहाली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कपतान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्य के खिलाफ दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने के दौरान एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। शुभमन ने अपनी पारी में 47 गेंदों पर ही 100 रन बना दिये। इससे वह आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं।

इस मैच में 215 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए गिल ने यह मैच विजेता पारी खेली, जिसने गुजरात फाइनल में पहुंची।

इस मुकाबले में शुभमन ने 53 गेंदों में 104 रन बनाये। इसमें 15 शानदार चौके और तीन छक्के शामिल थे। यह आईपीएल में शुभमन का कुल पांचवां शतक है, जबकि कप्तान के तौर पर इस लीग में यह उनका दूसरा शतक है। इस दौरान उनकी और साई सुदर्शन के बीच हुई पहले विकेट के लिए 160 रन की साझेदारी हुई।

इस शतक के साथ ही शुभमन आईपीएल प्लेऑफ के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये। इस प्राकर उन्होंने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जो उन्होंने

2023 सीजन में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 129 रन की पारी के दौरान 49 गेंदों में बनाया था। शुभमन से पहले, रिद्धिमान साहा ने साल 2014 और रजत पाटीदार ने साल 2022 में प्लेऑफ में 49 गेंदों में शतक लगाये थे पर शुभमन ने इस शतक से सबको पीछे छोड़ दिया।

शुभमन अब प्लेऑफ मुकाबलों में दो शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनका पहला प्लेऑफ शतक भी 2023 के दूसरे क्वालिफायर में ही आया था। यह गुजरात टाइटंस के लिए भी सबसे तेज आईपीएल शतक है, जिसमें उन्होंने अपने ही 2023 के रिकॉर्ड (49 गेंदों में शतक) को बेहतर किया।

एक कप्तान के तौर पर आईपीएल प्लेऑफ में शतक लगाने वाले शुभमन गिल पहले खिलाड़ी हैं। उनकी और साई सुदर्शन की पहले विकेट के लिए 160 रन की रिकॉर्ड-तोड़ साझेदारी ने गुजरात की जीत की राह बनी। इस जोड़ी ने 2011 के फाइनल में माइकल हसी और मुरली विजय द्वारा बनाए गए 159 रन की साझेदारी के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। इसके अलावा, यह टी20 क्रिकेट में दोनों के बीच 11वीं शतकीय साझेदारी थी, जो क्रिस गेल और विराट कोहली के 10 शतकीय साझेदारियों के रिकॉर्ड से आगे निकल गई।

वैभव सूर्यवंशी के कायल हुए लेंगर

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी शानदार बल्लेबाजी से छाये हुए वैभव सूर्यवंशी के मुरीद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लेंगर भी हैं। लैंगर ने कहा है कि वह वैभव से प्रभावित हैं। साथ ही कहा कि उनके साथ एक सेल्फी चाहते हैं। जिसे उन्होंने अपनी जिंदगी का सिर्फ दूसरा ऐसा अवसर बताया है। लेंगर ने एक पोस्ट के जरिए इसका खुलासा किया है। लेंगर ने बताया कि राजस्तथान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के बीच हुए एक मैच के बाद उन्होंने वैभव से सेल्फी खिंचाने को भी कहा था। लेंगर का मानना है कि आने वाले समय में वैभव क्रिकेट जगत पर छाया रहेगा। इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा कि उन्होंने इससे पहले केवल एक बार किसी खिलाड़ी से सेल्फी खिंचवाने को कहा था। दो साल पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग के दिग्गज स्टीफन माइकल से सेल्फी खिंचाने को कहा था। लेंगर ने लिखा, पिछले हफ्ते मैंने कुछ ऐसा किया, जो अपनी जिंदगी में सिर्फ दूसरी बार ही किया है। मैंने किसी अन्य खिलाड़ी से सेल्फी देने को कहा। वहीं दूसरी बार यही बात 15 साल के वैभव से कही। वैभव सूर्यवंशी ने मेरी टीम लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ कई चौके और छक्के लगाये। उसने इस आईपीएल सीजन में 65 छक्के लगाये हैं - ये किसी भी टी20 टूर्नामेंट में किसी बल्लेबाज के दूसरे सबसे ज्यादा छक्के हैं। वह पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाला खिलाड़ी है। वैभव सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में 12 छक्के जड़कर क्रिस गेल का आईपीएल 2012 में बनाया 59 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा है। वैभव ने 29 गेंदों में तूफानी 97 रन बनाए थे और क्रिस गेल के आईपीएल इतिहास के सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ने से वह एक गेंद से रह गये। वैभव की इस असाधारण प्रतिभा पर लेंगर ने आगे लिखा, इस खेल में 35 साल तक रहने के बाद, मैं ये विश्वास ही नहीं कर सकता कि ये लड़का ऐसे खेलता है। मैंने उसके जैसा इससे पहले कुछ भी नहीं देखा है।

वैभव को रोकने खतरनाक बाउंसर गेंदों का इस्तेमाल गलत: इरफान पठान

–सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आये

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान इस बात से बेहद चिंतित है कि आईपीएल के 19 वें सत्र में असाधारण बल्लेबाजी कर सभी को प्रभावित करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ खतरनाक बाउंसर गेंदों का इस्तेमाल हुआ ई। इस सत्र में राज्स्थान रॉयल्स की ओर से वैभव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 700 से अधिक रन बनाये। उन्होंने जसप्रीत बुमराह, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क जैसे अनुभवी गेंदबाजों की गेंदों पर भी जमकर चौके छक्के लगाये। पठान के अनुसार जिस प्रकार गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में वैभव को रोकने के लिए बॉडीलाइन बाउंसर फेंकी गयी वह गलत नीति थी।

वैभव के खिलाफ गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों की इस रणनीति को देखकर पठान घबरा गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए लिखा, '15 साल के वैभव को रोकने के लिए बॉडीलाइन गेंदबाजी मुझे ठीक नहीं लगती। मुझे पता है कि वह बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ खेल रहा है पर मेरे अंदर का पिता इससे सहमत नहीं है।' पठान ने ऐसी बाउंसरों के संभावित घातक परिणामों के बारे में भी सभी को चेताया है।

पठान ने कहा, 'सूर्यवंशी के खिलाफ योजना के तहत ही ऐसा किया गया। एक पिता के तौर पर, जब मैंने उसे देखा, तो गेंद उसके कान पर लगी। बाउंसर की बौछार थी। हमने खिलाड़ियों को बाउंसर के खिलाफ जान गंवाते देखा है। बेशक, योजना अच्छी होगी पर मुझे डर लग रहा था। मैं इससे सहमत नहीं हूं।' उन्होंने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए आगे कहा, 'मुझे पता है कि आप पेशेवर क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं यह समझता हूं, लेकिन मैं एक बेटे का पिता भी हूं। मैं ये देखकर बहुत मुश्किल स्थिति में था।' पठान ने वैभव की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता ज़ाहिर करते हुए उम्मीद जताई कि वह अपने हेलमेट में अतिरिक्त प्रोटेक्शन का उपयोग करेगा, क्योंकि लोग उसे रोकने के लिए बाउंसर फेंकते रहेंगे। उन्होंने 100 रन बनाने से चूकने पर निराशा भी व्यक्त की, लेकिन उनकी मुख्य चिंता वैभव की सुरक्षा थी। उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी यह राय पेशेवर क्रिकेट से थोड़ी अलग हो सकती है, लेकिन एक युवा खिलाड़ी के प्रति ऐसी बॉडीलाइन रणनीति उन्हें बिलकुल भी पसंद नहीं आई।

सुदर्शन लगातार दूसरी बार हिट विकेट हुए

न्यू चंडीगढ। आईपीएल के 19 वें सत्र में गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन लगातार दूसर बार हिट विकेट हुए जो एक अनोखा संयोग है। ये पहली बार है जब कोई क्रिकेटर इस प्रकार हिट विकेट हुआ है। सुदर्शन दोनो ही क्वालीफायर में हिट विकेट हुए। क्वालीफायर 2 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सुदर्शन से अर्धशतक लगाया पर हिट-विकेट होने के कारण वह आउट हुए। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए क्वालीफायर 1 में भी सुदर्शन हिट विकेट हुए थे। शुक्रवार को पीसीए स्टेडियम में हुए क्वालीफायर 2 का मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहाँ गुजरात टाइटंस का सामना राजस्थान रॉयल्स से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए, राजस्थान रॉयल्स ने तय समय 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 214 रन बनाये। इसके बाद 215 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस को कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले ओवर से ही राजस्थान के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया, मैदान के हर कोने में बाउंड्री बटोरे और रन गति को 10 के पार बनाए रखा। गुजरात ने पावरप्ले का पूरा फायदा उठाया और दसवें ओवर से पहले ही 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से अपने अर्धशतक भी पूरे कर लिए। गिल और सुदर्शन के बीच पहले विकेट के लिए 167 रनों की रिकॉर्डतोड़ साझेदारी हो चुकी थी और गुजरात जीत की तरफ मजबूती से बढ़ रहा था। तभी सुदर्शन एक बार फिर हिट-विकेट हो गए। सुदर्शन के 58 रन पर आउट होने के बाद भी कप्तान शुभमन गिल ने अपना आक्रामक रुख जारी रखा। गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए मात्र 53 गेंदों पर 104 रनों की शतकीय पारी खेली। शुभमन के शानदार शतक की बदौलत गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराकर तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली।

फ्रेंच ओपन 2026 : 19 साल के फोंसेका ने जोकोविच हो हराकर किया सबसे बड़ा उलटफेर

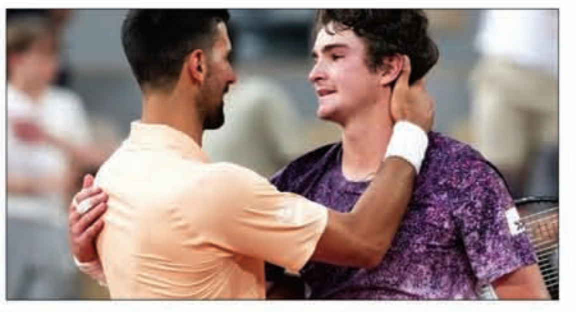

पेरिस । यहां रोला गैरा में खेले जा रहे फ्रैंच ओपन टेनिस में सबसे बड़ा उलटफेर हुआ है। सर्बिया के टेनिस स्टार और विश्वकप के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को ब्राजील के 19 साल के फोंसेका ने हराकर सनसनी फैला दी। तीन बार के विजेता और रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच को रोमांचक मुकाबले में फोंसेका ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हराया। इस मैच की शुरुआत में जोकोविच हावी रहे। उन्होंने पहले दो सेट में अपना दबदबा बनाए रखा और फोंसेका को कोई अवसर नहीं दिया। पर इस युवा खिलाड़ी ने तीसरे सेट से मुकाबले का रुख पलट दिया। उन्होंने अपनी रणनीति बदली, आक्रामक खेल दिखाया और अगले तीनों सेट जीतकर सभी को हैरान कर दिया। यह क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में दूसरा सबसे बड़ा उलटफेर है, जोकोविच से पहले इटली के जैनिक सिनर भी टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। चौथे सेट में फोंसेका हार से सिर्फ पांच पॉइंट दूर थे। जोकोविच 3-4 पर सर्व करते हुए 15/40 की बढ़त पर थे पर फोंसेका ने उन दो ब्रेक अंक बचाकर वापसी करते हुए सेट जीत लिया और मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक खींच ले गए। इसके बाद जोकोविच थके हुए दिखे। निर्णायक सेट में भी उन्होंने 3-1 की शुरुआती बढ़त बना ली पर ब्राजीली खिलाड़ी ने फिर से अपनी वापसी की आदत को जारी रखा और आखिरी आठ में से छह गेम अपने नाम करते हुए एक यादगार जीत दर्ज की।

रॉयल्स के बाहर होने से वैभव के लिए दुखी हुए अश्विन

–कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन पर भड़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटंस से हार के साथ ही राजस्थान रॉयल्स की टीम बाहर हो गयी। रॉयल्स के बाहर होने से पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन निराश हैं। उनका कहना है कि इस सत्र में वैभव सूर्यवंशी ने असाधारण प्रदर्शन कर टीम को खिताब मुकाबले का दावेदार बना दिया था। पर रियान पराग की गलती से उसके हाथों से ये अवसर निकल गया। अश्विन ने कहा कि वह वैभव के लिए दुखी हैं क्योंकि उसकी मेहनत बेकार हो गयी। वहीं अश्विन ने टीम के सीनियर खिलाड़ियों और कप्तान रियान पराग की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि इन लोगों की गलती से टीम बाहर हुई है।

वैभव ने अपने बल पर रॉयल्स को यहां तक पहुंचाया। नॉकआउट चरण में उनकी बल्लेबाजी बेहद प्रभावशाली रही। एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 97 रनों की धुआंधार पारी खेली, जबकि क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटन्स के सामने भी उन्होंने 96 रन बनाए। पूरे टूर्नामेंट में वैभव ने लगभग 800 रन बनाकर अपने को साबित किया पर अन्य बल्लेबाजों ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया।

अश्विन ने कहा, मैं मायूस हूं, क्योंकि उन्होंने आईपीएल 2026 में बहुत शानदार खेल दिखाया। लेकिन मेरे लिए सबसे खास बात वह पारी थी जो उन्होंने क्वालीफायर-2 में खेली। बेशक, किस्मत ने उनका थोड़ा साथ दिया, लेकिन पिच गेंदबाजों की मदद कर रही थी। उन्होंने मोहम्मद सिराज, कागिसो रबाडा और जेसन होल्डर जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना किया। उन्हें थोड़ी किस्मत का साथ मिला और एक कैच भी गिरा पर जिस प्रकार उन्होंने बल्लेबाजी की उसकी जितनी सराहना की जाये कम है।

अश्विन ने रॉयल्स के अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि गुजरात के कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी बल्लेबाजी की थी पर रॉयल्स के अन्य बल्लेबाजों ने वैभव का साथ नहीं दिया। क्वालीफायर-2 में हार के बाद वैभव काफी भावुक हो गए थे। अश्विन ने कहा कि एक 15 साल का लड़का हमेशा टीम को मैच जिताने के बारे में सोचता है। उन्होंने राजस्थान के सीनियर बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल और रियान पराग के रन नहीं बनाने पर नाराजगी जताई, जिससे टीम शुरुआत में ही मुकाबले से बाहर हो गई।

वैभव के अलावा, अश्विन ने रियान पराग की कप्तानी पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने मैच के दौरान लिए गए कुछ फैसलों पर पर सवाल उठाते हुए कहा, दासुन शनाका ने नौ गेंदों में तीन रन बनाए, जिनमें से दो गेंदें उन्होंने छोड़ दीं। जोफ्रा आर्चर बल्लेबाजी के लिए डोनोवन फरेरा से पहले आ गए! किसी ने भी वैभव का साथ नहीं दिया, फिर भी वैभव अकेले टीम को जीत दिलाने का प्रयास करते रहे। बीच दीवार बनकर खड़े रहे। ये रियान पराग की कप्तानी के स्तर को दर्शाता है। अश्विन के इन बयानों से स्पष्ट है कि उन्हें युवा वैभव के प्रदर्शन पर गर्व है, लेकिन टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों और नेतृत्व की कमी ने उन्हें बेहद निराश किया है।

आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी भारतीय टीम

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष और महिला टीमें अगले साल होने वाले आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी है। भारतीय टीमों को इसमें डिविजन 4 में रखा गया है। आइस हॉकी वर्ल्ड चैंपियनशिप अगले साल 14 से 30 मई के बीच जर्मनी के डसेलडोर्फ और मैनहेम में होगी। इसके लिए पुरुष, महिला टीमें राष्ट्रीय शिविरों, खिलाड़ियों के मूल्यांकन, कोचिंग कार्यक्रमों और प्रतिस्पर्धी अनुभव को सहारा लेंगी। भारत साल 1989 से ही अंतरराष्ट्रय आइस हॉकी फेडरेशन का पूर्ण सदस्य रहा है। भले ही भारतीय टीमों का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय टूर्नामेंट्स में कुछ खास नहीं रहा हो पर वह लगातार बेहतर करती आई है। देहरादून स्थित हिमाद्री आइस रिंक (भारत का एकमात्र ओलंपिक-आकार का इनडोर आइस रिंक है) इसमें आयोजित 2025 नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप ने पुरुष, महिला और युवा श्रेणियों की टीमों को बेहतर अनुभव हासिल करने का अवसर दिया है। यूएई में आयोजित आईआईएचएफ महिला एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को कांस्य पदक मिला था। इससे भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा था। अब विश्व वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 में महिला और पुरुष दोनो ही वर्ग में अंडर-20 टीमों को भी शामिल करना एक और अहम सफलता है। इससे युवा खिलाड़ियों को बेहतर अनुभव मिलेगा। आईआईएचएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 सिर्फ एक और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं है। आईआईएचएफ प्रतियोगिता प्रणाली के तहत देश विश्व आइस हॉकी में अपनी स्थिति बनाने के लिए अलग-अलग डिवीजन में मुकाबला करते हैं।

वंदे मातरम् विवाद पर भूपेश बघेल का भाजपा को खुला चैलेंज, बोले- बिना देखे गाकर दिखाएं

रायपुर (एजेंसी)। केरल में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को लेकर छिड़े राजनीतिक विवाद के बीच छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। रायपुर में मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वे एक साथ बिना देखे वंदे मातरम् गाकर दिखाएं। भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस की परंपरा में वंदे मातरम् हमेशा से शामिल रहा है और पार्टी के कार्यक्रमों की शुरुआत इसी गीत से होती है। उन्होंने दावा किया कि जिला स्तर से लेकर बड़े आयोजनों तक कांग्रेस कार्यकर्ता नियमित रूप से वंदे मातरम् गाते हैं, जबकि भाजपा के लोग इस विषय पर केवल राजनीति करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के जिला, ब्लॉक और प्रदेश स्तर के कार्यक्रमों में वंदे मातरम् का गायन एक परंपरा है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग आज राष्ट्रवाद की बात करते हैं, वे पहले कभी वंदे मातरम् गाते तक नजर नहीं आते थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक विवाद का विषय बनाने के बजाय उनका सम्मान किया जाना चाहिए। अपने हालिया दिल्ली दौरे को लेकर भी भूपेश बघेल ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनकी मुलाकात कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से हुई। बघेल ने कहा कि बैठक में विशेष रूप से पंजाब की राजनीतिक स्थिति और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा हुई। संगठन को मजबूत करने और चुनावी रणनीति को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। केंद्र में भाजपा सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर शुरू किए जा रहे महाजनसंपर्क अभियान पर भी पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भाजपा को जनसंपर्क अभियान अवश्य चलाना चाहिए, क्योंकि जनता उनके जवाब का इंतजार कर रही है। भूपेश बघेल ने कहा कि महाजनसंपर्क अभियान के दौरान जनता भाजपा से महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और अन्य जनहित के मुद्दों पर सवाल पूछेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार को अब जनता के सवालों का जवाब देना होगा।

उत्तरकाशी में खाई में गिरी कार, 2 की मौत, 3 गंभीर घायल अस्पताल में भर्ती

-एसडीआरएफ ने अंधेरे और विषम परिस्थितियों के बीच चलाया रेस्क्यू

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में जनपद उत्तरकाशी के गंगनानी क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद एसडीआरएफ ने अंधेरे और विषम परिस्थितियों के बीच बचाव अभियान चलाकर सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गंगनानी-भटवाड़ी मार्ग पर स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ पोस्ट भटवाड़ी की टीम उपनिरीक्षक गब्बर सिंह और पोस्ट उजेली की टीम आरक्षी शक्ति सिंह के नेतृत्व में आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचने पर टीम ने पाया कि वाहन गहरी खाई में दुर्घटनाग्रस्त पड़ा है। कार में कुल पांच लोग सवार थे, जिनमें से 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल थे। एसडीआरएफ जवानों ने रात के अंधेरे में रेस्क्यू अभियान चलाकर घायलों को खाई से बाहर निकाला। प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें अस्पताल भिजवाया गया। वहीं, मृतकों के शवों को भी खाई से बाहर निकालकर पुलिस के हवाले कर दिया। हादसे में घायल होने वालों में विमल कुमार प्रधान (61), उपासना प्रधान (54) निवासी भुवनेश्वर और यशवीर (35) निवासी पंजाब शामिल हैं। दुर्घटना में दामोदर हरीराम रामटेककर (77) एवं लक्ष्मी दामोदर रामटेककर (67) निवासी नागपुर, महाराष्ट्र की मृत्यु हो गई। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

कल्याण में ऑनर किलिंग का सनसनीखेज मामला- प्रेम विवाह से नाराज पिता ने बेटी की हत्या की

कल्याण (एजेंसी)। मुंबई से सटे कल्याण शहर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। प्रेम विवाह करने से नाराज एक पिता ने अपनी ही विवाहित बेटी की हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कल्याण पश्चिम के पार नाका इलाके में रहने वाली गायत्री वसईकर ने कुछ महीने पहले अपने परिवार की इच्छा के विरुद्ध जाकर अपने प्रेमी से विवाह किया था। बताया जा रहा है कि परिवार ने पहले उसका रिश्ता कहीं और तय किया था और सगाई भी हो चुकी थी। हालांकि, गायत्री ने वह रिश्ता तोड़कर अपनी पसंद के युवक से शादी कर ली थी। परिजनों के अनुसार, बेटी के इस फैसले से उसके पिता विनोद वसईकर बेहद नाराज थे। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में लंबे समय से तनाव बना हुआ था। घटना वाले दिन गायत्री अपने मायके आई हुई थी। दोपहर के भोजन के बाद घर में एक बार फिर शादी और परिवार की नाराजगी को लेकर चर्चा शुरू हुई, जो धीरे-धीरे विवाद में बदल गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच के मुताबिक, बेटी द्वारा परिवार की इच्छा के खिलाफ जाकर विवाह करने की बात को लेकर आरोपी पिता के मन में गहरा आक्रोश था। विवाद बढ़ने पर उन्होंने एक धारदार हथियार से बेटी पर हमला कर दिया। हमले में गायत्री गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे गहरी चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। गंभीर हालत के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी पिता वहां से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बाजारपेठ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी की तलाश की और कुछ ही समय में उसे गिरफ्तार कर लिया। इस घटना ने पूरे कल्याण क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बन गया है कि पारिवारिक मतभेद और सामाजिक दबाव किस हद तक पहुंच सकते हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और उसे अदालत में पेश करने की तैयारी की जा रही है। जांच अधिकारी अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि घटना से पहले घर में क्या परिस्थितियां थीं और विवाद किस तरह हिंसक रूप ले बैठा। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

आज रामगढ़ के लोग नहीं निकल सकेंगे घरों से बाहर, सभी को दी सचेत रहने की सलाह

-लोग करें सुरक्षा निर्देशों का पालन, डीआरडीओ हाई-पावर बम का करने जा रहा टेस्ट

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के पंचकूला जिले में रामगढ़ रेंज के पास रहने वाले लोगों को रविवार को घर में ही रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) इस सुविधा केंद्र पर एक हाई-पावर बम का टेस्ट करने जा रहा है। यह ट्रायल टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी द्वारा किया जाएगा। यह डीआरडीओ की एक प्रमुख प्रयोगशाला है जो गोला-बारूद, विस्फोटक और हथियार प्रणालियों के परीक्षण और मूल्यांकन में विशेषज्ञता रखती है।

एहतियात के तौर पर स्थानीय अधिकारियों से कहा गया है कि वे टेस्टिंग रेंज के पास स्थित गांवों के लोगों को सचेत करें। लोगों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित टेस्टिंग समय में अपने घरों के अंदर ही रहें और खुले इलाकों में जाने से बचें। प्रशासन ने जोर देकर कहा है कि यह अभ्यास रक्षा से जुड़ा एक नियमित टेस्ट है और इसमें घबराने की बात नहीं। लोगों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और अधिकारियों द्वारा जारी सभी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीआरडीओ वैज्ञानिकों द्वारा साझा की गई जानकारी के मुताबिक ट्रायल के दौरान होने वाला धमाका इतना ज़ोरदार हो सकता है कि बम के टुकड़े हवा में 1.5 किलोमीटर तक दूर जा सकते हैं। अधिकारियों ने धमाके वाली जगह के करीब दो किलोमीटर के दायरे को टुकड़ों से होने वाले ख़तरे वाले इलाके के रूप में भी घोषित किया है। टेस्टिंग में प्रतिबंधित इलाकों में प्रवेश पर कड़ी नजर रखी जाएगी ताकि आम लोगों की सुरक्षा तय की जा सके।

पूरी टेस्टिंग प्रक्रिया कड़े सुरक्षा नियमों के तहत की जाएगी और भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने इसकी निगरानी की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि यह तय करने के लिए व्यापक एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं कि ट्रायल सुरक्षित रूप से हो और आस-पास के समुदायों पर इसका कोई बुरा असर न पड़े। पंचकूला के उपायुक्त को भेजे गए एक संदेश में, टीबीआरएल के टेक्नोलॉजी डायरेक्टर ने अनुरोध किया कि भानु और बिल्ला गाँवों के लोगों को टेस्ट के दौरान घर के अंदर रहने का निर्देश दिया जाए।

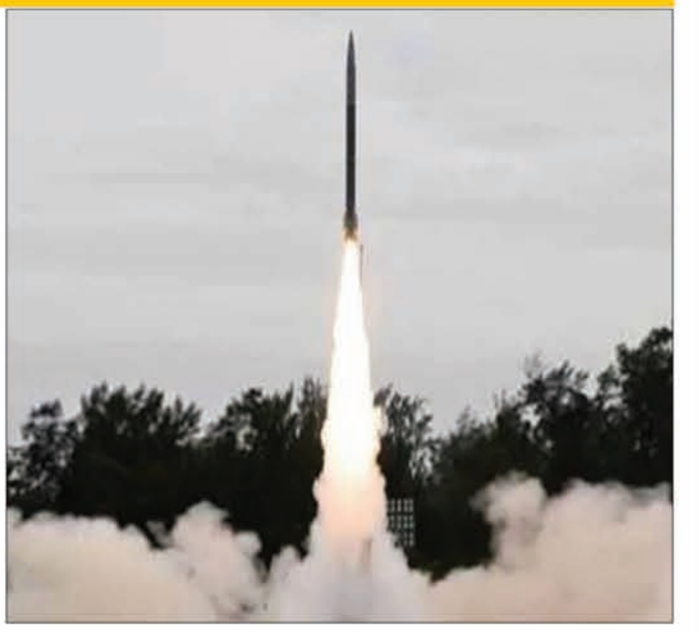

चिलचिलाती धूप व गर्मी में खुले मैदान में जरांगे का अनशन फिर शुरु

-महाराष्ट्र सरकार पर बढ़ा दबाव, मंत्री पाटिल 400 किमी दूर मनाने पहुंचे

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने शनिवार को जालना जिले में भीषण गर्मी के बीच अपना नौवां अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया, जिससे आरक्षण के मुद्दे पर राज्य सरकार पर दबाव और बढ़ गया। अंतरवाली सराटी गांव में आंदोलन शुरू होते ही मराठा आरक्षण मंत्रिमंडलीय उप-समिति के अध्यक्ष और मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल वहां पहुंचे और जरांगे से बात कर उन्हें आंदोलन वापस लेने का प्रयास किया। मुंबई से करीब 400 किलोमीटर दूर स्थित अंतरवाली सराटी गांव में जरांगे ने भीषण गर्मी के बावजूद बिना किसी टेंट या छाया के खुले मैदान में अनशन शुरू किया। जरांगे सरकार से बार-बार कहते रहे हैं कि वह मराठा समुदाय की ''अग्निपरीक्षा'' न ले। उन्होंने यह भी संकल्प जताया कि उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई होने तक आंदोलन जारी रहेगा। जरांगे ने मराठा समुदाय के सदस्यों को ओबीसी आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी करने की अपनी मांग दोहराई है। इसके अलावा उन्होंने हैदराबाद और सातारा गजट अभिलेख लागू करने और आरक्षण आंदोलन में भाग लेने वाले मराठा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की भी मांग की है। उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए बने मंत्रालय की तर्ज पर मराठा समुदाय के लिए अलग मंत्रालय बनाने की मांग की।

अमरनाथ यात्रा के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम, 80 हजार जवान रहेंगे तैनात

-दो माह तक चलने वाली यात्रा में 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

श्रीनगर (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा 2026 को लेकर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए जा रहे हैं। 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलने वाली इस वर्ष की यात्रा के लिए 80 हजार से अधिक सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार यह अमरनाथ यात्रा के इतिहास की सबसे बड़ी सुरक्षा व्यवस्था मानी जा रही है।

सुरक्षा योजना के तहत लगभग 60 हजार अर्धसैनिक बलों के जवानों को जम्मू-कश्मीर में तैनात किया जाएगा। इसके लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की करीब 700 कंपनियां विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में लगाई जाएंगी। इनके अलावा पहले से तैनात जम्मू-कश्मीर पुलिस और भारतीय सेना के करीब 20 हजार जवान भी यात्रा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

यात्रा मार्गों, आधार शिविरों, संवेदनशील स्थानों और श्रद्धालुओं के ठहराव केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा एजेंसियां आधुनिक तकनीक, निगरानी उपकरणों और बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के जरिए यात्रा को सुरक्षित और सुचारु बनाने की तैयारी में जुटी हैं। इस वर्ष सुरक्षा बढ़ाने का एक प्रमुख कारण यात्रा की अवधि में वृद्धि भी है। पिछले वर्ष यात्रा 38 दिनों तक चली थी, जबकि इस बार इसकी अवधि लगभग दो महीने निर्धारित की गई है। लंबी अवधि के कारण अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। प्रशासन को उम्मीद है कि इस बार देशभर से 5 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। इसे देखते हुए सुरक्षा के साथ-साथ यातायात, स्वास्थ्य सेवाओं, आवास और आपदा प्रबंधन की व्यवस्थाओं को भी मजबूत किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यात्रा के दौरान किसी भी चुनौती से निपटने के लिए सुरक्षा बलों तथा प्रशासन के बीच समन्वित व्यवस्था बनाई गई है। इससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित की जा सकेगी।

केजरीवाल बोले- शिक्षा व्यवस्था माफिया के चंगुल में

-वायुसेना के विमान से प्रश्नपत्र पहुंचाने के प्रस्ताव पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक रोकने के लिए वायुसेना के विमानों के इस्तेमाल संबंधी प्रस्तावित व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि केवल प्रश्नपत्रों के परिवहन का तरीका बदलने से पेपर लीक जैसी समस्याएं खत्म नहीं होंगी और इसके लिए मजबूत एवं पारदर्शी व्यवस्था की आवश्यकता है।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने बयान में केजरीवाल ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता पेपर लीक रोकने की बजाय दिखावटी उपायों पर केंद्रित दिखाई दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा व्यवस्था परीक्षा माफिया के प्रभाव में आ चुकी है और इसे सुधारने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयासों की जरूरत है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट-यूजी परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने के बाद रद्द कर दी गई थी। अब इसकी पुनर्परीक्षा 21 जून को प्रस्तावित है। इसी बीच, देशभर में आयोजित सीयूईटी-यूजी परीक्षा के दौरान भी कुछ केंद्रों पर तकनीकी समस्याओं की शिकायतें सामने आई हैं।

आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने भी वाराणसी के एक परीक्षा केंद्र पर कथित सर्वर समस्या का मुद्दा उठाया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में छात्रों को परीक्षा शुरू होने में हुई देरी से परेशान दिखाया गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने परीक्षा प्रबंधन पर सवाल उठाए और कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मामलों में लापरवाही स्वीकार्य नहीं है।

नीट और सीयूईटी को लेकर उठे सवालों के बीच परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता, तकनीकी तैयारी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बहस तेज हो गई है। विपक्षी दल जहां सरकार को घेर रहे हैं, वहीं केंद्र और परीक्षा एजेंसियां निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा कराने का भरोसा जता रही हैं।

आईएसआई और अंडरवर्ल्ड नेटवर्क से जुड़े 9 संदिग्ध गिरफ्तार

-दिल्ली पुलिस का बड़ा दावा- धार्मिक स्थलों और सरकारी प्रतिष्ठानों को बना सकते थे निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी कार्रवाई में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क से कथित रूप से जुड़े 9 संदिग्धों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से हथियार, ग्रेनेड और अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह समूह दिल्ली, मुंबई और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े हमलों की साजिश रच रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इनके संभावित निशानों में प्रमुख धार्मिक स्थल, सरकारी इमारतें, मंत्रालय और सुरक्षा बलों से जुड़े प्रतिष्ठान शामिल थे। हालांकि इन आरोपों की जांच अभी जारी है और मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया चल रही है। सूत्रों के अनुसार, यह कथित मॉड्यूल लंबे समय से सक्रिय था और इसके कुछ सदस्य पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के संपर्क में थे। पुलिस सूत्रों का कहना है, कि गिरफ्तार आरोपियों में दिल्ली, मुंबई और पंजाब से जुड़े लोग शामिल हैं, जबकि कुछ नेपाली नागरिक भी हिरासत में लिए गए हैं।

जांच एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क के मास्टरमाइंड, फंडिंग चैनल और स्थानीय सहयोगियों की भूमिका की पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि इस मॉड्यूल को संचालित करने के लिए एक व्यापक लॉजिस्टिक और संपर्क तंत्र का इस्तेमाल किया जा रहा था।

पुलिस ने बताया कि फिलहाल संदिग्धों से पूछताछ जारी है और उनके डिजिटल रिकॉर्ड, वित्तीय लेन-देन तथा संपर्कों की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां उन भारतीय मददगारों और विदेशी संचालकों की पहचान करने का प्रयास कर रही हैं, जिन्होंने कथित तौर पर इस नेटवर्क को सहायता प्रदान की। अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद मामले से जुड़े और तथ्य सामने आ सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा संवेदनशील मामला बताते हुए सतर्कता बढ़ा दी है।

राजस्थान में रेतीले बवंडर का कहर, दिन में छाया अंधेरा

-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी

-पेड़ और बिजली पोल गिरे, सीमा से सटे इलाकों में सबसे अधिक असर

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में शनिवार को आए भीषण रेतीले तूफान ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर जिलों में दोपहर के समय तेज रेतीला बवंडर उठने से दिन में ही अंधेरे जैसी स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि इसका प्रभाव लगभग 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में देखा गया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रेतीले तूफान की शुरुआत हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर क्षेत्र से हुई, जिसके बाद यह तेजी से आसपास के जिलों में फैल गया। इस दौरान 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। धूल और रेत के घने गुबार के कारण दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे लोगों को दिन के समय भी वाहनों की हेडलाइट जलाकर सफर करना पड़ा।

तूफान के वीडियो हुए वायरल

तूफान के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें लोग तेज हवाओं और धूल से बचने के लिए घरों और दुकानों की ओर भागते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इतना व्यापक और घना रेतीला तूफान नहीं देखा। कुछ लोगों के अनुसार धूल का गुबार 80 से 100 फीट तक ऊंचा दिखाई दे रहा था, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पेड़ जड़ से उखड़े

तेज आंधी के कारण कई स्थानों पर पेड़ जड़ समेत उखड़ गए और बिजली के खंभों को भी नुकसान पहुंचा। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर नजर बनाए रखी है। राहत की बात यह है कि समाचार लिखे जाने तक किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं मिली। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, यह रेतीला तूफान पाकिस्तान की ओर से उठी धूलभरी हवाओं के प्रभाव के कारण राजस्थान के सीमावर्ती जिलों तक पहुंचा। मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने, अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने और मौसम संबंधी चेतावनियों पर ध्यान देने की सलाह दी है। अगले कुछ घंटों तक क्षेत्र में तेज हवाओं और मौसम में बदलाव की संभावना बनी हुई है।

अब नहीं होना पड़ेगा एलपीजी गैस पर निर्भर, रसोई का बदल जाएगा स्वरूप

-केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इथेनॉल आधारित आधुनिक कुक स्टोव का किया अनावरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में इथेनॉल आधारित एक आधुनिक कुक स्टोव का अनावरण किया है, जिसे घरेलू रसोई में एलपीजी गैस सिलेंडर का सस्ता, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल विकल्प माना जा रहा है। यह पूरी तरह भारत में विकसित और निर्मित तकनीक है, जिसका मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के क्षेत्र में देश की विदेशी निर्भरता को कम करना और घरेलू संसाधनों के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देना है।

विशेषज्ञों के मुताबिक यह चूल्हा भविष्य में आम लोगों की रसोई का स्वरूप बदल सकता है। इस चूल्हे की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे चलाने के लिए इथेनॉल को पानी में मिलाया जाता है। जानकारी के मुताबिक पानी में केवल सात फीसदी इथेनॉल मिलाकर इसे जलाया जा सकता है। यह मिश्रण तेज नीली लौ पैदा करता है, जिससे खाना करीब उसी गति से पकता है जैसे एलपीजी गैस चूल्हे पर पकता है। चूंकि इसमें तरल ईंधन का इस्तेमाल होता है, इसलिए एलपीजी सिलेंडर की तरह उच्च दबाव या विस्फोट का खतरा नहीं रहता, जिससे यह घरेलू उपयोग के लिए अधिक सुरक्षित माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह चूल्हा पर्यावरण के लिहाज से भी काफी बेहतर है। इसके जलने पर हानिकारक धुआं या प्रदूषणकारी गैसें बहुत कम निकलती हैं, जिससे यह स्वच्छ ऊर्जा के रूप में उभर सकता है। इसके अलावा, पानी के साथ सीमित मात्रा में इथेनॉल के उपयोग के कारण इसकी ईंधन लागत भी काफी कम हो सकती है। अनुमान है कि इथेनॉल की कीमत 60 से 70 रुपए प्रति लीटर के आसपास हो सकती है, जिससे मासिक खर्च एलपीजी सिलेंडर की तुलना में काफी कम पड़ेगा। दुनिया के कई देश ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और पेट्रोलियम पर निर्भरता कम करने के लिए इथेनॉल आधारित ईंधन को बढ़ावा दे रहे हैं।

बता दें इथेनॉल जैसे वैकल्पिक ईंधन की अवधारणा को 1973 के वैश्विक तेल संकट के बाद तेजी मिली थी, जब अरब देशों द्वारा तेल निर्यात पर प्रतिबंध लगाए जाने से दुनिया को ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ा था। विशेषज्ञ मानते हैं कि इथेनॉल आधारित यह नया चूल्हा भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक अहम पहल साबित हो सकता है। इससे किसानों को भी लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि इथेनॉल उत्पादन के लिए कृषि आधारित उत्पादों की मांग बढ़ेगी।

कर्नाटक के नए सीएम के सामने होंगी राजनीतिक, प्रशासनिक और आर्थिक चुनौतियां

-कार्यभार संभालने से पहले शिवकुमार के सामने मंत्रियों की परिषद चुनने की चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में बड़ी राजनीतिक हलचल के बीच सिद्दरमैया ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और उम्मीद है कि डीके शिवकुमार राज्य के नए सीएम होंगे। कर्नाटक के नए सीएम के सामने कई चुनौतियां भी होंगी जिनमें राजनीतिक, प्रशासनिक और आर्थिक चुनौतियां हैं। इनमें नई कैबिनेट में क्षेत्रीय और जातिगत समीकरणों को संतुलित करने से लेकर, वित्तीय दबाव के बीच कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखना और राजनीतिक रूप से संवेदनशील मेकेदातु जलाशय मुद्दे को सुलझाना शामिल है। ये काम शिवकुमार के लिए मुश्किलों भरा रहने वाला है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक औपचारिक रूप से कार्यभार संभालने से पहले ही शिवकुमार के सामने मंत्रियों की परिषद चुनने की बड़ी चुनौती है। शिवकुमार के सामने सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौतियों में से एक अहिंदा के उस समर्थन आधार को बनाए रखना है, जिसे सिद्दरमैया ने बड़ी मेहनत से तैयार किया था। अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों के इस सामाजिक गठबंधन ने 2023 में कांग्रेस की सत्ता में वापसी में अहम भूमिका निभाई थी और यह पार्टी की चुनावी रणनीति का मुख्य केंद्र बना हुआ है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि उन्हें अहिंदा समुदायों को यह भरोसा दिलाना होगा कि उनके हितों की रक्षा आगे भी होती रहेगी। जरा सी भी अनदेखी या नाराजगी बीजेपी-जेडीएस को अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने का मौका दे सकती है। इसलिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखना राजनीतिक रूप से बेहद जरूरी होगा।

सिद्दरमैया के साथ तालमेल बिठाकर काम करने की शिवकुमार की क्षमता ही यह तय करेगी कि 2028 में कांग्रेस सत्ता की बागडोर दोबारा संभाल पाती है या नहीं। बता दें सिद्दरमैया ने राज्य की राजनीति में सक्रिय रहने का प्रण लिया है।

कांग्रेस की मुख्य गारंटी योजनाओं को जारी रखते हुए राज्य के वित्त का प्रबंधन करना एक मुश्किलभरा काम साबित हो सकता है। सरकार पहले से ही पांच योजनाओं पर सालाना लगभग 51,000 करोड़ रुपए खर्च कर रही है, जिसमें गृह लक्ष्मी, शक्ति, अन्न भाग्य, युवा निधि और गृह ज्योति जैसी योजनाएं शामिल हैं। राजस्व जुटाना, बढ़ती सब्सिडी की प्रतिबद्धताएं और उधार लेने की सीमाएं मुख्य चिंताएं बनी रहेंगी लेकिन कल्याणकारी योजनाओं में कटौती करने से राजनीतिक जोखिम हो सकते हैं। कर संग्रह में सुधार, निवेश आकर्षित करना और खर्च को प्राथमिकता देना मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

बेंगलुरु से बाहर विकास का विस्तार करना और कृषि संबंधी चिंताओं को दूर करना एक और अहम क्षेत्र है जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। भले ही बेंगलुरु निवेश, बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक ध्यान के मामले में हावी बना हुआ है, लेकिन उत्तरी और ग्रामीण कर्नाटक के प्रतिनिधियों ने लगातार इन क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान देने की मांग की है। कई जिलों के किसानों को सूखे, सिंचाई की कमी, फसलों के नुकसान और बाजार की कीमतों में उतार-चढ़ाव से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

बेंगलुरु की शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर की मांगों और ग्रामीण विकास की उम्मीदों के बीच संतुलन बनाने के लिए संसाधनों का सोच-समझकर बंटवारा करना होगा। शिवकुमार के प्रशासन का मूल्यांकन न केवल बेंगलुरु के विकास से होगा, बल्कि इस बात से भी होगा कि विकास छोटे शहरों तक पहुंच पाता है या नहीं। मेकेदातु बैलेंसिंग रिजर्वोयर प्रोजेक्ट और कावेरी नदी से जुड़े बड़े विवाद के संवेदनशील राजनीतिक चुनौतियों के रूप में सामने आने की उम्मीद है। 2023 के चुनावों से पहले कनकपुरा से बेंगलुरु तक पदयात्रा करके मेकेदातु प्रोजेक्ट की जोरदार वकालत करने वाले शिवकुमार पर सीएम के तौर पर इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने का भारी दबाव होगा। पड़ोसी राज्य तमिलनाडु ने कावेरी नदी के पानी में अपने हिस्से को लेकर चिंताओं का हवाला देते हुए लगातार इसका विरोध किया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**